ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

महिला हत्याकांड की जांच एसआईटी से कराई जाए: बोम्मई @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 20 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-110

सरकार का फैसला : चीन के बने 20 लाख सीसीटीवी कैमरे हटेंगे

सीसीटीवी कैमरों से हमारी जासूसी कर रहा है चीन

- सीसीटीवी कैमरों से सैन्य प्रतिष्ठानों की भी हो रही जासूसी
- फोटो और डाटा सीधे चीन में स्थापित सर्वरों में भेजे जा रहे
- मेड इन इंडिया बता कर इंस्टॉल किए जाते रहे चीनी कैमरे
- देशभर में सीसीटीवी कैमरे लगाने के सख्त नियम लागू हुए

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतवर्ष के चप्पे-चप्पे में लगे क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरों से चीन हमारी जासूसी कर रहा है। चीन निर्मित सीसीटीवी कैमरों में जो चिप लगा है, वह यहां की तस्वीरें और डाटा सीधे चीन में स्थापित सर्वर में भेजता है। विडंबना यह है कि चीन के बने कैमरों को मेड इन इंडिया बता कर इंस्टॉल किया जाता रहा है, जिससे जासूसी का खतरा अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया है। चीन की इस जासूसी से निपटने के लिए पहले दौर में करीब 20 लाख सीसीटीवी कैमरे हटाने और उनकी जगह पुख्ता सुरक्षा तकनीकी जांच में पास देश में बने सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश जारी किया गया है।

सैन्य प्रतिष्ठानों में भी सीसीटीवी निगरानी कैमरों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। चीन की खुफिया एजेंसियों को डाटा भेजा जाना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। चीन खुफिया कानून 2017 के अनुसार, ये कंपनियां अपने सभी डाटा और साइटों की जानकारी को चीनी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा करने के लिए बाध्य हैं। चीनी सरकार के नियंत्रण वाली ये कंपनियां सीधे या अपनी भारतीय सहायक कंपनियों, ज्वाइंट वेंचर्स या डिस्ट्रीब्यूटर्स के जरिए वीएसएस हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सप्लाई करती हैं। रक्षा मंत्रालय भी इन चीनी सीसीटीवी पर गंभीर चिंता जता चुका है। इन कैमरों पर मेड इन इंडिया लिखा होता है, और ये कैमरे वाई-फाई या सिम से कनेक्ट होते हैं। सीसीटीवी कैमरा बनाने वाली कंपनियों में हिकविजन प्रमुख हैं, जिसमें चीनी सरकार की हिस्सेदारी 41 फीसदी है। भारतीय कंपनी से साझेदारी के बाद हिकविजन के कैमरे देश की कई महत्वपूर्ण इमारतों में लगे हुए हैं।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे देशों ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी सीसीटीवी के इस्तेमाल पर पहले ही प्रतिबंध लगा रखा है। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा कॉर्डिनेटर और साइबर सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत कहते हैं कि जब वे प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की नेशनल साइबर सिक्योरिटी से जुड़े थे, तो वे लगातार इन कैमरों पर बैन लगाने की मांग करते रहे। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर संकट है।

102 सीटों पर लोकसभा चुनाव का पहला चरण सम्पन्न

पहले चरण में हुआ 60 प्रतिशत मतदान

प. बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा की खबर

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ । 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 102 सीटों के लिए वोटिंग हुई। पहले चरण में जिन सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें तमिलनाडु की सभी 39 सीटें, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की आठ, मध्य प्रदेश की छह, उत्तराखंड की सभी पांच, महाराष्ट्र की पांच, असम और बिहार की चार-चार, पश्चिम बंगाल की तीन, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश की दो-दो, छत्तीसगढ़, मिजोरम और त्रिपुरा की एक-एक सीट शामिल है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, शाम पांच बजे तक 102 सीटों पर करीब 60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। तीन बजे तक 49.78 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। जिन 102 सीटों पर मतदान हुआ वहां 2019 में 69.96 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

ईवीएम पर संदेह का कोई औचित्य नहीं: आयोग

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बड़ी संख्या में लोगों के घरों से बाहर निकल कर वोट डालने को देखकर कहा, यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए अच्छा कदम है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक बार फिर कहा कि ईवीएम 100 फीसदी सुरक्षित है। सुप्रीम कोर्ट में भी तकनीकी ब्यौरा प्रस्तुत कर दिया गया है। ईवीएम पर संदेह करने का कोई तार्किक औचित्य नहीं है।

पाकिस्तान और उसके अंधभक्तों पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी

आतंक का सप्लायर आटे की सप्लाई के लिए तरस गया

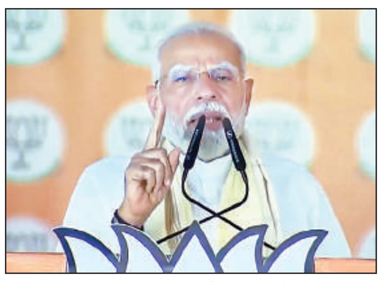

दमोह (मप्र), 19 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बीच ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के आगे के चरणों के लिए भी अभियान शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के दमोह में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। रैली के दौरान पीएम मोदी ने संकेतों में पाकिस्तान और पाकिस्तान के भारत स्थित अंधभक्तों पर भी बड़ा प्रहार किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा एक पड़ोसी जो आतंक का सप्लायर था वह अब आटे की सप्लाई के लिए तरस रहा है। पड़ोस के ऐसे विषम हालातों के बरक्स भारत दुनिया में सबसे तेजी से विकसित हो रहा है। अपने देश में बैठे पाकिस्तान के अंधभक्तों को भारत का तेज विकास देखा नहीं जा रहा है। वे तत्व भारत का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। वे देश को अस्थिर करने की कोशिशों में भी लगे हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इन सारे विरोधों और अनर्गल प्रलापों के बीच भारत विकसित भारत बनने की ओर तेजी से चल पड़ा है।

अंधभक्त दुष्प्रचार में लगे, सरकार देश के विकास में लगी

कई देश युद्धरत हैं, किंतु भारत युद्ध-स्तर पर विकासरत है

माहौल बताता है कि हमें 400 सीटें मिलेंगी : अमित शाह

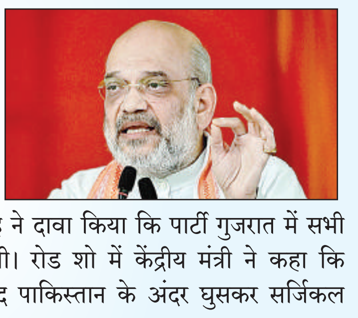

अहमदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पूरब हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, देश का माहौल बताता है कि हमें 400 सीटें मिलेंगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में एक रोड शो को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बार दक्षिण भारत में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। शाह ने दावा किया कि पार्टी गुजरात में सभी 26 सीटों पर बड़े अंतर से जीत हासिल करेगी। रोड शो में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान के अंदर घुसकर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके भारत को सुरक्षित बनाया।

रक्षा उत्पादन क्षेत्र में विश्व स्तर पर बजा भारत का डंका

ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप फिलीपींस पहुंची

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रह्मोस क्रूज़ मिसाइलों की पहली खेप आज फिलीपींस पहुंच गई। चीन के पड़ोसी देश फिलीपींस ने भारत से 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार कर ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलें खरीदी हैं। यह डील रक्षा क्षेत्र में भारत के लगातार मजबूत होने की भी सनद है।

भारतीय वायुसेना का ट्रांसपोर्ट विमान ब्रह्मोस मिसाइलों और लॉन्चर की पहले खेप लेकर आज फिलीपींस पहुंचा। मिसाइलों की खेप फिलीपींस की नौसेना को सौंपी जाएगी। खेप के साथ भारत के मिसाइल विशेषज्ञ भी गए हैं। ब्रह्मोस क्रूज़ मिसाइलें खरीदने का भारत और फिलीपींस के बीच करार जनवरी 2022 में हुआ था। इस डील के साथ भारत रक्षा क्षेत्र में एक बड़े निर्यातक के तौर पर उभरा है। यह भारत और रूस द्वारा विकसित ब्रह्मोस मिसाइल का पहला एक्सपोर्ट ऑर्डर है। भारत ने 2024-25 तक 35,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है। 1 अप्रैल को रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि भारत का रक्षा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 32.5 प्रतिशत बढ़ा है और पहली बार 21,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर गया। भारत अब अपनी सेना को अत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ सैन्य निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारत लगभग 85 देशों को सैन्य समान निर्यात कर रहा है और इसमें लगभग 100 स्थानीय कंपनियां शामिल हैं। मिसाइलें, तोपें, रॉकेट, बख्तरबंद वाहन, सुरक्षा गियर, रडार, निगरानी प्रणाली और गोला-बारूद का निर्यात भारत कर रहा है।

37.5 करोड़ डॉलर की डील पर फिलीपींस को मिल रही मिसाइलें

उल्लेखनीय है कि फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर में लगातार झड़प हो रही है। उसके कारण ब्रह्मोस की डिलीवरी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम को फिलीपींस द्वारा अपने तटीय क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। इससे चीन की टेंशन भी बढ़ गई है। फिलीपींस को यह मिसाइल प्रणाली ऐसे समय में मिल रही है, जब दक्षिण चीन सागर में लगातार होने वाली झड़पों के कारण उसका चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है।

एनएसजी, आईबी और नौसेना प्रमुख की नियुक्ति को मिली हरी झंडी

नलिन प्रभात एनएसजी चीफ, सपना तिवारी आईबी प्रमुख, दिनेश त्रिपाठी नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नलिन प्रभात को आतंकरोधी बल एनएसजी (नेशनल सिक्योरिटी गार्ड) का मुखिया नियुक्त किया गया है। नलिन प्रभात साल 1992 बैच के आंध्र प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं और फिलहाल सीआरपीएफ के अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने नलिन प्रभात की नियुक्ति को मंजूरी दी। वह अपना पद संभालने के बाद 31 अगस्त 2028 तक एनएसजी के डीजी पद पर रहेंगे। ब्लैक कैट के नाम से पहचाने जाने वाले आतंकरोधी बल एनएसजी को साल 1984 में गठित किया गया था। एनएसजी आतंकवाद और अपहरण विरोधी अभियानों के लिए बनाया गया विशेष बल है। मुंबई में 26/11 के हमले के दौरान भी एनएसजी ने अहम भूमिका निभाई थी।

कार्टून कॉर्नर

बड़ी फिल्मी और खेल हस्तियों के जरिए हो रही अवैध गेमिंग

अवैध गेमिंग से एक साल में 20897 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बड़ी फिल्मी और खेल हस्तियों के जरिए फाइनेंशियल-फ्रॉड से जुड़े गिरोह देश में अवैध गेमिंग का गोरखधंधा चला रहे हैं। अवैध गेमिंग से देश के महज एक साल में ढाई अरब डॉलर यानी 20897 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अवैध गेमिंग सिंडिकेट सरकार के साथ-साथ खिलाड़ियों (यूजर्स) को भी बुरी तरह लूट रहा है। सट्टेबाजी और जुआ का खेल चला कर देश का करोड़ रुपया लूटा जा रहा है।

अवैध सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी विदेशी कंपनियों से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में सरकारी खजाने के हर साल 2.5 अरब डॉलर (20,897.08 करोड़ रुपए) का भारी नुकसान हो रहा है। गेमिंग उद्योग निकाय ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ) ने केंद्र सरकार से ऐसे अवैध विदेशी मंचों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

सरकार के साथ-साथ यूजर्स को भी लूट रहे

सट्टेबाजी और जुआ से लूट रहे करोड़ों रुपए

एआईजीएफ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोलैंड लैंडर्स ने कहा, विदेशी कंपनियां अवैध सट्टेबाजी और जुए से विभिन्न खेलों को जोड़ती हैं। इससे उपयोगकर्ता वैध और अवैध गेमिंग के बीच अंतर नहीं कर पाते हैं। इस तरह, अवैध सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी विदेशी कंपनियां उपयोगकर्ताओं को चपत लगा रही हैं। इससे भारत में वैध उद्योग को भी नुकसान पहुंच सकता है।

लैंडर्स ने कहा, विदेशी अवैध सट्टेबाजी और जुआ मंच एक साल में 12 अरब डॉलर (एक लाख करोड़ रुपए) की रकम जुटा रहे हैं। इसका मतलब है कि सरकार को जीएसटी राजस्व में सालाना कम-से-कम 2.5 अरब डॉलर का नुकसान हो रहा है।

संगठन के सीईओ ने कहा, विदेशी अवैध गेमिंग कंपनियों ने उपयोगकर्ताओं को लुभाने के लिए मौजूदा आईपीएल सीजन के दौरान विज्ञापनों में तेजी से बढ़ोतरी की है। इनमें कई कंपनियां इतनी हिम्मत दिखा रही हैं कि अपने मंच पर कोई जीएसटी या टीडीएस नहीं लगने का बेबाकी से प्रचार कर रही हैं। लैंडर्स ने कहा, विदेशी कंपनियां अक्सर उपयोगकर्ताओं को नुकसान पहुंचाती हैं। वे वैध और अवैध गेमिंग कंपनियों के बीच भ्रमित हो जाते हैं।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी के नामांकन पर पहुंचे राजनाथ सिंह

भ्रष्टाचारमुक्त भारत भाजपा की प्रतिबद्धता

सभा और रैलियों में भी शामिल हुए रक्षा मंत्री

हैदराबाद, 19 अप्रैल (ब्यूरो)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शासन में ईमानदारी और पारदर्शिता के प्रति भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र की भाजपा सरकार पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचारमुक्त है। राजनाथ ने केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी के नामांकन दाखिले के मौके पर सिकंदराबाद के महबूब कॉलेज में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भ्रष्टाचारमुक्त शासन की भाजपा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

राजनाथ ने सिकंदराबाद के सांसद के रूप में श्री रेड्डी के कार्यकाल के दौरान परिवर्तनकारी प्रभाव का उल्लेख करते हुए उनके संसदीय क्षेत्र में हुए विकास की सराहना की।

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,088.33
+599.34 (0.83%) ↑
एनएसई :22,147.00
+151.15 (0.69%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

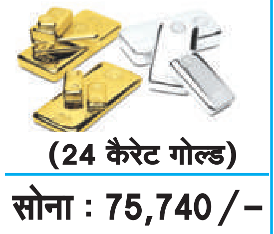

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 75,740/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 85,758/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 24^0

प्रज्वल रेवन्ना, देवेगौड़ा ने राज्य के साथ अन्याय पर संसद में आवाज क्यों नहीं उठाई: सीएम

हासन में प्रजाध्वनि रैली को किया संबोधित

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को पूछा कि प्रज्वल रेवन्ना और एचडी देवेगौड़ा ने कर्नाटक के साथ अन्याय के खिलाफ संसद में आवाज क्यों नहीं उठाई। जिले के बेलूर में कांग्रेस पार्टी के हासन लोकसभा उम्मीदवार श्रेयस एम पटेल के लिए प्रचार करने के लिए प्रजाध्वनि रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा, जो पूर्व प्रधान मंत्री और मुख्यमंत्री रह चुके हैं, को पता होना चाहिए कि केंद्र ने राज्य के साथ धन के हस्तांतरण और महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए मंजूरी देने में कैसे घोर अन्याय किया है।

उन्होंने कहा अब, देवेगौड़ा अपने बेटे एचडी कुमारस्वामी, एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री के साथ, भाजपा के साथ राजनीतिक रूप से प्रेरित गठबंधन के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा देवेगौड़ा भूल गए हैं कि एक मुख्यमंत्री भी उतना ही महत्वपूर्ण है

और 6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों का प्रतिनिधि है।

प्रधानमंत्री की तुलना में मैं भी कम महत्वपूर्ण नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का कोई भी अपमान राज्य के लोगों का अपमान है। सिद्धरामैया ने कहा कि हर साल 2 करोड़ नौकरियां पैदा करने का वादा करने वाले मोदी ने अपने वादे को भूलकर बेरोजगार युवाओं को आसानी से पकौड़े बनाने और बेचने की सलाह दी है। यह सभी स्वाभिमानी युवाओं और नागरिकों का अपमान है। अपने वादों को पूरा करने में विफलता के लिए भाजपा को दंडित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी किसानों की आय दो-गुनी करने का वादा कर रहे थे और उन्होंने अपनी सरकार द्वारा लाए गए अन्यायपूर्ण कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों पर बेशर्मी से गोलियां चलवाईं। उन्होंने दावा किया कि मोदी और बीजेपी या उसके गठबंधन सहयोगी जेडीएस के विपरीत, कांग्रेस पार्टी झूठे वादे नहीं करती और वादे के मुताबिक काम करती है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने लंबे और अधूरे वादों से लोगों को बेवकूफ बनाया है। कांग्रेस पार्टी लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्रवाई करती है और उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास करती है।

अब तक एक रुपया भी जारी नहीं किया

सिद्धरामैया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर जमकर निशाना साधा, जो राज्य से राज्यसभा गईं और अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये जारी करने का वादा किया था। लेकिन केंद्रीय बजट में किया गया यह वादा झूठा साबित हुआ है। अब तक एक रुपया भी जारी नहीं किया गया है। उन्होंने लोगों से जेडीएस और उसके गठबंधन सहयोगी बीजेपी को खारिज करने की अपील करते हुए कहा अब, प्रज्वल रेवन्ना, उनके चाचा कुमारस्वामी और दादा देवेगौड़ा ने कर्नाटक के साथ अन्याय पर सवाल उठाने के बजाय बीजेपी को गले लगा लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महंगाई और मूल्य वृद्धि से पीड़ित लोगों की मदद के लिए विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे को लागू किया। उन्होंने राज्य के कल्याण के बारे में चिंता न करने के लिए भाजपा-जेडीएस गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि गारंटियों से गरीबों और महिलाओं को मदद मिली है।

अंकित आच्छा अध्यक्ष व प्रीतेश खाबिया सचिव बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री सकल युवा मित्र मंच की आम सभा श्री जैन भवन में संपन्न हुई। बैठक में अगले कार्यकाल के लिए चुनाव हुआ। जिसमें अंकित आच्छा को पुनः सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए चुना गया।

ज्ञातव्य है कि 2024 में मंजूनाथनगर जैन भवन में चातुर्मास घोषित हो चुका है। अतः एसएसवाईएमएम के अंतर्गत नए सदस्यों को जोड़ने पर जोर देने का प्रस्ताव पारित हुआ। चुनाव के अगले संदर्भ में अध्यक्ष ने अपनी कमेटी में उपाध्यक्ष पर पर विनोद भंसाली, सचिव प्रीतेश खाबिया, सह सचिव दिनेश छाजेड और कोषाध्यक्ष के पद पर कल्पेश नाहर को चुना।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कस्तूरी कर्नाटक जनपर वेदिके द्वारा मैसूरु रोड स्थित गालि अंजनैया स्वामी देवस्थान के निकट रामनवमी के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को छाछ एवं पानका वितरित किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत एवं वेदिके के कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कर्नाटक के दौरे पर

सार्वजनिक बैठक समेत कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को बेंगलूरु के दौरे पर आएंगे, क्योंकि पहले चरण के 14 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए एक सप्ताह शेष रहने पर राजनीतिक दलों के नेता मतदाताओं को लुभाने के लिए पसीना बहा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को चिक्कबल्लापुर, बेंगलूरु ग्रामीण और बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के लिए खुलकर प्रचार करेंगे। शाम 4 बजे चिक्कबल्लापुर पहुंचने वाले मोदी बीजेपी उम्मीदवार डॉ. के. सुधाकर के पक्ष में खुला प्रचार करेंगे। प्रधानमंत्री के चिक्कबल्लापुर आगमन की पृष्ठभूमि में शनिवार को चिक्कबल्लापुर (बेंगलूरु-हैदराबाद) के राष्ट्रीय राजमार्ग 44 बाईपास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है, क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है। जिला प्रशासन ने राजमार्ग बाईपास को शनिवार शाम तक के लिए बंद कर दिया है। प्रधानमंत्री, जो शाम 4 बजे चिक्कबल्लापुर में एक खुली सार्वजनिक बैठक में भाग लेंगे,

पार्टी के उम्मीदवार डॉ. के सुधाकर के लिए वोट मांगेंगे। बाद में वह बेंगलूरु आएंगे और शाम 6 बजे बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में होने वाली खुली सार्वजनिक बैठक में हिस्सा लेंगे और पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेंगे। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए बीजेपी ने कर्नाटक में आठ क्लस्टर बनाए हैं। उत्तरी कर्नाटक, तटीय और पुराने मैसूरु को मिलाकर कुल 8 क्लस्टर बनाए गए हैं। इसी तरह, दोपहर 3 बजे चिक्कबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र में सम्मेलन के बाद, बेंगलूरु उत्तर में एक रोड शो और तुमकुरु में भी एक रोड शो आयोजित करने की योजना है। पहले चरण में राज्य की 14 सीटों पर 26 तारीख को चुनाव होंगे। पहले चरण में उडुपी-चिक्कमगलूरु, हासन, दक्षिण कन्नड़, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, मांड्या, मैसूरु-कोडागु, चामराजनगर, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु उत्तर, बेंगलूरु दक्षिण, चिक्कबल्लापुर और कोलार सीटों पर चुनाव होंगे। दूसरे चरण में चिक्कोडी, बेलगावी, बागलकोट, विजयपुर, कलबुर्गी, रायचूर, बीदर, कोप्पल, बेल्लारी, हावेरी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे और शिवमोग्गा निर्वाचन क्षेत्रों में 7 मई को मतदान होगा। दूसरे चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी की गई थी और शुक्रवार को नामांकन पत्र भरने का आखिरी रहा।

छात्रा की हत्या आकस्मिक

छात्रा और आरोपी एक-दूसरे से प्यार करते थे: परमेश्वर

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि कॉलेज परिसर में कांग्रेस पार्षद की बेटी की हत्या लव जिहाद का मामला नहीं है। 23 वर्षीय नेहा हिरेमथ ने उस युवक से शादी करने से इनकार कर दिया जिसके साथ वह रिश्ते में थी। इसलिए उसने उस पर कई बार चाकू से हमला किया, जिससे गुरुवार को उसकी मौत हो गई। इस तरह की घटनाएँ आकस्मिक रूप से होती हैं। लड़के ने लड़की की हत्या इस गुस्से में कर दी कि वह किसी से शादी कर लेगी।

आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि नेहा और आरोपी फैयाज एक दूसरे से प्यार करते थे। बाद में नेहा ने उनसे दूरी बनाने की कोशिश की थी और उनके शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। इससे नाराज होकर आरोपी ने नेहा की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं थी और घटना के दौरान नेहा की मां भी वहां थीं और उन पर भी हमला किया गया, लेकिन उन्हें बचा लिया गया। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह साबित करने के लिए कोई सबूत उपलब्ध नहीं है कि यह लव जिहाद का मामला है। बीवीबी कॉलेज में एमसीए की पढ़ाई कर रही नेहा हिरेमथ की बेलगावी जिले के सावदत्ती निवासी और उसी कॉलेज में बीसीए के छात्र फैजल कोंडिकोप्पा ने चाकू मारकर हत्या कर दी। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

नेहा के पिता निरंजन हिरेमठ हुब्बल्ली-धारवाड़ सिटी कॉर्पोरेशन में कांग्रेस पार्षद हैं। जय श्री राम के नारे लगाने पर युवाओं पर हमले के बारे में टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। कानून के खिलाफ जाने पर किसी की रक्षा नहीं की जायेगी। जय श्री राम के नारे लगाना स्वाभाविक है। जिसका प्रतिकार करने के लिए दूसरे गुट ने अलग-अलग नारे लगाये थे। किसी की रक्षा या तुष्टिकरण का कोई सवाल ही नहीं है। बिना दया के कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। जय श्री राम के नारे लगाने पर हिंदू युवकों पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ कमजोर धाराएं दर्ज किए जाने के आरोपों का खंडन करते हुए उन्होंने कहा कि साक्ष्य के अनुसार धाराएं दर्ज की जाएंगी। परमेश्वर ने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में भी इस तरह की घटनाएं हुई थीं।

नगर परिषद अध्यक्ष के बेटे 3 रिश्तेदारों की घर में हत्या

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
गदग बेटागेरी सिटी नगर परिषद के अध्यक्ष के बेटे और तीन अन्य की गदग में हत्या कर दी गई।

हत्या गदग बेटागेरी सीएमसी अध्यक्ष सुनंदा बकाले के आवास में हुई, जो गदग में चेन्नम्मा सर्कल के पास दशहरा ओनी में स्थित है। मृतकों में कोप्पल के सुनंदा बकाले के बेटे कार्तिक बकाले और उनके रिश्तेदार 55 वर्षीय परशुराम हादिमानी, 45 वर्षीय लक्ष्मी और 17 वर्षीय आकांक्षा हैं। परशुराम और उनका परिवार 17 अप्रैल को कार्तिक बकाले के विवाह समारोह में भाग लेने के लिए गदग आए थे। हत्या 18 अप्रैल की रात को की गयी। चारों पहली मंजिल पर सो रहे थे। परिवार के अन्य सदस्य निचली मंजिल पर सो रहे थे। परशुराम कोप्पल में एक होटल व्यवसायी थे। उन्होंने दो बार कोप्पल में नगरपालिका चुनाव लड़ा था, लेकिन असफल रहे। उनकी पत्नी लक्ष्मी ने नामांकित सदस्य के रूप में एक कार्यकाल पूरा किया था।

हिट-एंड-रन दुर्घटना में भाजपा कार्यकर्ता की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कोडागु में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक कार की चपेट में आने से एक भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार यह घटना कुशलानगर तालुक के वलनूर गांव में हुई और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर कोडागु पुलिस स्टेशन के बाहर धरना दिया। कोडागु एसपी ने कहा आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

कांग्रेस सरकार में हिंदुओं का नरसंहार, हिंदुओं का अपमान और आतंकवादी गतिविधियां बढ़ी: आर अशोक

▪ सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि ऐसा लगता है कि कर्नाटक राज्य जिहादियों का कर्नाटक बर रहा है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी करते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद, हिंदुओं का नरसंहार, हिंदुओं का अपमान और आतंकवादी गतिविधियां बढ़ी हैं। हुब्बल्ली में जो घटना हुई वह कर्नाटक में दिल दहला देने वाली घटना है। कर्नाटक भाजपा एक सुरक्षित क्षेत्र, कॉलेज परिसर में एक समुदाय विशेष के युवक द्वारा लव जिहाद के नाम पर एक हिंदू लड़की की चाकू मारकर हत्या करने की कड़ी निंदा करती है। अगर आप बेंगलूरु में फ्लैटों में रहते हैं तो अब वहां न रहें। पूरी जिंदगी धमकियों के बीच गुजारने वाले कांग्रेस नेता डी.के.शिवकुमार ने कहा है कि अगर आपको पीने का पानी चाहिए तो कांग्रेस को वोट दें। राज्य सरकार सूखा प्रबंधन में

पूरी तरह विफल रही है। 2013 से 5 साल तक सिद्धरामैया की सरकार रही। तब 3,600 किसानों ने आत्महत्या की थी। सिद्धरामैया ने उस तरफ देखा तक नहीं। बेंगलूरु से मैसूरु जाते वक्त अगर पत्रकार मांड्या में आत्महत्या के बारे में पूछते हैं तो सीएम को कोई फर्क नहीं पड़ता। आपकी सरकार किसान विरोधी है। इस साल 692 किसानों ने आत्महत्या की। आर अशोक ने कहा कि भले ही यह सिलसिले की तरह हो रहा है, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ा है। जब भाजपा सरकार थी तो किसान सम्मान योजना के तहत केंद्र सरकार 6 हजार और राज्य सरकार 4 हजार देती थी। आज केंद्र सरकार का पैसा आ रहा है। लेकिन कांग्रेस सरकार ने राज्य सरकार के पैसे पर रोक लगा दी है। ऐसे में किसान आत्महत्या के अलावा और क्या कर सकते हैं? उन्होंने शिकायत की कि यह एक क्रूर, हृदयहीन चट्टानी सरकार है। सरकार के नरम रवैये के कारण पूरे कर्नाटक में आतंकियों का तांडव जारी है। सभी मीडिया में लोग इसे देख रहे हैं। सरकार लव जिहाद और जयश्रीम के हमले, आतंकवाद और हत्या को नहीं रोक सकती। इसलिए उन्होंने मांग की कि सिद्धरामैया सरकार को लोगों से कहना चाहिए कि उन्हें अपनी सुरक्षा का ख्याल खुद रखना चाहिए। उनके लिए कानून व्यवस्था बनाए रखना असंभव है। डेवलपर्स को एक फ्लैट पर 7 से 10 करोड़ कांग्रेस टैक्स देना पड़ता है। इसे कर्नाटक की भ्रष्ट और लुटेरी सरकार ने लागू किया था। लोग यह भी समझते हैं कि गारंटी 2000 सिद्धरामैया की जेब से नहीं, डीके शिवकुमार के हाथ से नहीं, राहुल गांधी के घर से नहीं दी गई। दूध पर 3 रुपये, तेल पर 60 रुपये प्रति तिमाही, बिजली बिल, हाउस टैक्स, स्टांप हाउस रजिस्ट्रेशन में 250 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 11 महीनों में आपने पेयजल, स्कूल, अस्पताल समेत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कितना पैसा खर्च किया है?

कर्नाटक के तीर्थहल्ली में भारी बारिश

पेड़ गिरने से एक की मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के तीर्थहल्ली तालुक में कोनंदूर के पास डेमलापुरा में भारी बारिश और हवा के दौरान एक पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। 64 वर्षीय किसान, जयंती भट्ट अपनी बाइक पर थे, तभी सड़क किनारे एक पेड़ तेज हवाओं के कारण टूट गया और उन पर गिर गया। घटना के बाद घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। उनके शव को तीर्थहल्ली के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। तीर्थहल्ली, सागर, होसानगर तालुक के कई हिस्सों में गुरुवार शाम को तेज गति वाली हवा के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग 169ए के अगुम्बे घाट खंड पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई क्योंकि कई पेड़ उखड़ गए। स्थानीय प्रशासन ने वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए सड़क पर मलबा हटा दिया।

महिला हत्याकांड की जांच एसआईटी से कराई जाए: बोम्मई

कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
हावेरी-गदग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बसवराज बोम्मई ने कहा कि सुबह-सुबह कॉलेज परिसर में एक युवती की हत्या बेहद चौंकाने वाली है। पुलिस स्टेशनों में असामाजिक ताकतों को शाही सम्मान मिलने के कारण अवैध गतिविधियां धड़ल्ले से चल रही हैं। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार मामले को एसआईटी को सौंपकर इसकी जांच करे। हुब्बल्ली में किम्स, जहां मृतका का शव है, का दौरा करने और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की और कहा कि यह एक चौंकाने वाली खबर है। हुब्बल्ली में ऐसा कभी नहीं हुआ। यह समाज में अशांति है। समाजों के बीच सामंजस्य कम है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। उन्होंने शिकायत की कि गदग में हमारे नगर परिषद उपाध्यक्ष के परिवार का नरसंहार हुआ है। बेंगलूरु में जय श्रीराम बोलने वालों पर हमला किया गया। असामाजिक ताकतों को पुलिस थानों में शाही व्यवहार मिल रहा है। इस तरह की घटनाएं इसलिए हो रही हैं क्योंकि ऐसी धारणा है कि इस सरकार में गुंडों को संरक्षण देने वाले भी हैं। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि उन्हें हाथ पीछे नहीं करना चाहिए। ये सिर्फ एक निजी घटना है और इसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। कर्नाटक दूसरा बिहार बनता जा रहा है। गृह मंत्री, डीजीपी क्या कर रहे हैं? ये सरकार विधान सौधा में ही पाकिस्तान जिंदाबाद कहती है। गदग में पारिवारिक नरसंहार हुआ है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गयी है। हुब्बल्ली कमिश्नर के बयानों पर नजर डालें तो पता चलता है कि वह किसी भी मामले को गंभीरता से नहीं लेते हैं। नेहा हत्याकांड की जांच एसआईटी से करायी जाये। क्राइम ब्रांच के डीजीपी को जांच का नेतृत्व करना चाहिए। आरोपियों को उचित सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस मामले के तार्किक अंत तक लड़ेंगे। पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने मारे गए नेहा के पिता से बात की और कहा इस तरह की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और हम आपके साथ हैं। इससे पहले बोम्मई ने हावेरी में हुक्केरी मठ का दौरा किया और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और अन्य पार्टी नेताओं के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले पुजारी श्री सदाशिव स्वामीजी का आशीर्वाद लिया।

जॉर्ज ने झूठे वादों, जातिगत झगड़ों को लेकर भाजपा की आलोचना की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के ऊर्जा मंत्री और उडुपी-चिक्कमगलूरु लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी के जे जॉर्ज ने क्षेत्र में झूठे वादों और जातिगत संघर्षों में हालिया वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। इन मुद्दों के लिए भाजपा के शासन को जिम्मेदार ठहराया। जॉर्ज ने अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में भाजपा की विफलता पर प्रकाश डाला और कहा कि पार्टी ने अपने 600 वादों में से केवल 50 ही पूरे किए हैं। उन्होंने युवा आबादी के जनसांख्यिकीय लाभ के बावजूद अपेक्षित दोहरे अंकों की जीडीपी वृद्धि की अनुपस्थिति की ओर इशारा करते हुए, वर्तमान सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाया। वे जिला कांग्रेस भवन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान बोल रहे थे। ऐतिहासिक नेतृत्व पर विचार करते हुए, जॉर्ज ने पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की उनके प्रशासनिक कौशल के लिए प्रशंसा की, लेकिन नरेंद्र मोदी से जुड़ी वर्तमान नेतृत्व रणनीतियों की आलोचना की, जिन पर उन्होंने देवेगौड़ा और येदियुरप्पा जैसी शख्सियतों के साथ गठबंधन बनाए रखते हुए पारिवारिक राजनीति में संलग्न होने

का आरोप लगाया। अपनी टिप्पणी में, जॉर्ज ने प्रधान मंत्री के पद को गिराने में उनके बलिदान के लिए सोनिया गांधी को भी सम्मानित किया, और इसे देश में कांग्रेस के 70 साल के योगदान की भाजपा की आलोचना के बारे में उठाए गए नैतिक सवालों के एक महत्वपूर्ण विपरीत के रूप में पेश किया। इसके अलावा, जॉर्ज ने केडीपी बैठक में अनुपस्थिति के लिए भाजपा सांसद और मंत्री शोभा करंदलाजे को फटकार लगाई और उन्हें टूरिंग टॉकी कहकर उनकी लगातार यात्राओं का मजाक उड़ाया। उन्होंने विपक्षी नेतृत्व में बदलाव की आशंका जताते हुए स्थानीय परिषद के भीतर राजनीतिक अस्थिरता का संकेत दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थानीय राजनीतिक गतिशीलता पर टिप्पणियाँ भी शामिल थीं, जहाँ जॉर्ज ने आत्मविश्वास से कांग्रेस की व्यापक जीत की भविष्यवाणी की, जिसका लक्ष्य राज्य की सभी 28 सीटों को सुरक्षित करना था। जॉर्ज ने मंत्री बिरथी सुरेश द्वारा दिए गए एक बयान को संबोधित करते हुए निष्कर्ष निकाला, जिसमें जनता को उनकी टिप्पणियों के संदर्भ में सीधे सुरेश से स्पष्टीकरण मांगने की सलाह दी गई। केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष विनयकुमार सोराके, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक कुमार कोदावूर, उडुपी जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष किशन हेगड़े कोलकेबेलु, जिला कांग्रेस महासचिव महाबाला कुंदर, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद और अन्य उपस्थित थे।

भाजपा कर्नाटक सरकार को राज्यपाल शासन की दे रही धमकी: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा राज्य सरकार को धमकी दे रही है और मतदाताओं को बता रही है कि कानून-व्यवस्था में कथित गिरावट के कारण राज्य को राज्यपाल शासन के तहत रखा जाएगा। विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक गोपनीय रूप से क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? वे (भाजपा) दावा कर रहे हैं कि वे नाटक करके कर्नाटक को राज्यपाल के अधीन कर देंगे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे इसे कैसे पेश करते हैं, लेकिन यह यहां नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी राज्य में कानून व्यवस्था नहीं होने का दावा कर कांग्रेस नेताओं को धमका रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कर्नाटक राज्य की कानून व्यवस्था देश में सबसे अच्छी है। कर्नाटक भाजपा ने कथित तौर पर बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की है और दावा किया है कि पिछले 48 घंटों में राज्य भर में कई आपराधिक घटनाएं हुई हैं। कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस सरकार से सवाल किया है कि वह तुष्टीकरण की राजनीति के लिए और कितने हिंदुओं की जान लेना चाहती है। शासन का उद्देश्य निरंकुशता है। राज्य में कानून व्यवस्था खत्म हो गयी है। यह कांग्रेस सरकार का मार्गदर्शक सिद्धांत बन गया है। सीएम सिद्धरामैया, आपकी तुष्टिकरण की राजनीति के परिणामस्वरूप, एक फैयाज ने हुब्बल्ली के बीवीबी कॉलेज में नेहा हिरेमथ की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। आपको जवाब देना होगा कि आप तुष्टीकरण की राजनीति के लिए और कितने हिंदुओं की जान लेना चाहते हैं?

राज्य में कानून-व्यवस्था ही नहीं: शोभा करंदलाजे

पिछले 5 महीनों में कई घटनाएं हुई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार शोभा करंदलाजे ने पूछा कि कर्नाटक राज्य में कानून व्यवस्था कहां है? भाजपा चुनाव मीडिया सेंटर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली कॉलेज के परिसर में हुई घटना ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। किसी अन्य राज्य में तो हमने दर्जनों बार लड़कियों को चाकू मारकर हत्या करने की बात सुनी है। लेकिन इन दिनों हुब्बल्ली में एक अकल्पनीय घटना घटी। एक हिंदू लड़की नेहा को अल्पसंख्यक समुदाय के एक लड़के ने कॉलेज परिसर के अंदर 9-10 बार चाकू मारकर हत्या कर दी, क्योंकि वह उससे प्यार नहीं करती थी। उसने उसकी इतनी भयानक हत्या की कि उसका पूरा पेट बाहर आ गया। उन्होंने कहा कि हम सभी बहुत दुखी हैं। इससे पहले उन्होंने

उडुपी में टॉयलेट में हिंदू लड़कियों का वीडियो बनाया था। हावेरी के हनागल में हिंदू युवकों को पीटा गया। पिछले 5-6 महीनों में कर्नाटक में जो घटनाएं हो रही हैं, वो डर पैदा कर रही हैं। उन्हें विधानसौधा में पाकिस्तान जिंदाबाद कहने का साहस मिला। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस बिना देर किए मामले की जांच करती तो दूसरों को ऐसा करने की हिम्मत नहीं होती। रामनवमी के दिन अपनी कार में भगवाध्वजा लेकर जा रहे 3 युवकों को झंडा उतारने की हिदायत दी गई और जय श्री राम के नारे के बजाय अल्लाह हो अकबर का नारा लगाने के लिए कहा गया। वहीं गुरुवार को सिद्धपुर, कोडागु में हमारे युवा मैसूरु के उम्मीदवार महाराज के चुनाव प्रचार में शामिल थे। बाद में, अल्पसंख्यक जाति के एक युवक ने अभियान के बाद जा रहे लोगों पर कार चला दी और उनमें से एक की मृत्यु हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मैसूरु में मोदी के बारे में गाना लिखने वाले युवक के साथ मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने युवक के ऊपर पेशाब कर दिया और उसकी जेब में स्थित तस्वीर पर भी पेशाब कर दिया। रामेश्वरम कैफे में बम रखा गया था। कड़ाबा के एक कॉलेज में एक युवक ने छात्रा पर तेजाब फेंक दिया। जिसके बाद 3 छात्राएं परीक्षा नहीं दे पाई और उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों ने मांड्या झील की दीवार पर लगे हनुमान ध्वज को गिराने की साजिश रची थी। नगरथपेट में हनुमान चालीसा सुन रहे एक युवक की पिटाई कर दी गई। जिस लड़के की पिटाई हुई उसके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कर लिया गया है। ऐसे में मै जानना चाहती हूं कि कर्नाटक में क्या चल रहा है? 2013 में जब सिद्धरामैया मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने पॉपुलर फ्रंट (पीएफआई) के सभी मामले वापस ले लिए थे। उन्होंने उन पर समाज विरोधियों और आतंकवादियों को सड़क पर आने देने का आरोप लगाया। हमारे दसियों हिन्दू युवा मारे गये। प्रवीण नेट्टारू मामले के बाद केंद्र सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया। परिणामस्वरूप, पीएफआई को देश में प्रतिबंधित कर दिया गया। प्रतिबंधित पीएफआई संगठन के सभी युवा उसके मुखपत्र राजनीतिक दल एसडीपीआई के हैं। एसडीपीआई ने अब कांग्रेस को अपना समर्थन दे दिया है। वे सभी आतंकवादी थे, जिन्हें सिद्धरामैया ने रिहा किया था, जो हिंदू युवाओं की हत्या के लिए जिम्मेदार थे।

अपमानजनक विज्ञापन के खिलाफ भाजपा ने की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने सभी कन्नड़ और अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्रों के पहले पन्ने पर भाजपा के बारे में अपमानजनक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को नृपतुंगा रोड स्थित चुनाव आयोग कार्यालय का दौरा किया और इस बारे में शिकायत की। अपनी शिकायत में उन्होंने कन्नड़ और अंग्रेजी में अपमानजनक विज्ञापन जारी करने के लिए केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने के लिए संबंधित अधिकारियों को उचित निर्देश देने का आग्रह किया।

याचिका सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में विधायक रवि सुब्रमण्यम, लॉ प्रोकॉम्बैट के राज्य संयोजक वसंत कुमार और पार्टी के प्रमुख नेता शामिल थे।

राज्य और देश की हवा प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में: विजयेन्द्र

सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं की मेहनत से सभी 28 सीटों पर जीत तय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के कारण राज्य की सभी सीटों पर भाजपा की जीत तय है। पिछले दस सालों के उनके विकास कार्यों ने जनता का विश्वास जीता है। यहां शिवानंदा सर्कल पर स्थित अपने आवास पर उन्होंने अन्य भाषा के पत्रकारों से वार्ता में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल में घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा किया है, चाहे वह राम मंदिर हो या 370 हो। पूछे गए एक सवाल के जवाब में विजयेन्द्र ने कहा कि मोदी की गारंटी स्थाई है, जबकि कांग्रेस की गारंटी अस्थाई है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की गारंटी सिर्फ लोकसभा चुनाव तक ही सीमित रहेगी। चुनाव होने के बाद सभी गारंटी खत्म हो जाएगी। राज्य

में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से सभी विकास कार्य ठप हो गए हैं। कांग्रेस शासन में एक भी विकास कार्य शुरू नहीं किया गया है। इस प्रकार कांग्रेस केवल जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ कर रही है। राज्य में लोकसभा चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि कर्नाटक की सभी सीटों पर बीजेपी और जेडीएस गठबंधन की जीत तय है। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद संविधान बदलने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह केवल जनता को भ्रमित करने के लिए कांग्रेस का नाटक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संविधान के प्रति बहुत श्रद्धा है। कांग्रेस केवल जनता में संविधान को लेकर भ्रम फैला रही है।

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा का बेटा होने की वजह से मै प्रदेशाध्यक्ष नहीं बना हूं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा ने मुझे इस पद के लिए चुना है। मुझ पर उन्होंने जो विश्वास दिखाया है मै शत प्रतिशत करने का प्रयास कर रहा हूं। भाजपा के सभी कार्यकर्ता एक साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। पार्टी में किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद भले ही यह मेरा पहला लोकसभा चुनाव है, लेकिन आखिरी नहीं है। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कर्नाटक की सभी लोकसभा सीटें हम जीतेंगे। विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में जमीन आसमान का अंतर होता है। राज्य की जनता काफी समझदार है और उन्हें पता है कि लोकसभा चुनाव में किसका साथ देना है। इस प्रकार राज्य की जनता कांग्रेस के खोखले वादों के झांसे में नहीं आएगी और मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएगी।

मैसूरु-कोडागु लोकसभा सीट

वोक्कालिगा समूह ने कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन की घोषणा की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के हाई-प्रोफाइल मैसूरु-कोडागु लोकसभा क्षेत्र में प्रभावशाली वोक्कालिगा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह ने कांग्रेस एम. लक्ष्मण को समर्थन देने की घोषणा की है। वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले मौजूदा सांसद प्रताप सिम्हा को टिकट नहीं देने पर भाजपा को घेरने की कांग्रेस की लगातार कोशिशों के बीच यह बात सामने आई है। भाजपा ने मैसूरु-कोडागु लोकसभा क्षेत्र से दो बार के सांसद सिम्हा को हटाकर शाही वंशज यदुवीर वाडियार को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने वोक्कालिगा और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी लक्ष्मण को इस सीट से उम्मीदवार बनाया है। मैसूरु वोक्कालिगा एसोसिएशन के अध्यक्ष मारी स्वामी ने गुरुवार को घोषणा की कि एसोसिएशन कांग्रेस उम्मीदवार लक्ष्मण का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा मौजूदा सांसद प्रताप सिम्हा को टिकट नहीं दिया गया क्योंकि वह वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वोक्कालिगाओं को व्यवस्थित रूप से दरकिनार कर दिया गया है और इसलिए, यह निर्णय लिया गया है। हम लक्ष्मण का समर्थन नहीं कर रहे हैं क्योंकि वह कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। मैसूरु-कोडागु लोकसभा सीट पर लगभग 15 लाख मतदाता हैं, जिनमें से 4 लाख से अधिक वोक्कालिगा हैं, इसके बाद लिंगायत, दलित और ओबीसी हैं। इसके अलावा 1.5 लाख मुस्लिम और 1 लाख ब्राह्मण वोटर हैं।

चुनाव के आधार पर जारी धारा 144 को रद्द करने की मांग, सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में दो सप्ताह बाद एक याचिका पर सुनवाई होगी, जिसमें सीआरपीसी की धारा 144 के तहत चुनावों के आधार पर जारी निषेधाज्ञा को रद्द करने की मांग की गई है। शीर्ष अदालत द्वारा इस मामले में सुनवाई के लिए सहमति जताई गई है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह निर्देश भी दिया कि चुनाव के बारे में लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से यात्राएं या बैठकें आयोजित करने की अनुमति मांगने के लिए दायर आवेदनों पर सक्षम प्राधिकारी तीन दिनों के भीतर फैसला करेगा।

बता दें कि सामाजिक कार्यकर्ताओं अरुणा रॉय और निखिल डे द्वारा कोर्ट में यह याचिका दायर की गई है। इसमें सीआरपीसी की धारा 144 के तहत बैठकों, सभाओं, जुलूसों या धरनों पर रोक लगाने के लिए मजिस्ट्रेट और राज्य सरकारों के अभ्यास पर रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोर्ट में पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि पिछले छह महीनों में चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा के समय से लेकर चुनाव के अंत तक की अवधि के लिए धारा 144 को लेकर व्यापक आदेश जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आदेशों को देखते हुए चुनावी अवधि के दौरान सभी प्रकार की सभाओं, बैठकों और प्रदर्शनों पर रोक लगाई जाती है। पीठ ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की है।

उच्चतम न्यायालय ने चुनाव के दौरान किसी भी सभा पर रोक लगाने के व्यापक आदेश जारी किये जाने पर शुक्रवार को आश्चर्य व्यक्त किया और सक्षम अधिकारियों को मौजूदा आम चुनावों के दौरान यात्राएं आयोजित करने की अनुमति के लिए किसी भी व्यक्ति की ओर से की गयी याचिका पर तीन दिन के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय और निखिल डे की याचिका पर यह निर्देश दिया। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता सुश्री रॉय और श्री डे की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दावा किया कि चुनाव आयोग ने आम चुनाव होने तक सभी सभाओं, बैठकों, प्रदर्शनों आदि पर रोक लगा दी है। पीठ ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा, ऐसा आदेश कैसे जारी किया जा सकता है। श्री भूषण ने संविधान पीठ के पहले के फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक शांति भंग होने की कोई ठोस वास्तविक आशंका न हो, सीआरपीसी की धारा 144 के तहत कोई आदेश जारी नहीं किया जा सकता है। पीठ के कहने पर श्री भूषण ने अदालत में ऐसा ही एक नोटिस को पढ़ा।

नामांकन खारिज होने पर विचार करने लगे तो अराजकता फैल जाएगी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अगर सर्वोच्च अदालत चुनाव में नामांकन पत्रों की अस्वीकृति के खिलाफ याचिकाओं पर विचार करना शुरू कर दें तो अराजकता फैल जाएगी। दरअसल, बिहार के जवाहर कुमार झा बाकां संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते थे। उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन भी भरा लेकिन उनका नामांकन खारिज हो गया। इसी के खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए याचिका दायर की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अगर हम नामांकन पत्रों की अस्वीकृति के खिलाफ संविधान के तहत अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाओं पर विचार करना शुरू कर देंगे तो अराजकता फैल जाएगी। हालांकि, उन्होंने उनके अधिवक्ता अलख आलोक श्रीवास्तव को उचित कानूनी उपाय खोजने की अनुमति जरूर दे दी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि अगर हम नोटिस जारी करते हैं और मामले की सुनवाई करते हैं, तो भी यह चुनाव से परे जाएगा। आपको चुनाव आयोग के नियमों का पालन करना होगा। इसलिए हम इस याचिका की सुनवाई के इच्छुक नहीं हैं।

आत्मविश्वास की कमी के कारण राहुल वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं : जेपी नड्डा

वायनाड, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल के वायनाड से इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वह इस लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी से चुनाव लड़ेंगे तो हार जायेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) उम्मीदवार के सुरेंद्रन के लिए चुनाव प्रचार के हिस्से के रूप में सुल्तान बाथरी में एक रोड शो को संबोधित करते हुए, श्री नड्डा ने आरोप लगाया कि श्री गांधी की राजनीति उचित रुख के बिना है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं जिनके पास अपने निर्वाचन क्षेत्र अमेठी से चुनाव लड़ने का आत्मविश्वास नहीं है। राहुल गांधी का गठबंधन राष्ट्र विरोधियों, प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई), सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के साथ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें देश के लोगों पर कोई भरोसा नहीं है।

श्री नड्डा ने कहा कि वायनाड से मौजूदा सांसद देश से जुड़ी कोई बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में जांच के घेरे में हैं, इसीलिए वह भ्रष्ट लोगों को बचा रहे थे और परिवारवाद की राजनीति कर रहे थे और तुष्टिकरण की राजनीति उनकी पहचान है। उन्होंने कहा, श्री गांधी नई दिल्ली में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नेता डी. राजा के साथ इंडिया समूह के सहयोगी के रूप में राजग के खिलाफ लड़ रहे हैं। हास्यास्पद बात यह है कि राजा की पत्नी एनी राजा वायनाड में राहुल के खिलाफ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। इससे साबित होता है कि राहुल गांधी का कोई राजनीतिक रुख नहीं है। श्री नड्डा ने दावा किया कि देश की प्रगति को मजबूत करने के लिए वायनाड से कमल खिलेगा। नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासन में भारत अब पांचवीं शक्ति है। इस बार यह भारत को दुनिया की तीसरी शक्ति बनाएगा और देश का विकास सुनिश्चित करेगा।

केंद्र सरकार एक ऐसा प्रशासन चला रही है जो गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को एक साथ रखता है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से माताओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया। जल जीवन मिशन से केरल में 10 लाख लोगों को पीने का पानी मिला। स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से करोड़ों शौचालय बनाये गये। जनधन खातों के माध्यम से महिलाओं में बचत की आदत बनी है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में चार करोड़ घर बनाए गए, इनमें से दो लाख घर केरल में बने। श्री नड्डा ने यह भी कहा कि आयुष्मान भारत योजना के जरिए गरीब लोगों के लिए 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित किया गया है। राजग उम्मीदवार ने कहा कि वायनाड चुनाव के बाद श्री गांधी अमेठी में अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। वायनाड को अपना घर बताते हुए वह 26 अप्रैल के बाद फिर से अमेठी को अपना घर बनाएंगे। उन्होंने कहा, जनता राहुल गांधी को सबक सिखाएगी जिन्होंने पिछले पांच साल में वायनाड के विकास में कोई योगदान नहीं दिया। श्री नड्डा 1130 बजे वायनाड पहुंचे और 1200 बजे से 1330 बजे तक सुल्तान बाथरी में रोड शो किया। सुल्तान बाथेरी में असेम्प्शन जंक्शन से चुंगम तक सड़क के दोनों ओर सभी वर्गों के हजारों लोग जमा थे। पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कुमानम राजशेखरन और भाजपा जिला नेता भी विशेष रूप से व्यवस्थित खुले वाहन में रोड शो में शामिल हुए।

पीएम मोदी भारत को विश्व गुरू बनाने की कोशिश कर रहे : हिमंत सरमा

गुवाहाटी, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। असम की गुवाहाटी संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले मेधी के समर्थन में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी इस बार पांच लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि लोगों का उत्साह भाजपा और हमारे लोकसबा उम्मीदवार के प्रति अटूट समर्थन को दर्शाता है। यह हमारे लिए बड़ा प्रोत्साहन है। आप लोगों का यह समर्थन देखकर लगता है कि हम यहां पांच लाख से अधिक वोटों से जीतेंगे।

सभा में उन्होंने कहा कि हमारा समर्थन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए है। हम उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। हम असम को आगे बढ़ाना चाहते हैं और प्रधानमंत्री भारत को। वे भारत को विश्व गुरू बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा, सीएम सरमा गुवाहाटी प्रत्याशी के साथ नामांकन दाखिल करने भी पहुंचे। नामांकन दाखिल करने के बाद मेधी ने कहा कि जनता मेरे समर्थन में आई है। लोगों का आशीर्वाद है मेरे साथ। मुझे गुवाहाटी में जीत का पूरा भरोसा है।

असम की गुवाहाटी लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर इस बार मैदान में हैं बिजुली कलिता मेधी। ज्योतिनगर की कलिता निजी अंग्रेजी स्कूल में शिक्षिका रह चुकी हैं। उनके पति टिकेन मेधी दुखिया स्टोर के नाम से किराने की दुकान चलाते हैं। वह भी लंबे समय से भाजपा से जुड़े हैं। कलिता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और असम भाजपा की पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष रह चुकी हैं। यह उनका पहला लोकसभा चुनाव है। 2019 में गुवाहाटी सीट से भाजपा की रानी ओजा सांसद थी। मेधी का मुकाबला कांग्रेस की मीरा बोरठाकुर से होगा। असम के 42 लाख कार्यकर्ताओं में से भाजपा नेतृत्व ने मेधी को चुना है।

रेलवे गर्मियों में चलाएगी 9111 विशेष गाड़ियां

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने इस साल गर्मियों में यात्रियों के सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए नौ हजार से अधिक अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की योजना बनायी है। रेल मंत्रालय के अनुसार गर्मियों के मौसम में मांग में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष गाड़ियों के 9111 फेरों का संचालन किया जाएगा।

रेल मंत्रालय के अनुसार 2023 की गर्मियों में कुल 6369 फेरों का संचालय किया गया था। इस प्रकार से इस वर्ष गाड़ियों के फेरों में 2742 की रिकॉर्ड वृद्धि की गयी है। प्रमुख रेल मार्गों पर निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए देश भर के प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है। समस्त जोनल रेल द्वारा देश भर में गर्मियों के मौसम में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों से यात्रियों की भीड़भाड़ को कम करने के लिए इन अतिरिक्त फेरों को संचालित करने की तैयारी कर ली गई है।

रेलवे के मुताबिक मध्य रेलवे में 488 फेरे, पूर्वी रेलवे में 254 फेरे, पूर्व मध्य रेलवे 1003 फेरे, पूर्वी तट रेलवे में 102 फेरे, उत्तर मध्य रेलवे में 142 फेरे, पूर्वोत्तर रेलवे में 244 फेरे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में 88 फेरे, उत्तर रेलवे में 778 फेरे, उत्तर पश्चिम रेलवे में 1623 फेरे, दक्षिण मध्य रेलवे में 1012 फेरे, दक्षिण पूर्व रेलवे में 276 फेरे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 12 फेरे, दक्षिण पश्चिम रेलवे में 810 फेरे, दक्षिणी रेलवे में 239 में फेरे, पश्चिम मध्य रेलवे में 162 फेरे तथा पश्चिमी रेलवे में 1878 फेरे संचालित किये जाएंगे। रेल मंत्रालय ने कहा कि अतिरिक्त ट्रेनों की योजना बनाना और संचालित करना एक सतत प्रक्रिया है जिसके लिए किसी मार्ग विशेष पर चलने वाली रेलगाड़ियों की मांग का आकलन करने के लिए पीआरएस प्रणाली में प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के विवरण के अलावा मीडिया रिपोर्ट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, रेलवे इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन नंबर 139 जैसे सभी संचार चैनलों से सातों दिन 24 घंटे इनपुट लिए जाते हैं। इस आवश्यकता के आधार पर, ट्रेनों की संख्या और फेरों की संख्या बढ़ाई जाती है। पूरे सीज़न के लिए न तो ट्रेनों की संख्या और न ही अतिरिक्त ट्रेनों द्वारा संचालित फेरों की संख्या स्थिर रहती है। भारतीय रेलवे ने गर्मियों के मौसम में जोनल रेल को रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सभी प्रमुख और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर भीड़भाड़ के नियंत्रण की व्यापक व्यवस्था की गई है। भीड़भाड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने के लिए सभी गतिविधियों की निगरानी के लिए इन स्टेशनों पर वरिष्ठ अधिकारी तैनात हैं। सामान्य श्रेणी के डिब्बों में प्रवेश के लिए कतार प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक स्टेशनों पर रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर कड़ी नजर रखने और यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करने के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में कुशल आरपीएफ कर्मचारी तैनात किए गए हैं। भारी भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारी फुट-ओवर ब्रिज पर तैनात किए जा रहे हैं।

ओड़ीसा में महानदी में नाव पलटी एक की मौत, छह लापता

रेस्क्यू में जुटी एसडीआरएफ की टीम

झारसुगुड़ा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ से लगे ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर ब्लॉक के सारधा घाट में बांझी पाली मंदिर से दर्शन कर लौट रहे करीब 70 से ऊपर सवार लोगों की नाव पलट कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। नदी में नाव पलटने से करीब छह लोग लापता हैं जबकि समाचार लिखे जाने तक एक का शव बरामद कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार ये सभी यात्री छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के ग्राम कोतरलिया निवासी गंगाराम लोहार के घर खरसिया से करीब 50 लोग आए थे। इसके बाद कोतरलिया व खरसिया अंजोरपाली के लगभग 70 लोग पिकप, मार्सल व कार से सरधा पथरसेनी मंदिर पूजा के लिए रवाना हुए। जहां ओडिशा के पचगांव के आगे नदी पार करके नाव में सवार होकर जा रहे थे।

मंदिर में दर्शन के बाद इन लोगों ने मंदिर में बली भी चढ़ाए थे। मंदिर दर्शन के बाद वापसी के समय सरधा घाट से कुछ ही पहले यह दुर्घटना घटी है। इन लापता लोगो में ज्यादातर महिला और बच्चे ही हैं। सूचना के अनुसार, कई महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 70 लोगों से अधिक को लेकर नाव सारधा के पास महानदी में पलट गई। जो तैर सकते थे उन्होंने अपनी जान बचाई जबकि कुछ लोगों को स्थानीय मछुआरों ने निकाल लिया। बताया जाता है कि यह घाट अवैध रूप से चलता है और ज्यादातर नाव में जैकेट आदि की सुरक्षा संबंधित साजो सामान नहीं रहते। घटना के संबंध में झारसुगुड़ा के पुलिस अधीक्षक स्मित पी परमार ने बताया कि कई लोगों ने तैर कर व किसी स्थानीय लोगो की मदद से अपनी जान बचायी। पर अभी तक एक का शव बरामद किया जा सका है। छह लोग लापता हैं जिनकी खोज का काम जारी है। गोताखोरों की टीम भी बचाव अभियान में लगी हुई है।

जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्वक हुआ प्रथम चरण का मतदान

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 19 अप्रैल।

उधमपुर लोकसभा सीट पर दोपहर तीन बजे तक 57.09 प्रतिशत मतदान हुआ था लेकिन इस लोकसभा क्षेत्र में कई नजारे देखने को मिले। कहीं सबसे पहले मतदान करने को वे नवविवाहित जोड़े पहुंचे जो या तो कन रात को शादी के बंधन में बंधे थे या फिर जो आज शांदी के बंधन में बंधने जा रहे थे। यही नहीं पहली बार मतदान करने वालों की भी खासी भीड़ थी। सबसे ज्यादा मतदान जिला कठुआ की जसरोटी विस सीट पर 62.03 फीसदी वोटिंग हुई है।

पहली बार मतदान करने के लिए पहुंच रहे युवाओं में उत्साह देखने को मिला था। 2019 के लोकसभा चुनावों में उधमपुर सीट पर 70.2 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया है कि कुल 84,468 संभावित पहली बार मतदाता हैं, जिनकी आयु 18-19 वर्ष है, जिनमें से 45,825 युवक, 38,641 युवतियां और दो थर्ड जेंडर शामिल हैं। निर्वाचन क्षेत्र में बड़ी संख्या में बुजुर्ग आबादी भी है, जिसमें 80 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 12,020 पुरुष और 13,612 महिलाएं हैं। कुल मिलाकर 25,632 अनुभवी मतदाता चुनावी प्रक्रिया में योगदान दिया था।

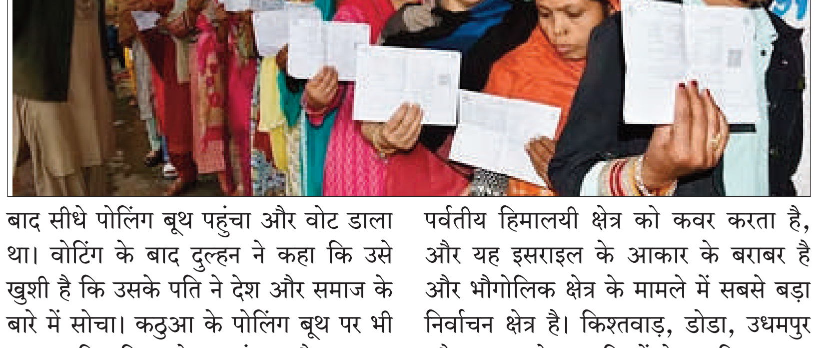

उधमपुर में एक नवविवाहित जोड़ा शादी के बाद सीधे पोलिंग बूथ पहुंचा और वोट डाला था। वोटिंग के बाद दुल्हन ने कहा कि उसे खुशी है कि उसके पति ने देश और समाज के बारे में सोचा। कठुआ के पोलिंग बूथ पर भी एक नवविवाहित जोड़ा पहुंचा और मतदान किया। कठुआ के पारलीबंड पोलिंग स्टेशन पर भी लोकतंत्र के महापर्व की सबसे शानदार तस्वीर दिखाई दी। यहां गुरुवार को शादी के बंधन में बंधे असीम मगोत्रा और वैशाली ने शादी के सात फेरे लेने के बाद शादी के मंडप से सीधा मतदान केंद्र का रुख किया। दूल्हा और दुल्हन शादी के जोड़े में सीधा मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मतों का प्रयोग किया।

उधमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के छह संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। यह निर्वाचन क्षेत्र 20,230 वर्ग किलोमीटर पर्वतीय हिमालयी क्षेत्र को कवर करता है, और यह इसराइल के आकार के बराबर है और भौगोलिक क्षेत्र के मामले में सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है। किश्तवाड़, डोडा, उधमपुर और कठुआ के चार जिलों से 17 विधानसभा क्षेत्र हैं जो उधमपुर लोकसभा क्षेत्र बनाते हैं। उधमपुर में लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण में आज मतदान हुआ।

2019 के लोकसभा चुनावों में डॉ. जितेंद्र सिंह ने 7.24 लाख वोट और 61.38 परसेंट के चौंका देने वाले वोट शेयर के साथ दूसरी बार उधमपुर लोकसभा चुनाव जीता था। वह एक बार फिर इस सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने उधमपुर सीट से पूर्व भाजपा नेता चौधरी लाल सिंह को मैदान में उतारा है जबकि गुलाम नबी आजाद की पार्टी डीपीएपी ने जीएम सरूरी को मैदान में उतारा है।

पंजाब की संगरूर जेल में कैदियों में खूनी झड़प, 2 की मौत, 2 की हालत गंभीर

संगरूर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब की संगरूर जेल में कैदियों के बीच खूनी झड़प हुई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक जेल में बंद 4 कैदी आपस में भिड़ गए। जो गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें इलाज के लिए ले जाया गया, जहां 2 कैदियों की मौत हो गई है। संगरूर अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक 2 कैदियों की पहले ही मौत हो चुकी थी। 2 कैदियों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें राजिंदरा मेडिकल कॉलेज पटियाला रेफर किया गया है। मरने वाले कैदी हर्ष और धर्मेंद्र हैं जबकि गगनदीप सिंह और मुहम्मद शाहबाज की हालत गंभीर है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सिमरनजीत सिंह उर्फ जुझार ने अपने 8 साथियों के साथ मोहम्मद शाहबाज व उसके साथियों पर कटर से हमला किया। सिमरनजीत सिंह जुझार गैंग का सरगना है। वह अमृतसर के रसूलपुर कलर का रहने वाला है। उसके खिलाफ 302, 307 व फिरौती व अलग-अलग करीब 18 केस दर्ज हैं।

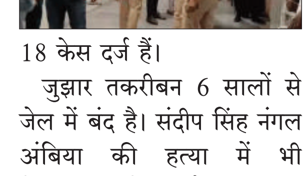

जुझार तकरीबन 6 सालों से जेल में बंद है। संदीप सिंह नंगल अंबिया की हत्या में भी सिमरनजीत सिंह उर्फ जुझार का नाम सामने आया था। पुलिस को शुरूआती जांच में इन चारों कैदियों के गैंगस्टर्स से लिंक होने का शक है। फिलहाल पुलिस इनके क्रिमिनल रिकॉर्ड को निकलवा रही है। वहीं मारपीट में घायल हुए 2 कैदियों के बयान लेने की कोशिश कर रही है ताकि झड़प की असली वजह सामने आ सके। कैदियों के बीच हिंसक झड़प और उसमें 2 कैदियों की मौत का पता चलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस के सीनियर अफसर भी एक्टिव हो गए। जिसके बाद जेल के अंदर-बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायल कैदियों की सुरक्षा में भी पुलिस तैनात की गई है।

यदुवंश का ढोल पीटने वाले श्रीकृष्ण का अपमान करने वालों के साथ : मोदी

अमरोहा की रैली में पीएम मोदी ने सपा और कांग्रेस पर साधा जमकर निशाना

▪ योगी ने यूपी में दिखा दिया है क्या होती है गवर्नेंस और कानून व्यवस्था

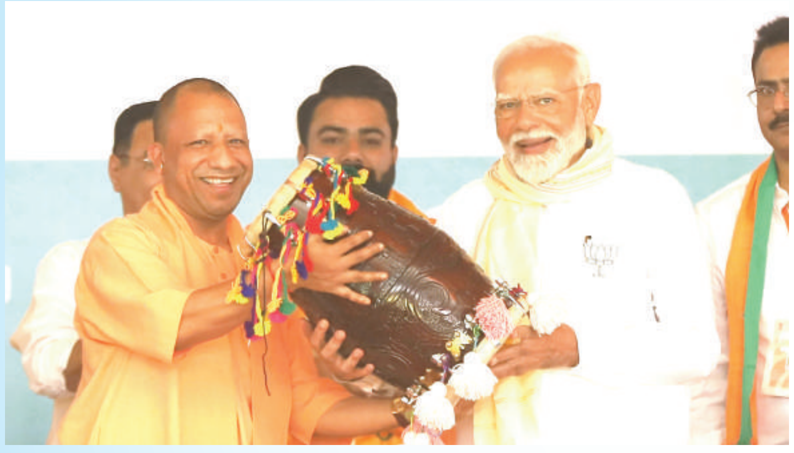

अमरोहा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यूपी और बिहार में जो लोग अपने आप को यदुवंशी कहकर ढोल पीटते हैं, जो नेता यदुवंश की मलाई खाते हैं वो भगवान श्रीकृष्ण का अपमान करने वालों के साथ कैसे बैठ सकते हैं। पीएम मोदी शुक्रवार को अमरोहा में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब वे द्वारका में समुद्र की गहराइयों में प्राचीन द्वारका के दर्शन-पूजन कर रहे थे तब कांग्रेस के लोगों ने कहा था कि वहां पूजा-पाठ करने के लिए कुछ है ही नहीं। कांग्रेस के लोगों ने श्रीकृष्ण का अपमान किया, मगर सवाल ये उठता है कि यूपी बिहार में यदुवंश के नाम पर राजनीति करने वाले नेता ऐसे लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण के इसी खेल ने यूपी को खासकर हमारे पश्चिमी यूपी को दंगों की आग में जलाया था। यूपी के लोग गुंडाराज का वो दौर कभी भूल नहीं सकते।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में एक बार फिर दो शहजादों की जोड़ी की फिल्म की शूटिंग चल रही है। मगर, इस फिल्म का पहले ही रिजेक्शन हो चुका है। हर बार ये परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की टोकरी उठाकर यूपी की जनता से वोट मांगने निकल पड़ते हैं। हमारी आस्था पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते। यहां के टिगरी मेले में भी ये लोग रुकावट डालते थे। यहां के कांग्रेस प्रत्याशी को तो भारत माता की जय बोलने में भी आपत्ति थी। प्रधानमंत्री ने पूछा कि जिसको भारत माता की जय मंजूर नहीं ऐसे व्यक्ति को संसद में प्रवेश मिलना चाहिए क्या।

पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण कांग्रेस और सपा ने ठुकरा दिया था। वोट बैंक के भूखे लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया।

उन्हें बाबरी का केस लड़ने वालों से सीखना चाहिए था। इससे भी उनका मन नहीं भरा, इसलिए ये आये दिन राममंदिर और सनातन आस्था को गाली दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि रामनवमी पर प्रभु श्रीराम का भव्य सूर्य तिलक हुआ। जब पूरा देश राममय है तो समाजवादी पार्टी के लोग रामभक्तों को पाखंडी कहते हैं। इंडी गठबंधन वाले सनातन से घृणा करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं गुजरात में पैदा हुआ और यूपी के चरणों में आकर बैठ गया। काशी ने मुझे सांसद बना दिया। उन्होंने कहा कि यहां आए दिन दंगे होते थे। लोगों को अपना घर छोड़कर जाना पड़ता था। यहां के कितने ही मोहल्लों में मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगाने पड़ते थे। योगी जी ने ऐसे अपराधियों से मुक्ति दिलाई है। हमें दोबारा किसी कीमत पर उन ताकतों को मजबूत नहीं होने देना है। पीएम मोदी ने कहा कि यहां सात साल से योगी जी की सरकार है। उन्होंने यूपी में दिखा दिया है कि गवर्नेंस, कानून व्यवस्था और विकास क्या होता है। योगी जी के नेतृत्व में 2014 और 2019 दोनों का रिकॉर्ड टूटेगा। यूपी इस बार नया इतिहास लिखने वाला है। उन्होंने अपील की कि 26 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर को रिकॉर्ड मतों से जिताकर संसद में भेजना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें सामाजिक न्याय के नाम पर एससी, एसटी और ओबीसी को धोखा देती रही हैं। मगर ज्योतिबा फुले, बाबा साहब अंबेडकर और चौधरी चरण सिंह के सामाजिक न्याय का सपना पूरा करने के लिए मोदी दिन रात काम कर रहा है। इंडी गठबंधन वालों की सरकार में यूपी की पहचान पिछड़े राज्य के रूप में होती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा अमरोहा कोई साधारण जगह नहीं है। ये धरती भगवान श्रीकृष्ण के श्री चरणों की साक्षी रही है। अमरोहा के ढोलक की छाप दूर दूर तक गूंजती है। योगी जी के प्रयासों से ढोलक को जीआई टैग देकर पूरी दुनिया में पहचान दिलाई गई है। आज अमरोहा की एक ही थाप है, कमल छाप। अमरोहा केवल ढोलक ही नहीं देश का डंका भी बजाता है। क्रिकेट वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी ने जो कमाल किया वो पूरी दुनिया ने देखा है। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मोहम्मद शमी को अर्जुन अवार्ड दिया है। योगी जी की सरकार यहां के युवाओं के लिए स्टेडियम भी बनवा रहे हैं। जिन्होंने सपा, बसपा, कांग्रेस की सरकार देखी है वो योगी जी के कार्यकाल को देख लें। 2024 का चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है। ये भारत के भाग्य को सुनिश्चित करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार के मंत्री जसवंत सिंह सैनी, विधान परिषद सदस्य सरदार हरि सिंह ढिल्लों, विधायक महेंद्र खड़गवंशी, राजीव तरारा, हरेंद्र सिंह तेवतिया, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया आदि उप-स्थित थे।

देश में हो रहा बदलाव दुनिया के लिए कौतूहल का विषय: योगी

अमरोहा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में वर्ष 1947 में विभाजन के दौरान पाकिस्तान का भूभाग ज्यादा था जबकि वहां आबादी कम थी। वहीं आज पाकिस्तान की आबादी करीब 23 से 24 करोड़ है, फिर भी वहां खाने के लाले पड़े हैं। जबकि आज भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 80 करोड़ लोगों को पिछले 4 वर्षों से फ्री राशन की सुविधा दी जा रही है। यह बदलते और नए भारत की तस्वीर को दर्शाता है। अब हमें विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और ग्लोबल लीडर के रूप में आगे बढ़ने के लिए लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी सुनिश्चित करनी है, ताकि तीसरी बार फिर मोदी सरकार को देश का नेतृत्व सौंपकर अपना कर्तव्य निभाएं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अमरोहा लोकसभा क्षेत्र के गजरौला में आयोजित जनसभा में कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी चौधरी कंवर सिंह तंवर के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए भारत के शिल्पी के रूप में विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी का नतीजा है कि आज देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण सभी को प्राप्त हो रहा है। इतना ही नहीं, दुनिया में 140 करोड़ देशवासियों का सम्मान और गौरव बढ़ा है। वर्तमान में देश में जो परिवर्तन हो रहा है, वह अद्भुत और अभूतपूर्व है। यह परिवर्तन दुनिया के लिए कौतुहल और आश्चर्य का विषय बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से ही संभव हो पाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को मजबूत करने के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का काम किया है। साथ ही, देश के इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और गरीब कल्याणकारी योजनाएं इसकी मिसाल हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह सब जनता जर्नादन के लोकतांत्रिक मूल्यों के इस्तेमाल से संभव हो पाया है। ऐसे में एक बार फिर आपको अपने वोट के जरिए देश को सशक्त और मजबूत सरकार देनी है। वहीं यह सब सिर्फ मोदी सरकार दे सकती है। देश में चारो ओर मोदी सरकार की गूंज सुनाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि इसे साकार किया जाए।

कांग्रेस, सपा और बसपा है देश की समस्या

भाजपा है एकमात्र समाधान: सीएम योगी

▪ बुलंदशहर जनसभा को योगी ने संबोधित किया

बुलंदशहर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने देश की अस्मिता को बचाने के लिए कई नारे दिये, जिसका कांग्रेस मजाक उड़ाया करती थी। वहीं सपा और बसपा उनका सपोर्ट करती थी। कांग्रेस, बसपा और सपा देश की तमाम समस्याओं की जड़ है, जबकि भारतीय जनता पार्टी इन समस्याओं का समाधान है। कांग्रेस ने देश को धारा 370 दिया, जबकि भाजपा ने इसे समाप्त करके आतंकवाद की ताबूत पर अंतिम कील ठोकने का काम किया है। अब यहां विस्टोफ और आतंकवादी गतिविधियां नहीं होती हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उनके साथ उनके आका को भी ठीक कर दिया जाएगा। ऐसे में इस बार आस्था और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों, विकास से वंचित रखने वालों, युवा पीढ़ी और अन्नदाता किसानों के साथ अन्याय करने वालों और बेटी-व्यापारी को डराने वालों को एक-एक वोट के लिए तरसा दीजिये। उन्हे बोल दीजिये कि जो देश, विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के बारे में सोचेगा उसी को वोट करेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बुलंदशहर के शिकारपुर में लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी डॉ. भोला सिंह के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में आज लोकसभा-2024 के चुनाव के प्रथम चरण का मतदान हो रहा है, जिसके परिणामों को लेकर हम निश्चिंत हैं। इस भाव के साथ पूरा देश एक बार फिर से मोदी सरकार बनाने के लिए संकल्पित दिखायी दे रहा है। इसी के तहत दूसरे चरण के मतदान के लिए हम सभी से आवाह्न करने आये हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक नई पहचान, दुनिया में सम्मान और आतंकवाद की समस्या से निजात दिलायी है। ऐसे में हमारा भी दायित्व है कि देश में तीसरी बार भी मोदी सरकार बनानी है। देश में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर और हाईवे-एक्सप्रेस-वे का निर्माण हो रहा है। वहीं बुलंदशहर भी गंगा एक्सप्रेसवे के साथ जुड़ रहा है। इससे प्रयागराज की दूरी मात्र 6 घंटे में तय की जा सकेगी। ऐसे में बुलंदशहर वासी अगले वर्ष महाकुंभ में स्नान के लिए सुबह जाएंगे और शाम को वापस लौट आएंगे। बुलंदशहर को अपना मेडिकल कॉलेज, वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी, आईआईटी, आईआईएम और एम्स मिलने जा रहे हैं। वहीं बगल में जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट और फिल्म सिटी बना रहे हैं। इससे यहां के युवाओं को फिल्मों में काम करने के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ेगा। मोदी सरकार देश की सुरक्षा, कल्याण और विकास के लिए काम कर रही है जबकि सपा और बसपा दंगा करवाते हैं। वर्ष 1980 में दंगा करने वाले दंगाई को बचाने के लिए कांग्रेस, सपा और बसपा ने फाइल दबा दी। वहीं भाजपा सरकार ने दोबारा फाइल निकाली और दोषियों को सजा दिलायी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर भगवान राम का सूर्य तिलक हुआ, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। वहीं कांग्रेस, सपा और बसपा ने हमे इससे वंचित रखने का पाप किया। इतना ही नहीं ये सभी भगवान राम के होने का प्रमाण मांगते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में रामलला का दिव्य, भव्य और नव्य मंदिर बनाया तो ये सभी कहने के लिए मजबूर हो गए कि राम सबके हैं। यह आपके एक वोट की ताकत से संभव हो पाया है, जिन्होंने इनके स्वर ही बदल दिये हैं। आज पूरा देश एक बार फिर से मोदी सरकार पर सहमत है क्योंकि समस्याओं का समाधान करना ही मोदी सरकार का दायित्व है। ऐसे में आपको अपने एक-एक वोट की कीमत को समझते हुए सही दिशा में वोट करना है।

चौधरी चरण सिंह के सपने साकार कर रही मोदी सरकार : योगी

गाजियाबाद के मोदी नगर में सीएम योगी ने की विशाल जनसभा

गाजियाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अन्नदाता किसानों का सम्मान और उत्थान करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी के सपनों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अन्नदाताओं के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की, जिसका परिणाम हम सबके सामने है। चाहे पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए अन्नदाताओं का सम्मान हो, या भारत को दुनिया में सम्मान दिलाने का कार्य, सीमाओं की सुरक्षा हो, देश में आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हो, वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर, 12 लेन का एक्सप्रेसवे, रैपिड रेल, मेट्रो, आईआईटी, आईआईएम सहित तमाम योजनाएं नये भारत की पहचान बन रही हैं। सीएम योगी शुक्रवार को मोदीनगर में बागपत लोकसभा सीट के लिए एनडीए प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभा की।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए मतदान चल रहा है। वोटिंग की स्पीड बताती है कि देश में फिर एक बार मोदी सरकार लाने के लिए लोगों में उतावलापन दिख रहा है। ऐसा होना लाजमी है क्योंकि जो हमारे पूर्वजों को सम्मान दें उनका सम्मान होना ही चाहिए। पहली बार चौधरी साहब को मोदी जी ने भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देकर हमारे यूपी का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत 80 करोड़ लोगों को 4 साल से फ्री में राशन दे रहा है, वहीं भारत से अलग हुए पाकिस्तान में 23 करोड़ लोग भूखों मर रहे हैं। जब हम अच्छा नेता चुनते हैं तो परिणाम भी अच्छा आता है। आज 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जा चुका है, 50 करोड़ जनता का जनधन अकाउंट खुल चुका है, 12 करोड़ अन्नदाताओं को किसान सम्मान निधि और 12 करोड़ घरों में शौचालय के साथ ही 10 करोड़ माताओं को उज्ज्वला योजना से लाभान्वित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने रामनवमी के अवसर पर भगवान श्रीराम के सूर्य तिलक को लेकर कहा कि इसने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। वहीं उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन पार्टियों ने पश्चिमी यूपी में सुरक्षा के लिए खतरा खड़ा कर दिया था। न बेटी सुरक्षित थी, न व्यापारी, किसान के खेत से उसके ट्यूबवेल ही उखाड़ लिये जाते थे। हमारी सरकार ने 15 लाख निजी नलकूपों को फ्री बिजली देने का प्रावधान किया है। चौधरी साहब के सपने को साकार करने के लिए सरकार ने ये निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें दंगा कराती थीं, आज दंगा और कर्फ्यू नहीं होते, अब तो शानदार तरीके से कांवड़ यात्राएं निकलती हैं। हमने कह दिया है कि किसी ने बेटी और व्यापारियों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया तो अपराधी का राम नाम सत्य तय है। सीएम योगी ने कहा कि मजबूत सरकार में ही सुशासन और सुरक्षा का लाभ प्राप्त होता है।

सीएम योगी ने कहा कि अबकी बार 400 पार के लिए और मोदी सरकार के लिए बागपत में भी एनडीए के प्रत्याशी विजयी होने चाहिए। डॉ राजकुमार सांगवान जी जैसे कार्यकर्ता को जयंत चौधरी ने जनता की सेवा के लिए उतारा है, इसके लिए उन्हें धन्यवाद। एक सामान्य कार्यकर्ता जिसने चौधरी साहब के समय से उनके मूल्यों और आदर्शों पर कायम रहे, उन्हें जिताने और देश में कमल खिलाने के लिए बागपत में नल आवश्यक है। इसके लिए आपको राजकुमार सांगवान बनना पड़ेगा। एक एक वोट को नल चुनाव चिह्न के साथ जोड़ना होगा।

घरेलु उपचार

नमक-चीनी का साथ, अनिद्रा और सिरदर्द को नहीं आने देगा पास!

सदियों पहले ना तो बड़े-बड़े अस्पताल थे और ना ही आधुनिक चिकित्सा उपकरण। प्रकृति और इससे मिलने वाली चीजों से ही कई बड़े-छोटे रोगों का इलाज कर लिया जाता था। यही कारण है कि आज भी दादी-नानी के घरेलू नुस्खे कारगर साबित होते हैं। आज भी हम ऐसे ही एक नुस्खे के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जिसे विशेषज्ञ भी समर्थन देते हैं।

न्यूट्रिशन एंड मेटाबोलिज्म विषय पर कई किताबें लिख चुके व मशहूर अमरीकी हेल्थ रिसर्चर मैट स्टोन बताते हैं कि सोने के पहले नमक और चीनी का मिश्रण लेने के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। तो चलिए आज नमक और चीनी के मिश्रण के कमाल के फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नमक-चीनी का मिश्रण

नमक चीनी के मिश्रण के स्वास्थ्य लाभों के बारे में आपने पहले न सुना हो, लेकिन अगर आपको अनिद्रा की समस्या है तो नमक-चीनी का मिश्रण आपके लिए बेहद कारगर साबित हो सकता है। इस बेजोड़ मेल के सेवन से न सिर्फ अनिद्रा ही दूर होती है बल्कि इम्यूनिटी बढ़ती है और सर का दर्द भी दूर होता है। आपको इसे बनाने की विधि व आवश्यक सामग्री के बारे में बताते हैं।

आवश्यक सामग्री व उपयोग

अपरिष्कृत (unrefined) समुद्री नमक - 1 चम्मच
ब्राउन शुगर - 5 चम्मच

उपरोक्त दोनों चीजों को मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें और पाउडर बना लें। सोने से पहले इस पाउडर के एक छोटे चम्मच का सेवन करें। इसके सेवन के लिए बस पाउडर को मुंह में डाल लें और खुद ही इसे घुलने दें। इसे आप रोजाना रात को सोने से पहले ले सकते हैं।

नमक और चीनी का घोल

अक्सर पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। जिसकी वजह से शरीर में कमजोरी और थकान होने लगती है। इस स्थिति में व्यक्ति को ओरल हाइड्रेशन साल्ट दिया जाता है। यह साल्ट न होने की स्थिति में आप घर पर भी इस घोल को बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको केवल पानी, नमक और चीनी चाहिए। सबसे पहले पानी लें। अब इसमें 5 चम्मच चीनी और आधा चम्मच नमक डालकर मिलाएं और फिर चीनी और नमक को अच्छी तरह से घोल लें। डिहाइड्रेशन होने पर इस घोल का सेवन करें। आप इसे फ्रिज में भी बना कर रख सकते हैं लेकिन एक दिन से ज्यादा इसे न रखें। यह घोल थकान और कमजोरी को दूर करता है और शरीर को तरोताजा बनाता है।

ध्यान रखें

नमक और चीना दोनों का ही पर्याप्त मात्रा से अधिक सेवन सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है, तो इसे सीमित मात्रा में ही लें। साथ ही नमक व चीनी दोनों नैचुरल ही इस्तेमाल करें।

अंडे की जर्दी के फायदे...

अंडे के योक (पीला हिस्सा) में बहुत से गुण होते है जो पुरुषों के लिए काफी मददगार सिद्ध होते है। खास कर जिम जाकर सिक्स पैक एब्स बनाने वाले मर्दों को अंडे के योक का सेवन करना चाहिए क्योंकि इसमें कैल्शियम, प्रोटीन भरपूर मात्रा होते हैं, जो स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से बचाएं रखते है। अंडे को योक में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स की मात्रा ठीक होती है, जिससे फर्टिलिटी बढ़ती है।

परीक्षा में नंबर कम, इसलिए न पालें गम

हाल ही देश के कई राज्यों में 10वीं और 12वीं के रिजल्ट आने के बाद स्टूडेंट्स की रातों की नींद उड़ी हुई है। कुछ मार्क्स अच्छे न आने के कारण परेशान हैं तो कुछ को टॉप कॉलेज में ऐडमिशन की चिंता सता रही है। ऐसे हालात हर साल बोर्ड रिजल्ट के बाद होते हैं। चिंता की बात तो यह है कि यंगस्टर्स के सूइसाइड करने के मामले में हमारा देश नंबर वन है। वर्ष 2012 में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, हमारे देश में 15 से 29 साल के युवा सबसे अधिक सूइसाइड करते हैं। अगर आप या आपके आस-पास कोई इस तरह के स्ट्रेस से गुजर रहा है तो उससे बाहर निकालने का प्रयास करें। हमने तीन एक्सपर्ट्स डॉक्टर ज्योति कपूर मदान, सीनियर कन्सल्टेंट, पारस हॉस्पिटल गुरुग्राम और डॉ. सुनील पवार, मनोरोग चिकित्सक, कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल, गाजियाबाद और तीसरे एक्सपर्ट सेंटर ऑफ करियर डिवेलपमेंट के सीनियर करियर काउंसलर, जितिन चावला से बात की। जानिए, एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं...

जिंदगी यहीं खत्म नहीं होती

हम जानते हैं कि ऐसा कहना आसान है और करना मुश्किल होता है। आपकी मानसिक दशा हम समझ सकते हैं। लेकिन फिर भी कहेंगे कि इस तनाव से बाहर आने की कोशिश करें। आगे देखें कि आपके पास बेहतर परफॉर्म करने के लिए अभी दो और साल हैं। मेहनत में कहां कमी रह गई है इस बात का पता लगाएं और इन फैक्टर्स को दूर करने का प्रयास करें। अपने दोस्तों, परिवार और पढ़ाई के माहौल या किसी और को ब्लेम न करें। क्योंकि आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे ये सभी बहुत छोटे फैक्टर हैं।

अगर आपका 12वीं का रिजल्ट आया है तो इस स्थिति से आगे की सोचें। जिंदगी यहीं खत्म नहीं होती। पूरी कायनात में कितना कुछ है करने के लिए। फिर एक नंबर डिजिट के लिए खुद को कोसना कितना सही है? आप खुद इस बात को सोचें। जिस फील्ड में भी आप बेहतर हैं या जिस काम को काम करने का मन है, उस दिशा में आगे बढ़ें।

बदलाव के लिए तैयार रहें

डॉक्टर ज्योति और डॉक्टर जितिन दोनों का कहना कि किसी भी स्टूडेंट को एक ही विकल्प पर अटके नहीं रहना चाहिए। डॉक्टर ज्योति के अनुसार जब आप मात्र 15 से 17 साल के होते हैं, तब आपके करियर का निर्णय या तो पैरेंट्स लेते हैं या फिर आपका निर्णय अपने दोस्तों से प्रभावित होता हैं। इसलिए इस बात को समझें कि इन्हें बदला जा सकता है। वहीं डॉक्टर जितिन कहते हैं कि करियर का मतलब केवल दिल्ली या मुंबई ही नहीं हैं। बदलाव के लिए तैयार रहें। जिंदगी ने बहुत कुछ बेहतरीन चीजें आपके लिए संभाल रखी हैं।

खुद को संभलने का पूरा वक्त दें

लाइफ बुरे रिजल्ट पर खत्म नहीं होती है। डॉक्टर सुनील और डॉक्टर ज्योति का कहना है कि आपको अपने प्रति सख्त नहीं होना चाहिए। दवाब और चिंता का यह वक्त जल्दी ही बीत जाएगा। इस बात को समझने की कोशिश करें कि मायूसी से निकलने में हर किसी को वक्त लगता है। जो चीजें आपको परेशान करती हैं उनके बारे में पता लगाएं और उनसे बाहर निकलने की कोशिश करें। अगर इस असफलता की वजह में आप खुद को ही पाते हैं तो अब आगे बढ़ें। खुद को एक और साल दें। क्या आपको नहीं लगता कि 70 साल की जिंदगी में से अपनी गलतियां सुधारने के लिए खुद को एक साल देना कोई बड़ी बात नहीं है?

बुरी भावनाओं को बाहर फेंक दें

डॉक्टर सुनील कहते हैं कि अगर आपको लगता है कि इस खराब परफॉर्मेंस के लिए आप खुद जिम्मेदार हैं तो इस भाव को अंदर ही न रखें। इस घुटन को बाहर निकाल फेंकें। अपने भरोसेमंद व्यक्ति से इस बात को शेयर करें। मन की बात कह देने से आप खुद को हल्का महसूस करेंगे। अगर आपको लगता है कि आप ऐसा कोई नहीं है। तो अपने आस-पास देखें। आपके दोस्त, टीचर, पैरेंट्स, भाई-बहन इनमें ऐसा कोई जिस पर आप भरोसा कर सकें। अगर फिर भी लगता है कि आप यह बात किसी से नहीं कह सकते तो हेल्पलाइन नंबर पर जरूर कॉल करें।

पढ़ें और रिसर्च करें

डॉक्टर जतिन कहते हैं कि यहां बहुत-से ऑप्शन हैं। किसी एक को चुनने ने पहले आप सभी के बारे में पता लगाएं। एक बार जानकारी जुटा लेने के बाद ही किसी निर्णय पर पहुंचें। अगर आपको लगता है कि आपके पसंद के कॉलेज का स्ट्रीम को चुनने के लिए ज्यादा नंबरों की जरूरत है तो फिर से सोचें कि आप और क्या कर सकते हैं। इस बारे में करियर काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

तुलना करना बंद करें

एक बात जान लें कि हर कोई टॉपर नहीं बन सकता। कई बार योग्यता का अंतर बहुत ही कम होता है। हो सकता है कि पड़ोसी के बच्चे के बहुत अच्छे नंबर आए हों, लेकिन जरूरी नहीं कि वह हर वो काम बेहतर तरीके से कर सकता है, जो आपका बच्चा करता हो। तुलना करना बंद करें और अपने बच्चे की स्किल्स को पहचानें। यह कहना है डॉक्टर ज्योति, जितिन और सुनील का।

जेनरेशन गैप

डॉक्टर ज्योति का कहना है कि आज की जेनरेशन की प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। अब हर कोई जिंदगी को पूरी तरह जीना चाहता है। इसके लिए डॉक्टर और इंजिनियर होना जरूरी नहीं है। जबकि पैरेंट्स की प्रायॉरिटीज में आज भी गुड करियर और पैसा ही सबकुछ हो सकता है। इस बदलाव को स्वीकारने की जरूरत है।

करियर ऑप्शन्स को समझें

डॉक्टर जितिन कहते हैं कि आज के वक्त में इतने नए करियर ऑप्शन हैं जो पहले कभी नहीं थे। डॉक्टर जितिन खुद ग्रैजुएट और कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर करियर काउंसलिंग का अपना बिजनस शुरू किया। जबकि उनके पापा ऐसा नहीं चाहते थे। लेकिन आज जितिन खुश हैं, सफल हैं और पैसा भी कमा रहे हैं। ऐसे ही बहुत से करियर ऑप्शन आज के वक्त में उपलब्ध हैं।

डिप्रेशन के लक्षणों को समझें

डॉक्टर सुनील कहते हैं कि अगर आप सबकुछ कर चुके हैं लेकिन फिर भी लगता है कि आपका बच्चा समाज के साथ जुड़ नहीं पा रहा है, जो चीजें उसे पसंद थी अब नहीं हैं, वह अपने दोस्तों से भी कट रहा/रही है। तो इस बात को गंभीरता से लें। ये डिप्रेशन के लक्षण हो सकते हैं। जल्द मनोचिकित्सक से मिलें।

हेल्थ सीक्रेट

लड़कियों के लिए जरूरी सेफ्टी रूल्स...

मॉर्डन समय में ज्यादातर लड़कियां अपने घर से दूर किसी शहर में पढ़ाई या जॉब करने के लिए जाती है। कोई पी.जी में या किसी से रूम शेयर करके रहती है।

ऐमें कुछ लड़कियों के मां-बाप को उनकी लगातार चिंता लगी रहती है कि उनकी बेटी पराए शहर में सुरक्षित है भी या नहीं। इसके अलावा अपने घर से दूर अकेले रहने वाली लड़कियों को भी हर समय अपनी सेफ्टी की चिंता लगी रहती है। अगर आप भी अपने परिवार से दूर रह रही है तो ऐसे में आपको सर्तक रहने की जरूरत है। किसी लड़की का अकेले किसी शहर में रहना मुश्किल नहीं है लेकिन उसको कुछ सावधानी बरतने और खतरों से अपने आप को बचाकर रखने की जरूरत है। आज हम आपको कुछ ऐसे सेफ्टी टिप्स बताएंगे जो हर लड़की के लिए सही साबित होंगे।

हैड फोन का यूज

अक्सर देखा जाता है कि लड़कियां सड़क या बस में ट्रैवल करते समय हैड फोन का यूज करती है लेकिन ऐसा बिल्कुल न करें। हैड फोन लगाकर आप अपने आसपास होने वाली एक्टिविटी से अनजान रहेंगे जो काफी रिस्की हो सकता है।

आसपास की जानकारी रखें

अपने घर के आसपास रह रहे लोगों की जानकारी रखें कि कौन कहां रहता है, इस बात की नॉलेज रहें। अगर आपके उनसे रिलेशन अच्छे होंगे तो हो सकता है कोई मदद मिल जाए।

रेंट में रहने वाली महिलाएं

रेंट के मकान में रह रही है तो किसी भी अनजान व्यक्ति के लिए दरवाजा नहीं खोलना चाहिए। फिर चाहे कोई सैल्स मेन ही दवाजे पर क्यों न खड़ा हो।

आने-जाने का टाइम चेंज

ऑफिस से घर आने-जाने का टाइम बदलती रहे, ताकि आसपास रहने वाले लोग आपकी टाइमिंग से अनजान रहे और कोई चाह कर भी आपका पीछा न कर सकें।

मैड रखने से पहले छान-बीन

घर में कोई नौकरानी रखने से पहले, उसका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवा लें।

फेशियल योग से दूर होंगी झुर्रियां...

दाग-धब्बे किसे पसंद आते हैं और वो भी चेहरे पर अगर आप भी चेहरे पर नजर आने वाली बारीक रेखाओं और झुर्रियों से परेशान हैं तो इसे दूर करने में फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। फेशियल योग न केवल चेहरे पर रौनक लाता है बल्कि इससे तनाव भी दूर होता है। यह तनाव ही है जो चेहरे की रौनक को खत्मकर देता है और इसके कारण उस पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां नजर आने लगती हैं।

जरूरी है व्यायाम

योग एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमारे चेहरे में करीब 52 मांसपेशियां होती हैं। इन मांसपेशियों का नियमित व्यायाम चेहरे, गर्दन और आंखों के तनाव को कम करता है। जिस तरह नियमित व्यायाम न करने से हमारा शरीर कमजोर और बेडौल हो जाता है उसी तरह चेहरे का व्यायाम न करने से चेहरे पर भी उम्र के साथ बदलाव आ जाता है। चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने से महीन रेखाओं और झुर्रियों पर लगाम लगाई जा सकती है। ये नहीं कहा जा सकता कि फेशियल योग से महीन रेखाएं और झुर्रियां गायब हो जाती हैं, पर हां रोकी जरूर जा सकती हैं। एचसीएल हेल्थ केयर की योगाचार्या अर्चना सिंह कहती हैं, 'फेशियल योग किसी भी समय किया जा सकता है। इसे हमेशा शीशे के सामने खड़े होकर ही करें। ऐसा करना आपको थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है।

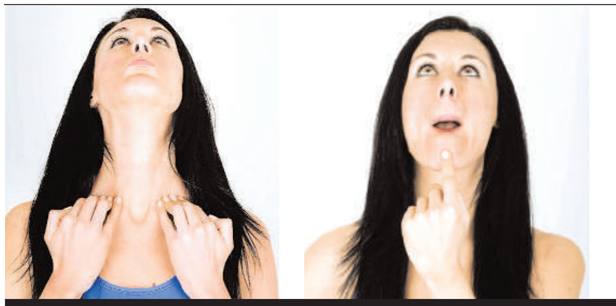

क्यों हैं असरदार

फेशियल एक्सरसाइज या फेशियल योग आपके चेहरे की मांसपेशियों को टोन करता है, जिससे चेहरे पर बढ़ती उम्र की निशानियां नहीं झलकती। चेहरे को हाथों से दबाने भर से ही रक्तसंचार अच्छा हो जाता है जिससे कॉलेजन बनता है और चेहरा साफ, स्वस्थ और चमकदार हो जाता है। फेशियल योगासन से चेहरे की अतिरिक्त चर्बी से भी छुटकारा मिलता है। यही नहीं, योगासन से आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

ये योगासन करेंगे मदद

- अपने गालों को फुलाएं और फिर उस हवा को एक गाल से दूसरे गाल में पांच बार घुमाएं और फिर होंठों को गोल कर या छोटा 'ओ' बनाकर उसे निकाल दें।
- अपनी जीभ को मुंह से जितना ज्यादा बाहर निकाल सकती हैं, निकालकर 60 सेकंड तक इसी मुद्रा में रुकें और वापस सामान्य मुद्रा में आ जाएं।
- अपने दांतों को कसकर बंद करें और जीभ को दांतों के पीछे लगाकर हवा अंदर खींचें और कुछ सेकंड रुकें फिर हवा से बाहर निकाल दें। ऐसा करने से गर्दन की मांसपेशियां ऊपर की ओर खिंचेंगी जिससे आपकी गर्दन और डबल चिन की समस्या दूर होगी।
- डबल चिन को कम करने और गर्दन की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए आप अपने सिर को एक तरफ कंधे तक ले जाएं, थोड़ी देर रुकें और वापस आ जाएं, दूसरी तरफ भी ऐसा ही करें। गर्दन को दोनों दिशाओं में गोल-गोल घुमाएं।
- ऊपर की ओर देखें और मुंह को इस तरह सिकोड़ें मानो किसी को चूमने वाली हों। 5 सेकेंड तक इसी मुद्रा में रहें और फिर वापस सामान्य मुद्रा में आ जाएं। इससे आपकी गर्दन की मांसपेशियां खिंचती हैं और मजबूत हो जाती हैं।
- होंठों को गोल करें या उनसे छोटा 'ओ' बनाएं और फिर होंठों को फैलाएं और बड़ा 'ओ' बनाएं जैसे कि हंसने वाली हों। ऐसा 10 बार करें।
- अपने होंठों को बंद रखते हुए मुस्कुराएं। फिर अपने गालों को अंदर की ओर खींचें और मछली के मुंह के जैसे मुंह बनाएं।
- छत की ओर देखें। किसी एक पॉइंट पर ध्यान केंद्रित करें और आंखों में पानी आने तक या दर्द होने तक वहां देखती रहें। इससे आंखों के चारों ओर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा जो गड्ढों और काले घेरों को कम करने में मददगार साबित होगा।

तुरंत हिचकी रोकेंगे ये आसान उपाय!

आमतौर पर कई लोगों को हिचकी लग जाती है। कई बार तो इसे रोकने के सारे उपाय भी कोई काम नहीं करते। लेकिन जिस व्यक्ति को हिचकी लगी होती है उसे इससे बहुत ही परेशानी हो रही होती है। डॉक्टर हिचकी के बारे में अलग ही बाते बताते है कि जब छाती और पेट की मांसपेशियां सिकुड़ती है तो हमारे फेफड़े तेजी से हवा खिंचने लगते है और सांस लेने में दिक्कत होने लगती है, जिस कारण हिचकी शुरू हो जाती है। ऐसे में हमें तुरंत ये उपाय करने चाहिए।

1. अगर आपको लगातार हिचकी आ रही है तो अपने मुंह में चीनी डाल लें। ऐसा करने से हिचकी तुरंत बंद हो जाती है।
2. हिचकी आने पर नींबू के साथ एक चम्मच शहद मिलाकर लेने से आराम मिलता है।
3. ध्यान भटकाने से भी हिचकी रूक जाती है इसके लिए आप 100 से 1 तक की उल्टी गिनती गिनना शुरू कर दें।
4. कई बार तेज-तेज खाना खाने से भी हिचकी आने लगती है। खाना धीरे-धीरे चबा-चबा कर खाएं हिचकी आनी बंद हो जाती है।
5.जब भी हिचकी की समस्या से परेशान हो तो तुरंत चॉकलेट पाउडर का एक चम्मच खा लें। इसे खाने से थोड़ी देर में हिचकी ठीक हो जाएगी।
6. थोड़े से नमक को पानी में मिलाकर एक या दो घूंट पीएं। इससे हिचकी की समस्या में तुरंत आराम मिलेगा।

रेसिपी

ब्रैड जैली रोल

सामग्री

1 ब्रैड लोफ
5-6 काजू
4-5 बादाम
1/2 कप स्ट्रॉबेरी जैम
6 किसमिस
छोटा चम्मच चीनी पाऊडर

विधि

सबसे पहले बादाम और काजू को मिक्सी में अच्छे से पीस लें फिर किसमिस को छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। अब ब्रैड लोफ को पतले लंबे स्लाइसेस में काट लें। ब्रैड के चारों साइड्स को काट लें। अब ब्रैड स्लाइसेस को बेलन की मदद से चपाती की तरह बेल लें ताकि ब्रैड स्लाइसेस पतला हो जाए। इसके बाद स्लाइसेस पर जैस को अच्छी तरह लगा लें। उसके बाद काजू, बादाम और किसमिस डालकर ब्रैड को रोल कर लें। अब इस रोल को वैक्स पेपर पर रख के फिर से रोल करें और 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। अब फ्रिज से रोल निकाल कर वैक्स पेपर को हटा कर रोल को अपनी मनपंसद शेप में काट लें। कटे हुए रोल पर चीनी पाऊडर डालें। आपका ब्रैड जैली रोल तैयार है।

कटहल बर्गर

सामग्री (कटहल की टिक्की के लिए)

50 ग्राम कटहल (उबला हुआ), 1 आलू (उबला हुआ), नमक स्वादनुसार, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच हरा धनिया (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच अदरक का पेस्ट, 1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, 1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाऊडर, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, तेल आवश्यकतानुसार (टिक्की सेकने के लिए), **सामग्री (बर्गर के लिए)**, 1 बन, 4 चम्मच टौमेटो सॉस,1 खीरा (गोल कटा हुआ),1 टमाटर (गोल कटा हुआ),1 प्याज (गोल कटा हुआ),2 चम्मच सफेद तिल, 2 चम्मच हरी चटनी,1 चम्मच मक्खन, 2 छोटे चम्मच तिल

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आलू और कटहल डालें (बारीक कटे हुए)। अब इसमें नमक, हरी मिर्च, हरा धनिया, अदरक, काली मिर्च पाऊडर, लाल मिर्च पाऊडर और जीरा पाऊडर डाल कर इसे अच्छे से मिलाकर गोल टिक्की तैयार कर लें। अब नॉन-स्टिक तवे पर तेल गर्म करके टिक्की को दोनों भाग से तलें। इसके बाद बन को बीच में काट लें। बन के अंदर के हिस्सों पर टमेटो सॉस लगाएं। अब खीरा, टमाटर और प्याज का स्लाइस रखें। अब इसपर टिक्की रखें, फिर ऊपर हरी चटनी फिर खीरा, टमाटर और प्याज के स्लाइस रखकर बन को ऊपरी हिस्से से ढक दें। नान स्टिक तवे पर थोडा मक्खन डालकर बर्गर को दोनों तरफ से हल्का सेक लें। ऊपर के हिस्से पर थोडा तिल लगा दें। आपका कटहल बर्गर तैयार है।

संपादकीय

दोषपूर्ण जांच आरोपी को बरी का आधार नहीं

दिल्ली हाईं कोर्ट ने कहा कि दोषपूर्ण जांच आरोपी को बरी करने का आधार नहीं हो सकता। अगर ऐसा होता है तो लोगों का न्यायपालिका पर से विश्वास उठ जाएगा। कोर्ट ने यह कहते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में सासननद को बरी करने के आदेश को निरस्त कर दिया और नए सिरे से जांच करने का आदेश दिया। उसने माना कि इस मामले में जांच अधिकारी की भूमिका संदिग्ध रही और निचली अदालत ने भी तथ्यों का सही तरीके से अध्ययन नहीं किया। न्यायमूर्ति सुब्राण्यम प्रासाद ने पुलिस से मृतका की मां सरोज भोला की एसडीएम के समक्ष दो जुलाईं 2015 को दिए बयानों के आधार पर जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही किसी अन्य जांच अधिकारी से जांच करवाने को कहा है जो निरीक्षक स्तर से नीचे का न हो। उन्होंने इस तथ्य की भी जांच करने को कहा है कि क्या यह मामला आत्महत्या के उकसाने की अपेक्षा दहेज हत्या का बनता है या नहीं? न्यायमूर्ति ने कहा कि जांच एजेंसी की चूक या लापरवाही आरोपी के पक्ष में जाती है तो अदालत का दायित्व बनता है कि वह सही जांच कराए। अदालत को इस तथ्य के प्राति अपनी आंखें बंद नहीं करना चाहिए कि वही पीड़ित हैं जो अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं और न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि दोषपूर्ण व लापरवाहीपूर्ण जांच के कारण अभियुक्त बच जाता है तो अदालत की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में त्रुटिपूर्ण जांच होने की संभावना होने के बावजूद निचली अदालत ने फिर से जांच के आदेश नहीं दिए। मामले में प्राथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि मृतका को ससुराल में दहेज प्राताड़ना का सामना करना पड़ा। सत्र न्यायाधीश ने अपने पैसले में माना कि जांच में गंभीर लापरवाही है। इसके बावजूद उन्होंने दहेज हत्या के अपराध पर विचार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि हर मामले में मजिस्ट्रेट को आरंभिक सुनवाईं में यह सुनिाति करना चाहिए कि जांच ठीक तरीके से हो और आरोपी बच न सके। इस मामले में तथ्यों से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता ने समय-समय पर संयुक्त पुलिस आयुक्त व पुलिस आयुक्त को जांच अधिकारी के खिलाफ शिकायत दी। इस तथ्य पर भी ध्यान नहीं दिया गया कि पुलिस ने एसडीएम को दोबारा कहने के 10 माह बाद मामला दर्ज किया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री आंचल का 26 अप्रौल 2012 को विवाह हुआ था। ससुराल पक्ष उसे दहेज के लिए प्राताड़ित करता था और विवाह के करीब ढाईं वर्ष बाद 24 अक्तूबर 2014 को आंचल का शव पंखे से लटका मिला। पुलिस ने उनके बयान एसडीएम के समक्ष दर्ज होने के बावजूद इसे आत्महत्या का मामला बताते हुए एफआईंआर दर्ज नहीं की। दो जुलाईं 2015 को उन्होंने पुनः एसडीएम के समक्ष शिकायत की तो पुलिस ने 10 माह बाद मामला दर्ज किया। लेकिन जांच में लापरवाही से आरोपी बरी हो गए।

कोर्ट ने यह कहते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में सासननद को बरी करने के आदेश को निरस्त कर दिया और नए सिरे से जांच करने का आदेश दिया। उसने माना कि इस मामले में जांच अधिकारी की भूमिका संदिग्ध रही और निचली अदालत ने भी तथ्यों का सही तरीके से अध्ययन नहीं किया। न्यायमूर्ति सुब्राण्यम प्रासाद ने पुलिस से मृतका की मां सरोज भोला की एसडीएम के समक्ष दो जुलाईं 2015 को दिए बयानों के आधार पर जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही किसी अन्य जांच अधिकारी से जांच करवाने को कहा है जो निरीक्षक स्तर से नीचे का न हो। उन्होंने इस तथ्य की भी जांच करने को कहा है कि क्या यह मामला आत्महत्या के उकसाने की अपेक्षा दहेज हत्या का बनता है या नहीं? न्यायमूर्ति ने कहा कि जांच एजेंसी की चूक या लापरवाही आरोपी के पक्ष में जाती है तो अदालत का दायित्व बनता है कि वह सही जांच कराए। अदालत को इस तथ्य के प्राति अपनी आंखें बंद नहीं करना चाहिए कि वही पीड़ित हैं जो अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं और न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि दोषपूर्ण व लापरवाहीपूर्ण जांच के कारण अभियुक्त बच जाता है तो अदालत की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में त्रुटिपूर्ण जांच होने की संभावना होने के बावजूद निचली अदालत ने फिर से जांच के आदेश नहीं दिए। मामले में प्राथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि मृतका को ससुराल में दहेज प्राताड़ना का सामना करना पड़ा। सत्र न्यायाधीश ने अपने पैसले में माना कि जांच में गंभीर लापरवाही है। इसके बावजूद उन्होंने दहेज हत्या के अपराध पर विचार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि हर मामले में मजिस्ट्रेट को आरंभिक सुनवाईं में यह सुनिाति करना चाहिए कि जांच ठीक तरीके से हो और आरोपी बच न सके।

भाजपा सरकार में आई और मंदिर समर्थकों को अपना पक्ष रखने का अनुकूल वातावरण मिला

विकास और विरासत का बेहतरीन संतुलन 'मोदी की गारंटी'

राघवेंद्र शर्मा

'भाजपा का संकल्प पत्र-मोदी की गारंटी' नाम से जारी चुनाव घोषणा पत्र प्रस्तुत कर जहां एक ओर मतदाताओं के हृदय को स्पर्श करने में सफलता प्राप्त की है, वही विरोधियों के मुंह पर ताले जड़ दिए हैं। सभी प्रकार की आशंकाओं को परे रखते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 04 जून के बाद इस गारंटी पर एक्शन प्लान शुरू कर दिया जाएगा। उनका यह कथन कि रजिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें हम पूजते हैं यह प्रमाणित करता है कि यह संकल्प पत्र सुविधा की दृष्टि से अंतिम पायदान पर खड़े दरिद्र नारायण के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खोलता है।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'भाजपा का संकल्प पत्र-मोदी की गारंटी' नाम से जारी चुनाव घोषणा पत्र प्रस्तुत कर जहां एक ओर मतदाताओं के हृदय को स्पर्श करने में सफलता प्राप्त की है, वही विरोधियों के मुंह पर ताले जड़ दिए हैं। सभी प्रकार की आशंकाओं को परे रखते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 04 जून के बाद इस गारंटी पर एक्शन प्लान शुरू कर दिया जाएगा। उनका यह कथन कि रजिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें हम पूजते हैं यह प्रमाणित करता है कि यह संकल्प पत्र सुविधा की दृष्टि से अंतिम पायदान पर खड़े दरिद्र नारायण के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खोलता है। साथ ही यह भरोसा दिलाता है कि आम मतदाता को इस पर विश्वास करने में किसी भी प्रकार की शंका नहीं करनी चाहिए। ऐसा सोचने के लिए एक तर्क यह भी है कि अपने स्थापना काल से ही भारतीय जनता पार्टी जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष करती आई है, सत्ता में आते ही उन्हें पूरा करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं दिखाया है। किसने सोचा था कि हम कभी कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटते हुए देख पाएंगे। लेकिन भाजपा की मोदी सरकार ने यह करिश्मा तब कर दिखाया जब विरोधियों ने दावे किए थे कि ऐसा करने पर देश में भारी बवाल पैदा होगा, एक प्रकार से देश जल ही उठेगा। पूरे 500 साल हुए, जब से लाखों लोगों ने अयोध्या की श्रीराम जन्मभूमि को स्वतंत्र करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुगल तो हमारे दुश्मन और विदेशी लुटेरे थे। अतः उनका मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाना समझ में आता है। लेकिन आजाद भारत में हमारे देश की, हमारी अपनी धर्मनिरपेक्ष सरकारें राम जन्मभूमि स्वतंत्रता आंदोलन में अड़ंगे पैदा करती रहीं। अदालत में भगवान श्रीराम को इन्हीं सरकारों से संबंधित वकीलों ने कपोल कल्पित कहने में शर्म महसूस नहीं की। अयोध्या की सड़कें कार सेवकों के खून से लाल कर दीं और सरयू का पानी रक्त रंजित कर दिया। किंतु जैसे ही भाजपा सरकार में आई और मंदिर समर्थकों को अपना पक्ष रखने का अनुकूल वातावरण मिला, वैसे ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा श्रीराम जन्मभूमि स्वतंत्र होने की घोषणा कर दी गई। आदेश

सामने आते ही भाजपा शासित मोदी सरकार ने पल भर की देर नहीं लगाई और भव्य श्रीराम मंदिर का केवल शिला पूजन ही नहीं किया, वरन्‌ भगवान की भव्यतम प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा भी करके दिखा दी। भाजपा का तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का था। वह भी उसने उत्तराखंड के रास्ते स्थापित करने का प्रण उजागर कर दिया है। अब जो संकल्प पत्र प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 14 अप्रैल को पढ़ा गया है, उसमें वादा किया गया है कि अगले कार्यकाल में हम समान नागरिक संहिता भी लागू करने जा रहे हैं। आशय स्पष्ट है भाजपा के तीन प्रमुख संकल्प थे। इनमें से पहले कालखंड में अनुच्छेद 370 को हटाया जाना समाहित माना जाए, तो दूसरे कालखंड की सौगात अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर को माना जा सकता है। जब भाजपा शासन के दो कालखंडों में अपने दो महत्वपूर्ण और असंभव से प्रतीत होने वाले संकल्प पूरे कर चुकी है, तब मतदाता को यह भरोसा करना ही चाहिए कि अब जब जनता भाजपा को तीसरे कालखंड का जनादेश देने जा रही है तब वह अपना तीसरा संकल्प समान नागरिक संहिता का भी पूरा करके दम लेगी। इसी के साथ यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि विरोधी लोग अपनी हार को सम्मुख देखते हुए भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि वह केवल मंदिरों और देवलोकों की बात करके देश को भरमा रही है। जबकि सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी तथा उसके द्वारा शासित विभिन्न प्रदेशों की सरकारें व केंद्र की मोदी सरकार रविकास और विरासतर को साथ लेकर नए भारत का ताना-बाना बुन चुकी हैं। उदाहरण के लिए जहां अयोध्या के श्रीराम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, दक्षिण भारत की पवित्र सैंगोल, मध्य भारत के महाकाल लोक, पश्चिमी भारत की द्वारकापुरी और पूर्वी भारत में मां काली के विराट प्रादुर्भाव की बातें की जाती हैं तो उन्हें साकार भी किया जाता है। इसी हमारे देश की सनातन विरासत को सहेजने का क्रम माना जाना चाहिए। जहां तक विकास की बात है तो अब भारत में सुरक्षा का क्षेत्र आत्मनिर्भर हो चला है। औद्योगिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर के बड़े-बड़े निर्माण मेकिंग इंडिया के तहत हमारे देश में ही हो रहे हैं। वंदेभारत के रूप में अत्याधुनिक ट्रेनों की व्यापक श्रृंखलाएं पूरे देश के यातायात को सुगम कर रही हैं। राष्ट्रीय नेशनल मार्गों की फोरलेन सिक्स लेन और अब आठ लेनों वाली श्रृंखलाएं तथा आश्चर्यचकित कर देने वाले फ्लाईओवर ब्रिज विकसित देशों को पीछे छोड़ चुके हैं। चीन और पाकिस्तान से सटे हुए सीमांत प्रदेशों में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर दुश्मनों को चुनौती दे रहा है। देश के अधिकांश भागों में विद्युत आपूर्ति अब सहज सुलभ तथा अनेक प्रांतों में सरप्लस हो चुकी है। फलस्वरूप एक दशक पहले जब अत्यावश्यक कार्यों के लिए भी विद्युत उपलब्ध नहीं हो पाती थी, अब वहां लाखों इलेक्ट्रॉनिक वाहन सरप्लस बिजली से रिचार्ज होकर विदेशी ईंधन से मुक्ति पा रहे हैं। यही नहीं, अब बिजली बिल जीरो करने की कवायद का भी ऐलान हुआ है। जिसके तहत पीएम सूर्य योजना में एक करोड़ रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं। 24 जून के बाद इस मामले में गति और तेज होने जा रही है, जिससे हम खुद बिजली उत्पादक बनेंगे। अपने उपयोग की बिजली इस्तेमाल करने के बाद जो बचेगी उसे सरकार को बेच भी पाएंगे। यानी आम के आम गुठलियों के दाम। कोरोना के बाद जहां अनेक देशों की अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई। वहां लोग रोटी के लिए भी मोहताज हो गए। तब भारत की भाजपा शासित मोदी सरकार ने न केवल वैक्सीनेशन का कीर्तिमान बनाया बल्कि वह दूसरे देशों को भी उपलब्ध कराई।

दृष्टि कोण

ईंवीएम पर संदेह करना, भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करना है

भारत दुनिया की बड़ी आबादी वाला एक लोकतांत्रिक देश है और पूरी दुनिया उसे एक तेजी से उभरते देश के रूप में न केवल देख रही है बल्कि अनेक मौकों पर उसकी सराहना करती रही है। ईंवीएम पर संदेह करना, भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करना है उच्चतम न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईंवीएम) के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिका पर विचार करने से मना कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। न्यायमरूति संजीव खन्ना, न्यायमरूति दीपांकर दत्ता और न्यायमरूति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि यह अदालत पहले भी कईं याचिकाओं पर गौर कर चुकी है और ईंवीएम के कामकाज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार कर चुकी है। न्यायमरूति दत्ता ने गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोव्रोटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण द्वारा जर्मनी में चुनाव का उदाहरण दिये जाने पर कहा कि यह (भारत में चुनाव) एक बहुत बड़ा कार्य है। कोईं भी यूरोपीय देश ऐसा करने में सक्षम नहीं हो सकता। आपने जर्मनी की बात की लेकिन वहां की आबादी कितनी है। मेरा गृह राज्य पामि बंगाल जर्मनी से कहीं अधिक आबादी वाला है। हमें चुनावी प्रव्रिया में आस्था और विश्वास बनाए रखना होगा। इस तरह तंत्र को कमजोर करने की कोशिश न करें। दरअसल ईंवीएम को लेकर तर्व वितर्व की लंबी पेहरिस्त है और अभी तक इसपर संदेह करनेवाले अपने तर्व को सही साबित नहीं कर पाये हैं। हर कोईं जानता है कि मत पत्रों से मतदान में क्या समस्याएं थीं। यह भी पता है कि मत पत्रों के इस्तेमाल से क्या गलतियां हुईं। मानवीय हस्तक्षेप के कारण समस्या पैदा होती है। न्यायालय ने भी कहा कि बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के मशीनें ठीक से काम करेंगी और सटीक परिणाम देंगी। समस्या तब पैदा होती है जब मानवीय हस्तक्षेप होता है। विपक्ष में खासकर कांग्रेस को ईंवीएम से शिकायत बनी रही है लेकिन जब वह चुनाव जीतती है तो वह ईंवीएम में गड़बड़ी की शिकायत नहीं करती है। पिछले महीने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबईं के ऐतिहासिक शिवाजी पार्व मैदान में आयोजित जनसभा में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के नेताओं ने हिस्सा लिया था। लगभग सभी ने ईंवीएम का मुद्दा उठाया और कहा था कि अगर उनकी सरकार आएगी तो वे ईंवीएम को हटा देंगे। इन विवादों से परे हटकर चुनाव आयोग लोकसभा 2024 के आम चुनाव से पहले नागरिकों को मतदान प्रव्रिया का साक्षात अनुभव कराने और ईंवीएम (मशीनों) से परिचित कराने के लिए ईंवीएम और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपेट) पर एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यव्राम चला रहा है। लोकसभा के आम चुनाव और राज्य विधान सभा चुनाव से पहले आयोजित किया जाने वाला जागरूकता कार्यव्राम ईंवीएम और वीवीपेट की बुनियादी विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान करने, वोट डालने की व्रामिक प्रव्रिया को स्पष्ट करने और मतदाताओं को वीवीपेट पचा के माध्यम से वह अपनी पसंद वैसे सत्यापित कर सकते हैं, इस बारे में शिक्षित करने पर वेंद्रित है। ईंवीएम और वीवीपेट को सामने प्रर्दशित करने से इनकी कार्यक्षमता की गहरी समझ को बढ़ावा मिलता है और यह गलतफहमियां दूर करने, मतदाताओं का विश्वास बढ़ाने और अधिक सूचित और सहभागी मतदाता सुनिाति करने में सहायक है। चुनाव आयोग ने ईंवीएम हैकिंग और छेड़छाड़ के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाईं थी जिसने मईं 2019 में अपनी रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट में ईंवीएम की हैकिंग या उससे छेड़छाड़ क्यों नहीं हो सकती, इसके दो तर्व दिए गए थे। पहला तर्व था कि चुनाव आयोग जिस ईंवीएम का इस्तेमाल करता है वह अपने आप में इकलौती मशीनें होती हैं। उसे न तो किसी कम्प्यूटर से नियंत्रित किया जाता है और न ही इंटरनेट या किसी नेटवर्व से जोडा जा सकता है। ऐसे में उसे हैक करना नामुमकिन है। इसके अलावा ईंवीएम में जो सॉफ्टवेयर इस्तेमाल होता है, उसे रक्षा मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा मंत्रालय से जुड़ी सरकारी वंपनियों के इंजीनियर बनाते हैं। इस सॉफ्टवेयर के सोर्स कोड को किसी से भी साझा नहीं किया जाता है। दूसरा तर्व था कि भारत में इस्तेमाल होनेवाली ईंवीएम (मशीन) में दो यूनिट होते हैं। एक वंट्रोलिंग यूनिट और दूसरी बैलेटिंग यूनिट। ये दोनों अलग-अलग यूनिट होती हैं और इन्हें चुनावों के दौरान अलग- अलग ही बांटा जाता है। अगर किसी भी एक यूनिट के साथ कोईं छेड़छाड़ होती है तो मशीन काम नहीं करेगी। इसलिए कमेटी का कहना था कि ईंवीएम से छेड़छाड़ करना या हैक करने की गुंजाइश न के बराबर है। इसके अलावा हर ईंवीएम का एक अलग सीरियल नंबर होता है। चुनाव आयोग एक ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करता है जिससे पता चलता है कि कौन सी मशीन कहां है, तो उससे छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। तकनीकी दृष्टि से ईंवीएम अभी तक हर कसौटी पर खरा उतरा है और उससे छेड़छाड़ का दावा करनेवाले अपने दावों को सही साबित नहीं कर पाये हैं। तेजी से बदल रही दुनियां में आगे बढ़ने और उन्नत तकनीकी के इस्तेमाल की मांग लगातार बढ़ रही है।

कुछ अलग

छात्रों की दर्दनाक मौत

हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित कनीना में ड्राइवर की लापरवाही से एक निजी स्कूल की बस के पेड़ से टकराने के बाद हुई दुर्घटना में छह छात्रों की मौत हृदय विदारक है। दो भाइयों की मौत से उनके परिवार पर क्या गुजर रही होगी, अहसास करना कठिन नहीं है। इस तरह के हादसे हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरते हैं। इसे एक दुर्घटना कहने की बजाय आपराधिक लापरवाही कहना उचित होगा। जिसमें स्कूल प्रबंधन, चालक तथा प्रशासन की काहिली की बराबर की जिम्मेदारी है। एक खटारा बस को शराबी चालक द्वारा बेलगाम रफ्तार से दौड़ाना एक आपराधिक कृत्य ही कहा जाएगा। सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब ईद पर राष्ट्रीय अवकाश था तो स्कूल क्यों खोला गया था? सार्वजनिक अवकाश के दिन स्कूल खोलने पर प्रबंधकों की जवाबदेही तय की जानी चहिए। इस दुर्घटना में कई स्तर पर आपराधिक लापरवाही नजर आती है। ग्रामीणों के अनुसार कई साल पहले इस बस के फिटनेस प्रमाणपत्र की अवधि खत्म हो चुकी थी, इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए इसे सड़कों पर चलाया जा रहा था। स्कूल प्रबंधन मोटी फीस वसूलने में तो लगा रहता है लेकिन उसे ख्याल क्यों नहीं आया कि बस का फिटनेस प्रमाणपत्र छह साल पहले खत्म हो चुका है। क्यों नहीं देखा कि ऐसे वाहन से तमाम बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है? सवाल उठना लाजिमी है कि बस की हालत और चालक की आदतों को देखते हुए इन मासूमों के जीवन को खतरे में डालने की स्थिति क्यों पैदा होने दी गई? सवाल पुलिस प्रशासन पर भी है कि क्यों बेलगाम गति से चलने वाले वाहनों की निगरानी का कोई तंत्र काम नहीं कर रहा है? विडंबना है कि हर हादसे के बाद शासन-प्रशासन चुस्ती दिखाता है और कुछ समय बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। कमोबेश इस घटना के बाद भी इसकी पुनरावृत्ति होगी। विडंबना यह है कि सरकारी स्कूलों की बदहाली से खिन्न होकर जागरूक अभिभावक अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यमों वाले प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। अभिभावकों की इसी सोच के चलते अनेक कारोबारियों, व्यापारियों तथा राजनेताओं ने बड़े नाम व चमक-दमक वाले निजी स्कूल खोल लिये हैं। लेकिन इन स्कूलों में शैक्षिक मानकों तथा छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं में घोर लापरवाही बरती जाती है। छात्रों से फीस तो मोटी ली जाती है लेकिन उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध नहीं करायी जाती। शिक्षकों को दिये जाने वाले वेतन को लेकर भी अकसर सवाल उठते रहते हैं। बेरोजगारी का आलम यह है कि कम वेतन व असुरक्षित सेवाओं के बावजूद शिक्षक व अन्य कर्मचारी मिल जाते हैं। कमोबेश यही स्थिति ड्राइवरों की भी है। चालक को इतना वेतन नहीं मिलता है कि प्रशिक्षित व अनुभवी चालक इन बसों में तैनात किये जा सकें। जिसका नतीजा महेंद्रगढ़ के कनीना में हुआ हादसा है। जिसके चालक पर आरोप है कि वह ड्यूटी के दौरान शराब पीकर नशे में बस को बेतहाशा दौड़ा रहा था। निस्संदेह, ऐसी स्थितियां ही दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। हमेशा की तरह शासन-प्रशासन ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, परिवहन विभाग के किसी कनिष्ठ कर्मी को निलंबित किया है। कुछ दिनों मामले के गरम रहने तक नई सुरक्षा घोषणाएं होती रहेंगी। नेताओं की तरफ से संवेदनाएं व्यक्त की जाती रहेंगी। कुछ दिनों बाद फिर स्थितियां ढर्रे पर लौट आएंगी। ऐसे हादसों को टालने के लिये अभिभावकों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उन्हें अभिभावक-शिक्षक बैठकों में बच्चों की सुरक्षा व बसों की आवागमन स्थिति को लेकर स्कूल प्रशासन पर निरंतर दबाव बनाना चाहिए।

देश दुनिया से

पूर्वोत्तर में मोदी और शाह का जादू

भाजपा की चाहत है कि वह अपने सहयोगियों के साथ पूवरेत्तर के राज्यों में इस बार क्लीन स्वीप करे। पिछले यानी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में अलग-अलग लड़ने के बावजूद भाजपा और उसकी सहयोगी परटियों को 25 में से 19 सीटें जीते मिली थीं। गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने भाजपा की तरफ से पूवरेत्तर में वैंपेन की कमान संभाली हुईं है। उन्होंने बीते सोमवार को एक चुनावी सभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता शांति स्थापित करना और मणिपुर में सभी समुदायों के बीच एकता सुनिाति करना है। इस बार का चुनाव मणिपुर को एकजुट करने और राज्य के विभाजन का विरोध करने के लिए है। रैली में हजारों लोगों की तालियों के बीच गृहमंत्री ने सभा में कहा, ''हम किसी भी कीमत पर मणिपुर को विभाजित नहीं होने देंगे।

पूर्वोत्तर में मोदी और शाह का जादू पूवरेत्तर भारत के राज्यों में आगामी 19, 26 अप्रैल और फिर 9 मईं को लोकसभा की 25 सीटों के लिए मतदान होना है। भाजपा की चाहत है कि वह अपने सहयोगियों के साथ पूवरेत्तर के राज्यों में इस बार क्लीन स्वीप करे। पिछले यानी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में अलग-अलग लड़ने के बावजूद भाजपा और उसकी सहयोगी परटियों को 25 में से 19 सीटें जीते मिली थीं। गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने भाजपा की तरफ से पूवरेत्तर में वैंपेन की कमान संभाली हुईं है। उन्होंने बीते सोमवार को एक चुनावी सभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता शांति स्थापित करना और मणिपुर में सभी समुदायों के बीच एकता सुनिाति करना है। इस बार का चुनाव मणिपुर को एकजुट करने और राज्य के विभाजन का विरोध करने के लिए है। रैली में हजारों लोगों की तालियों के बीच गृहमंत्री ने सभा में कहा, ''हम किसी भी कीमत पर मणिपुर को विभाजित नहीं होने देंगे।'' पीएम मोदी हमेशा कहते रहे हैं कि देश की किस्मत तब बदलेगी, जब पूवरेत्तर और मणिपुर की किस्मत बदलेगी। मोदी न केवल क्षेत्र और देश का विकास कर रहे हैं, बल्कि मणिपुर और भारत की भी रक्षा कर रहे हैं। पूवरेत्तर भारत में लोकसभा की 25 सीटें आठ राज्यों में पैली हुईं हैं। इनमें, अकेले असम में 14 सीटें है। इसके अलावा मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और त्रिपुरा में दो-दो सीटें हैं, जबकि नगालैंड, सिक्किम और मिजोरम में एक-एक सीट है। इन 25 सीटों में से 14 पर पहले चरण में 19 अप्रैल और 11 सीटों पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। अरुणाचल प्रदेश की दो सीटों में से 2014 में भाजपा और कांग्रेस एक-एक सीट जीती थी, लेकिन 2019 में भाजपा दोनों सीटों पर कब्जा करने में सफल रही। भाजपा की कोशिश इस बार भी 2019 के परिणाम दोहराने की है। वहीं, विपक्षी दलों ने भी भाजपा के विजयरथ को रोकने के लिए साथ आने का पैसला किया है। इस बार के चुनाव में सबकी नजर नॉर्थ ईंस्ट पर हैं। असम में सीएए को लेकर लंबे समय से सियासी उथलपुथल मची हुईं है। इस बीच, एक खबरिया चैनल के मुताबिक, 14 लोकसभा सीट वाले असम में सत्तारूढ़ भाजपा 11 से 13 सीट जीत सकती है, जबकि कांग्रेस के 0 से 1 सीट जीतने की उम्मीद है। वहीं, बदरुद्दीन अजमल की एआईंयूडीएफ की भी 0 से 1 सीट जीतने की उम्मीद है. वहीं, नॉर्थ ईंस्ट के अन्य राज्यों की 11 सीट में बीजेपी 4 से 6 सीट जीत सकती है। सव्रे के अनुसार कांग्रेस को नॉर्थ ईंस्ट में 0 से 2 सीट मिल सकती हैं, जबकि अन्य के खाते में 4 से 6 सीट जा सकती हैं। इस बीच, पूवरेत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री विकास पहल (पीएमडि वाइन) को केन्द्रीय बजट 2022- 23 में 100 प्रतिशत वेंद्रीय वित्त पोषण के साथ एक नईं वेंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में घोषित किया गया था और 12 अक्टूबर, 2022 को वेंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2022-23 से 2025-26 तक 4 साल की अवधि (15वें वित्त आयोग की अवधि के शेष वर्ष) के लिए 6,600 करोड़ के वुल परिव्यय के साथ अनुमोदित किया था। पीएम डिवाइन योजना के लिए विस्तृत दिशानिर्देश 21 अगस्त 2023 को जारी किए गए थे। पूवरेत्तर मामलों के

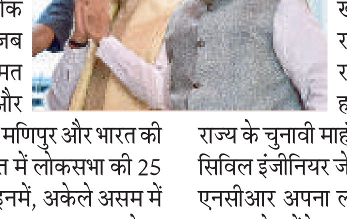

जानकार भी कहते हैं कि केन्द्र सरकार ने देश के पूवरेत्तर राज्यों के इंप्रास्ट्रक्चर विकास के लिए दिल खोलकर मदद की है। इस बीच, राजधानी में रहने वाले पूवरेत्तर राज्यों के नागरिक अपने घरों से हजारों मील दूर रहने पर भी अपने राज्य के चुनावी माहौल पर नजरें टिकाए हुए हैं। पेशे से सिविल इंजीनियर जेम्स मणिपुर कहते हैं, अब दिल्ली-एनसीआर अपना लगता है। हम यहां ही 25 मईं को अपना वोट देंगे। इधर हमारे साथ नस्लीय हिसा और भेदभाव की घटनाएं गुजरे दौर की बातें हो चुकी हैं। वो प्यारी सी मुस्कान बिखरते हुए बताते हैं। जेम्स की टिप्पणी से भरोसा जागता है। पर अरुणाचल प्रदेश के नौजवान निडो तानिया के साथ जो हुआ था वह भी तो भुलाया नहीं जाता। उनकी 2014 में लाजपत नगर में नस्लीय टिप्पणी का विरोध करने पर हत्या कर दी गईं थी। उस भयावह घटना की गूंज दूर तक गईं थी। दिल्ली शर्मसार भी हुईं थी। टी. वांगमू नोरबू दरजिलिंग से हैं। कहती हैं, दिल्ली पुलिस ने नार्थ ईंस्ट, दरजिलिंग और लद्दाख के नागरिकों के मसलों को देखने के लिए एक अलग से यूनिट बनाकर ठोस पहल की थी। इसका नानकपुरा में दफ्तर है। इसमें सब अधिकारी और शेष स्टाफ नार्थ ईंस्ट से है। बेशक, दिल्ली पुलिस की नार्थ ईंस्ट यूनिट के गठन के बाद हमारी एक पुरानी मांग पूरी हुईं थी।

आप का नजरिया

बहन जी ने एकला चलो की ठानी

बसपा सुप्रीमो मायावती जो कहती हैं वो करती हैं, करके दिखाती हैं, लगातार कईं चुनावों में बेहतर परिणाम न आने के बाद भी उनके तेवर में कोईं कमी नहीं आईं है। जहां देशभर में छोटी से लेकर बड़ी पार्टियां एनडीए या इंडिया गठबंधन में जाने को आतुर हैं, वहीं बसपा सुप्रीमों ने यूपी में आम चुनाव अपने दम-खम पर लड़ने का पैसला किया है। हालांकि इस पैसले ने सबको चौंका जरूर दिया। उनको आज भी अपने वैडर पर पूरा विश्वास है कि वह उनके साथ है। यही वैडर उनका गुमान और अभिमान भी है। बसपा का नारा है - सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय। वह दबे, वुचले, शोषित, वंचितों के लिए राजनीति करती हैं। वह अपने भाषण की शुरुआत भी इनको लेकर ही करती हैं। देशभर की पार्टियों पर आरोप लगाती हैं कि चुनाव के समय दलित, शोषित और वंचित याद आते हैं। मायावती चुनाव नजदीक आते ही भाजपा, कांग्रोस, सपा व अन्य विपक्षी पार्टियों पर डॉ. भीमराव अंबेडकर, कांशीराम, संत रविदास की याद आने का ढोंग करने का भी आरोप लगाती हैं। मायावती ने इंडिया गठबंधन से दूर रहकर अपने वैडर के भरोसे चुनाव में उतरने का पैसला किया है। भतीजे आकाश के जरिए प्राचार की रणनीति अपनाईं है और सोशल मीडिया पर प्राचार को प्राथमिकता दी जा रही है। टिकटों के वितरण में मायावती ने मुस्लिम के साथ ब्राrण, क्षत्रिय और ओबीसी को टिकट देकर वर्ष 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग का दांव चला है। इसके जरिए वह कांग्रोस-सपा और भाजपा दोनों को चुनौती देने की कोशिश कर रही हैं। मायावती सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात वैडर के लोगों तक पहुंचा रही हैं। बसपा ने सबसे पहला गठबंधन 1993 में यूपी में सपा के साथ विधानसभा चुनाव में किया था। दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ीं और सत्ता में आईं। लेकिन वह गठबंधन टूट गया। मायावती भाजपा संग गठबंधन कर 1995 में यूपी में पहली बार सीएम बनीं, लेकिन यह साथ भी अधिक दिनों तक नहीं चला। उन्होंने 2019 में लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन तो किया लेकिन मुफीद नतीजे न आने पर सपा को वैडर विहीन पाटा बताकर तुरन्त गठबंधन तोड़ने का ऐलान कर दिया। दलितों की पाटा बसपा को 40 साल होने जा रहे हैं। रविवार को बसपा का 40वां स्थापना दिवस है। पिछले 24 साल से बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर जिले के गांव बादलपुर में जन्मी मायावती हैं। पाटा के नए उत्तराधिकारी आकाश आनंद का जन्म भी नोएडा में ही हुआ है और वह वहीं पर पढ़े-लिखे हैं। मायावती 2001 से पाटा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। बीते 40 सालों में बसपा ने अधिक उतार- चढ़ाव देखे। इन दिनों बसपा अपने बुरे दौर से गुजर रही है। जिसके पास पूरे प्रादेश में सिर्प एक विधायक है। पाटा सुप्रीमों के गृह नगर गौतमबुद्ध नगर में ही बसपा का कोईं जनप्रातिनिधि नहीं है, जबकि दस साल पहले तक यहां पर बसपा का वर्चस्व हुआ करता था। 14 अप्रौल 1984 को कांशीराम द्वारा बसपा का गठन किया गया था। उन्होंने बसपा को स्थापित करने के लिए कड़ा संघर्ष किया।

क्या उड़ान के दौरान परोसे गए उपमा व पोहा में सोडियम की मात्रा अधिक है आरोपों पर एयरलाइन का आया जवाब

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। एक सोशल मीडिया यूजर ने दावा किया है कि उड़ान के दौरान इंडिगो की ओर से परोसे जाने वाले उपमा और पोहा में सोडियम की मात्रा मैगी से भी अधिक है। हालांकि एयरलाइन ने इसका जवाब देते हुए कहा कि उसके पहले से पैक उत्पादों में नमक की मात्रा निर्धारित मानदंडों के भीतर ही है।

सोशल मीडिया पर रेवंत हिमतसिंगका फूड फार्मर नाम के यूजर ने कहा कि इंडिगो की ओर से परोसे जाने वाले भोजन के बारे में एक चौंकाने वाला वीडियो है। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, हम में से अधिकांश पहले से ही जानते हैं कि मैगी एक अधिक सोडियम वाला भोजन है! पर हममें से ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि इंडिगो के मैजिक उपमा में मैगी की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक सोडियम है, इंडिगो के पोहा में मैगी की तुलना में 83 प्रतिशत अधिक सोडियम है और दाल चावल में मैगी जितना सोडियम है। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए कि उपमा, पोहा और दाल चावल स्वास्थ्य के लिए ठीक लगते हैं, पर इसका मतलब यह नहीं है कि वे वाकई सेहत के लिए ठीक हैं। इन आरोपों के बाद इंडिगो ने एक बयान में कहा कि कुछ पहले से पैक उत्पादों को पारंपरिक भारतीय व्यंजनों के अनुसार तैयार किया गया है और इसमें नमक की मात्रा तय मानदंडों के अनुरूप है। इंडिगो केवल प्रतिष्ठित विक्रेताओं के माध्यम से तैयार ताजा और पहले से पैक भोजन परोसता है। इंडिगो के विमानों में परोसे जाने वाले सभी भोजन पर एफएसएसएआई मानदंडों के अनुसार सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी भी मौजूद होती है। इंडिगो ने कहा कि वह सेवाओं में सुधार के लिए सभी फीडबैक का स्वागत करती है। बयान में कहा गया है कि पैकेज पर मुद्रित जानकारी यात्रियों को पोषक तत्वों का अनुमान लगाने और उनके विवेक के अनुसार उपभोग करने के लिए एक सलाह के रूप में कार्य करती है। जनवरी में खाद्य सुरक्षा निगरानी संस्था एफएसएसएआई ने एक विमान में परोसे गए सैंडविच में कीड़ा पाए जाने के बाद एक यात्री को असुरक्षित भोजन परोसने के मामले में इंडगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उधर, इंडिगो ने घटना के लिए खेद जताया था और कहा था कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए उसने पहले ही कदम उठाए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

ईपीएफओ ने पैसे निकालने के नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करोड़ों पीएफ विड्रॉल के नियमों में नया बदलाव किया है। इससे इलाज के लिए पीएफ से पैसे निकालना आसान हो गया है। ईपीएफओ का यह बदलाव पैराग्राफ 68जे के तहत ऑटो क्लेम प्रोसेसिंग (ऑटो विड्रॉल) की लिमिट को लेकर है। ईपीएफओ ने इस संबंध में 16 अप्रैल को एक सर्कुलर जारी कर बताया कि पहले जहां पैराग्राफ 68जे के तहत पीएफ से पैसे निकालने की लिमिट 50 हजार रुपए थी, उसे अब बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया गया है। यानी अब अगर कोई ईपीएफओ सब्सक्राइबर अपने पीएफ अकाउंट से मेडिकल जरूरतों के लिए 1 लाख रुपए तक की निकासी के लिए आवेदन देता है तो उसकी प्रोसेसिंग ऑटो मोड में हो जाएगी। पहले ऑटो प्रोसेसिंग की सुविधा सिर्फ 50 हजार रुपए तक के क्लेम के लिए थी यानी अब ईपीएफओ के सब्सक्राइबर मेडिकल जरूरतों के लिए आसानी से ज्यादा पैसों की निकासी कर सकते हैं। ईपीएफओ प्राइवेट सेक्टर के करोड़ों कर्मचारियों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड को मैनेज करता है, जिनमें ईपीएफ और ईपीएस आदि शामिल हैं। पीएफ में कंट्रीब्यूट करने वाले सभी सब्सक्राइबर को कुछ जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की सुविधा मिलती है, जैसे कोई कर्मचारी अगर अचानक से बेरोजगार हो जाता है यानी उसकी नौकरी चली जाती है, ऐसे में फॉर्म-19 के तहत आवेदन कर पीएफ से पैसे निकाले जा सकते हैं। कर्मचारियों को नौकरी जाने के अलावा मकान खरीदने, मकान बनाने, मकान की मरम्मत कराने, शादी-विवाह, बच्चों की पढ़ाई आदि जैसी जरूरतों के लिए भी पीएफ से पैसे निकालने की सुविधा मिलती है। एक ऐसी ही जरूरत खुद के या डिपेंडेंट के इलाज भी है। इसके लिए पैराग्राफ 68जे के तहत पीएफ से एडवांस विड्रॉल किया जा सकता है। इसमें अगर सब्सक्राइबर या डिपेंडेंट एक महीने से ज्यादा अस्पताल में भर्ती रहते हों या टीबी, लेप्रोसी, पैरालिसिस, कैंसर, मेंटल इलनेस, हर्ट की कोई बीमारी आदि से पीड़ित हों तो 68जे के तहत क्लेम किया जा सकता है।

एवरेस्ट फिश करी मसाले पर उठे सवाल, सिंगापुर ने बाजार से उत्पाद वापस मंगाए

नई दिल्ली। सिंगापुर ने भारत से आयातित लोकप्रिय उत्पाद एवरेस्ट फिश करी मसाला को वापस बाजार से वापसे लेने (रिकॉल) करने का एलान किया है। मसाले में कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की अधिक मात्रा का आरोप लगाते हुए इसे वापस लिया गया है। यह कदम हांगकांग में खाद्य सुरक्षा केंद्र की ओर से जारी एक अधिसूचना बाद उठाया गया है। जिसमें मसाले में एथिलीन ऑक्साइड अधिक मात्रा के बारे में बताया गया था। सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने एक बयान में कहा, हांगकांग स्थित खाद्य सुरक्षा केंद्र ने एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी के कारण भारत से आयातित एवरेस्ट फिश करी मसाला वापस मंगाने से जुड़ी एक अधिसूचना जारी की है। एसएफए ने आयातक एसपी मुथैया एंड संस पीटीई को निर्देश दिया है कि वह उत्पादों को व्यापक रूप से वापस मंगाने की पहल करे। एथिलीन ऑक्साइड, आमतौर पर कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है, यह खाद्य उत्पादों में उपयोग के लिए सख्त रूप से वर्जित है।

सोना 73 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में सोने के वायदा भाव में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 35 रुपये की तेजी के साथ 72,718 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 47 रुपये की तेजी के साथ 72,730 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 522 रुपये की तेजी के साथ 83,795 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 78 रुपये की तेजी के साथ 83,351 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,394 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

दुनिया का भविष्य बिग टेक से नहीं बल्कि भारत के डीपीआई से संचालित होगा, जी-20 शेरपा अमिताभ कांत का दावा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

दुनिया का भविष्य बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से नहीं बल्कि स्थानीय स्तर पर विकसित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी संरचना प्लेटफॉर्म्स से संचालित होगा। यह दावा जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने किया। वी मेड इन इंडिया कार्यक्रम में कांत ने कहा कि भारत अपनी डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को दुनिया के बाकी हिस्सों में पहुंचाएगा और कई देश इसके लिए पहले से ही तैयारी कर रहे हैं।

डीपीआई के अंतर्गत आधार के माध्यम से डिजिटल पहचान, यूपीआई के जरिए वास्तविक समय पर भुगतान और खाता एग्रीगेटर जैसी अन्य सेवाएं शामिल हैं। पिछले साल त्न-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान भारत ने इस बारे में क्षमता का दुनिया के सामने प्रदर्शन किया था। कांत ने कहा कि भारत ने अपनी रणनीतियों के माध्यम से जो प्रगति की है, उसे देखते हुए जी-20 के दौरान दुनिया ने डीपीआई की परिभाषा और ढांचे को स्वीकार किया था।

उन्होंने कहा, जी-20 के दौरान, दुनिया ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रा की परिभाषा को स्वीकार किया, दुनिया ने डीपीआई के ढांचे को स्वीकार किया और हमारे आकलन के अनुसार, भविष्य बड़ी तकनीक द्वारा संचालित नहीं होगा, यह डीपीआई द्वारा संचालित होगा। बिग टेक आम तौर पर एप्पल, गूगल की पैतृक कंपनी अल्फाबेट, अमेजन और मेटा जैसी दिग्गज टेक कंपनियों को कहा जाता है।

भारत का डीपीआई उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करेगाः कांत

कांत ने कहा कि भारत का डीपीआई पूरी दुनिया में स्थानांतरित होगा और यह देश के उद्यमियों के लिए बहुत सारे अवसर पैदा करेगा, जिसका लाभ उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, डीपीआई बाकी दुनिया का पर्याय बन जाएगा। उन्होंने कहा कि यह 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में बड़ा योगदान देगा। दूसरी ओर, पूर्व नौकरशाह ने बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों से देश के स्टार्टअप आंदोलन में निवेश करने का आग्रह किया, उन्होंने इस दौरान बताया कि सिलिकॉन वैली इकोसिस्टम, जो बड़ी टेक कंपनियों का घर है, ऐसे ही धैर्यवान निवेशकों द्वारा उठाए गए दांव से बना है।

भारत के स्टार्टअप मूवमेंट में निवेश से बढ़ेगा भारतः जी 20 शेरपा

कांत ने कहा कि वर्तमान में घरेलू स्टार्टअप के लिए तीन-चौथाई से अधिक फंडिंग अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से आ रही है, जबकि इसके केवल एक चौथाई घरेलू स्रोतों से आता है, इनमें बहुत अधिक नेट वर्थ वाले लोग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमें भारतीय बीमा कंपनियों की जरूरत है, हमें भारतीय पेंशन फंड की जरूरत है, हमें भारतीय एचएनआई (हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स) की जरूरत है, ताकि वे जोखिम उठा सकें और भारत के स्टार्टअप मूवमेंट में निवेश किया जा सके और इसी तरह भारत आगे बढ़ेगा। कांत ने भारत में डीप टेक सेक्टर के लिए फंड ऑफ फंड्स की आवश्यकता पर भी बात की, जो वेंचर कैपिटल फंड्स को भविष्य में बहुत प्रासंगिकता के साथ इस क्षेत्र में लगे स्टार्टअप में दांव लगाने में मदद करेगा।

स्टार्टअप्स कॉरपोरेट प्रशासन और एक मजबूत कार्य संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करें

स्टार्टअप जगत में बायजू जैसे झटकों पर बोलते हुए कांत ने कहा कि स्टार्टअप्स को भी कॉरपोरेट प्रशासन और एक मजबूत कार्य संस्कृति के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आगे बढ़ने के लिए स्व-नियमन सबसे अच्छा समाधान बताया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार स्टार्टअप्स को विनियमित करने लगेगी तो यह उनके नवाचार को मार देगी। उन्होंने कहा कि इनोवेशन हमेशा सरकार से आगे रहता है। टैक्स, रेगुलेटरी सिस्टम जैसी सरकारी मशीनरी हमेशा इनोवेशन के पीछे रहेगी। वे कभी भी नवाचार के मामले में आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए अगर सरकार स्टार्टअप्स के नियमन में शामिल होने लगी तो हम इनोवेशन को खत्म कर देंगे।

ऐसे समय जब भारत अपनी वृद्धि को गति देने के लिए सेवा क्षेत्र पर ध्यान देने की मांग कर रहा है, कांत ने विनिर्माण पर भी ध्यान देने की वकालत करते हुए कहा कि इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का सबसे उल्लेखनीय काम मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना है।

शिशु उत्पादों की गुणवत्ता पर केंद्र सख्त, अधिक चीनी मिलाने की रिपोर्ट के बाद सीसीपीए ने उठाया यह कदम

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से स्विट्ज़रलैंड के एक गैर सरकारी संगठन पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के उस दावे की जांच करने को कहा है जिसके अनुसार नेस्ले भारत जैसे कम विकसित देशों में अधिक चीनी वाले उत्पाद बेच रही है।

उपभोक्ता मामलों की सचिव और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की प्रमुख निधि खरे ने कहा, हमने नेस्ले के शिशु उत्पादों पर आई रिपोर्ट पर संज्ञान लेने के लिए एफएसएसएआई को पत्र लिखा है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने भी रिपोर्ट का संज्ञान लिया है और एफएसएसएआई को नोटिस जारी किया है।

स्विस एनजीओ, पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) की जांच के निष्कर्षों के अनुसार, नेस्ले यूरोप के बाजारों की तुलना में भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों में अपने शिशू उत्पादों को चीनी की अधिक मात्रा के साथ बेचता है।

इस मामले में गुरुवार को नेस्ले इंडिया ने कहा था कि उसने कभी अपने उत्पादों में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया है और उसने पिछले पांच वर्षों में भारत में शिशु खाद्य उत्पादों में चीनी की मात्रा में 30 प्रतिशत से अधिक की कमी की है। नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, अतिरिक्त चीनी की मात्र में कमी नेस्ले इंडिया की प्राथमिकता है। पिछले 5 वर्षों में, हमने पहले ही वैरिएंट के आधार पर अपने उत्पादों में अतिरिक्त चीनी की मात्र को 30 प्रतिशत तक कम कर दिया है।

नेस्ले के प्रवक्ता ने कहा, हम इससे कभी समझौता नहीं करेंगे। हम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि भारत में निर्मित हमारे उत्पाद अतिरिक्त चीनी सहित सभी पोषक तत्वों की जरूरत से जुड़ी कोडेक्स मानकों (डब्ल्यूएचओ और एफएओ द्वारा स्थापित एक आयोग) और स्थानीय नियमों (आवश्यकतानुसार) का पूर्ण और सख्त अनुपालन करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, नेस्ले का गेहूं आधारित उत्पाद सेरेलक छह महीने के बच्चों के लिए ब्रिटेन और जर्मनी में बिना चीनी के बेचा जाता है, लेकिन भारत से मिले 15 सेरेलक उत्पादों में औसतन प्रति सर्विंग 2.7 ग्राम अतिरिक्त चीनी होती है।

चौथी तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़कर 7,969 करोड़ हुआ, आंकड़े जारी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का एकीकृत लाभ मार्च 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में 30 प्रतिशत बढ़कर 7,969 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 6,128 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

समीक्षाधीन तिमाही में इंफोसिस की कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 1.3 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 37,441 करोड़ रुपये थी। कंपनी को वित्त वर्ष 2025 के दौरान राजस्व में कॉन्स्टैंट करेंसी की स्थिति में 1 से 3 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी का शुद्ध लाभ 8.9 प्रतिशत बढ़कर 26,233 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 24,095 करोड़ रुपये था।

परिचालन से कंपनी का वार्षिक आय वित्त वर्ष 2024 में 4.7 प्रतिशत बढ़कर 1,53,670 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 1,46,767 करोड़ रुपये थी।

इन्फोसिस बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 20 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश और इसके अलावा 8 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के विशेष लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी ने यह भी घोषणा की है कि वह 45 करोड़ यूरो के निवेश के साथ नकद सौदे के जरिए जर्मन फर्म इन-टेक में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

हालांकि, नतीजों के बाद इंफोसिस एडीआर के शेयर न्यूयार्क स्टॉक एक्सचेंज पर आठ प्रतिशत तक की गिरावट दिखी। माना जा रहा है कि निवेशक वित्तीय वर्ष 2025 के कंपनी के राजस्व अनुमानों से उत्साहित नहीं है।

चीन, यूएई, रूस और सिंगापुर में भारत का निर्यात बढ़ा, हमसे आयात करने वाले टॉप 10 देश कौन

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। चीन, रूस, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर उन देशों की सूची में शामिल हैं जहां हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष में भारत का निर्यात काफी बढ़ा है। भारत के निर्यात के लिहाज से शीर्ष 10 देशों में की सूची में अन्य नाम ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका हैं।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बीते सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कुल निर्यात, माल और सेवाएं संयुक्त रूप से 776.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो सालाना आधार पर काफी हद तक स्थिर है।

इस दौरान वस्तुओं का निर्यात 3.1 प्रतिशत घटकर 437.06 अरब डॉलर और सेवाओं का निर्यात 4.4 प्रतिशत बढ़कर 339.62 अरब डॉलर रहा। मार्च 2024 में निर्यात की बात करें तो व्यापारिक निर्यात 0.7 प्रतिशत घटकर 41.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर और सेवा निर्यात 6.3 प्रतिशत घटकर 28.54 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। भारत का कुल निर्यात 2022-23 में 775.87 अरब अमेरिकी डॉलर का था। उस दौरान निर्यात में वार्षिक आधार पर लगभग 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि आई थी।

आयात की बात करें तो 2023-24 में भारत का कुल आयात 4.8 प्रतिशत घटकर 854.80 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। मार्च 2024 में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में क्रमशः 5.41 प्रतिशत और 2.46 प्रतिशत की गिरावट आई। सरकार ने बीते वर्षों में निर्यात को बढ़ावा देने और आयात में कमी लाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

इन कदमों में इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करना शामिल था। ये कदम इस लिए भी उठाया गया ताकि भारतीय निर्माताओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके, निवेश आकर्षित किया जा सके, निर्यात बढ़ाया जा सके, भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत किया जा सके और आयात पर निर्भरता कम की जा सके।

ड्रैगन को भविष्य के लिए अपनी रणनीतियां बदलनी होंगी, आईएमएफ की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने दी यह सलाह

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीन को पिछले कुछ दशकों में अपने निर्यात आधारित विकास की नीतियों से लाभ जरूर हुआ पर अब वह समय आ गया है जब उसे वृद्धि के लिए घरेलू स्रोतों का रुख करना चाहिए। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि चीन को अपने बाजार के लिए और अधिक अवसर खोलना चाहिए।

चीन की अर्थव्यवस्था इस वर्ष की पहली तिमाही में 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे नए साल की उम्मीद से अधिक मजबूत शुरुआत हुई, हालांकि चीन के संपत्ति बाजार में गिरावट जारी रही जबकि घरेलू मांग भी कम रही। मंगलवार को जारी राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों से को पता चलता है कि 2024 के पहले तीन महीनों में चीन की जीडीपी सालाना 5.3 प्रतिशत बढ़कर 29.63 ट्रिलियन युआन (लगभग 4.17 ट्रिलियन डॉलर) हो गई।

आईएमएफ एमडी ने कहा- चीन को अब विकास के लिए घरेलू स्रोतों की ओर देखना चाहिए जॉर्जीवा ने कहा, चीन की राह में कांटे हैं। क्यों क्योंकि चीन को भविष्य के लिए विकास की रणनीतियों को परिभाषित करना होगा। चीन को पिछले दशकों में अपनी खास नीतियों, जिनमें निर्यात-उन्मुख विकास शामिल है, का लाभ मिला है। लेकिन अब विकास के लिए घरेलू स्रोतों की ओर देखने का समय आ गया है। उन्हें अपने बाजार के लिए संभावनाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से और अधिक अवसर खोलने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आईएमएफ को चीन के लिए तीन महत्वपूर्ण अवसर नजर आ रहे हैं। पहला, अर्थव्यवस्था को घरेलू खपत की ओर और अधिक परिवर्तित करना। यह वास्तव में चीन की दोहरी परिसंचरण अर्थव्यवस्था के अनुरूप है। यह उपभोक्ताओं को अधिक आत्मविश्वास देने और उन्हें अधिक सेवाएं व वस्तुए खरीदने के लिए प्रेरित करेगा।

चीन में स्वास्थ्य सेवाओं का काफी विस्तार हो सकता हैः जॉर्जीवा

उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि चीन में स्वास्थ्य सेवाओं में काफी विस्तार हो सकता है। हम जानते हैं कि सामाजिक सुरक्षा जाल को अधिक प्रभावी ढंग से काम करने के लिए लोगों को थोड़ा कम बचत करने, थोड़ा अधिक खर्च करने का मौका मिलेगा। आईएमएफ के प्रबंध निदेशक ने कहा, चीन अपनी वृद्धि को बनाए रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले रहा है। ऐसे में वह घरेलू खपत बढ़ाने के लिए जितने अधिक कदम उठाए, उतना बेहतर होगा।

एक अलग संवाददाता सम्मेलन में आईएमएफ के एशिया व प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने संवाददाताओं से कहा कि वृहद आर्थिक पहलुओं की बात करें तो चीन की अर्थव्यवस्था कमजोर घरेलू मांग से जूझ रही है। इसके दो कारण है रियल एस्टेट क्षेत्र में निरंतर कमजोरी और महामारी का असर। इस स्थिति में आईएमएफ ने दो चीजों की वकालत की है।

एक चीन को ऐसी नीतियां बनाती चाहिए जो संपत्ति क्षेत्र में समस्या का समाधान करने में मदद करें और दूसरी, चीन अपने सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क में सुधार करके उपभोक्ताओं की मांग को बढ़ावा देने की कोशिश करे। इसके अलावा चीन को अपनी पेंशन प्रणाली में वित्तीय रूप से विवेकपूर्ण सुधार करना चाहिए और अपने लोगों, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश करना चाहिए।

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए जा रहे भारतीय पहलवानों का बुरा हाल, दुबई में सोने-खाने को तरसे

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दीपक पुनिया और सुजीत कलकल का पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई मुश्किल हो सकता है। दरअसल, किर्गिस्तान जाने वाले दोनों भारतीय पहलवान खाड़ी देश में अभूतपूर्व बारिश के कारण दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। दीपक (86 किग्रा), जो टोक्यो खेलों में पदक जीतने के करीब पहुंच गए थे, और सुजीत (65 किग्रा), एशिया ओलंपिक क्वालीफायर में भाग लेने के लिए बिश्केक जा रहे थे, फिलहाल बारिश की वजह से हवाई अड्डे पर ही फंसे हुए हैं।

फर्श पर सोने को हुए मजबूर, खाने को भी तरसे - हालाँकि, देश में अब तक हुई सबसे भारी बारिश के कारण प्रमुख राजमार्गों और सड़कों पर पानी भर जाने और दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक के अस्त-व्यस्त हो जाने के कारण दोनों दुबई हवाई अड्डे पर फंसे रह गए। रूसी कोच कमल मलिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ इन दोनों को फर्श पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा है और बारिश से उत्पन्न संकट के कारण उन्हें उचित भोजन भी नहीं मिल पा रहा है। दीपक और सुजीत का वजन होगा, जबकि मुकाबले दिन में बाद में खेले जाएंगे।

सुजीत के पिता का बयान - सुजीत के पिता दयानंद कलकल ने कहा, वे 16 अप्रैल से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं और ऐसा लगता है कि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का मौका उनके हाथ से फिसल रहा है क्योंकि उन्हें कल प्रतिस्पर्धा करनी है। उन्हें बिश्केक के लिए कोई उड़ान नहीं मिल रही है। मैं उनके बारे में चिंतित हूं। दीपक और सुजीत 2 से 15 अप्रैल तक रूस के दागेस्तान में प्रशिक्षण ले रहे थे और उन्होंने दुबई के रास्ते मकाचकला से बिश्केक तक उड़ान भरने का फैसला किया।

साई ने लिया संज्ञान - इस मामले में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने संज्ञान लेते हुए सीजीआई दुबई के अधिकारियों से चर्चा की। साई ने ट्वीट कर बताया कि, सीजीआई दुबई के अधिकारी पहलवानों, दीपक पुनिया और सुजीत कलकल के संपर्क में हैं, जो उड़ानें बाधित होने के कारण दुबई में फंसे हुए हैं। उन्हें आज रात दुबई से बिश्केक की उड़ान में शामिल किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बारिश की भेंट चढ़ा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला टी20 मैच, फैंस के हाथ लगी निराशा

नई दिल्ली। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। शाम से शुरू हुई बारिश फैंस की लाख मन्नतों के बाद रूकी और अंपायर्स ने पांच-पांच ओवर का मैच निर्धारित किया। हालांकि, पहले ओवर की दूसरी गेंद ही हुई थी कि फिर बारिश आ गई और रेफरी ने मैच रद्द कर दिया। रावलपिंडी में आयोजित पहले टी20 के पांच-पांच ओवर के मैच में रावलपिंडी में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टिम रॉबिन्सन और टिम सीफर्ट सलामी जोड़ी के रूप में मैदान पर पहुंचे। शाहीन ने आक्रामण की बागडोर संभाली। शाहीन की पहली गेंद पर बाई के रूप में दो रन बने। दूसरी ही गेंद पर लगा था पहला झटका दूसरी गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी ने टिम रॉबिन्सन को क्लीन बोल्ड कर न्यजीलैंड को पहला झटका दिया। इसके बाद फैंस की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब फिर से बारिश होने लगी। इसके बाद मैच रेफरी ने मैच रद्द करने की घोषणा कर दी। टी20 के लिए प्लेइंग इलेवन न्यूजीलैंड (प्लेइंग इलेवन): टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), टिम रॉबिन्सन, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मार्क चैपमैन, जेम्स नीशम, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जोश क्लार्कसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, बेन सीयर्स, बेन लिस्टर पाकिस्तान (प्लेइंग इलेवन): बाबर आजम (कप्तान), सईम अयूब, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), उस्मान खान, इफ्तिखार अहमद, इरफान खान, शादाब खान, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, मोहम्मद आमिर, अबरार अहमद।

कारूआना से ड्रॉ के बाद गुकेश दूसरे स्थान पर, प्रगनानंदा और गुजराती हारे, वैशाली-हंपी जीतीं

टोरंटो। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 11वें दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना से ड्रॉ के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि भारत के ही आर प्रगनानंदा और विदित गुजराती को पराजय का सामना करना पड़ा। प्रगनानंदा को अमेरिका के हिकारू नकामूरा और गुजराती को रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि ने हराया। अन्य मुकाबलों में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अजरबैजान के निजात अबासोव को हराया। टूर्नामेंट में अब तीन दौर ही बचे हैं और नेपोमनियाच्ची लगातार तीसरी बार खिताब के प्रबल दावेदार लग रहे हैं। रूस पर प्रतिबंध लगा होने से वह फिडे के ध्वज तले खेल रहे हैं। उन्होंने 11 में से सात अंक लेकर एकल बढ़त बना ली। कारूआना, नाकामूरा और गुकेश उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रगनानंदा के 5.5 और गुजराती के पांच अंक हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान को एकल बढ़त मिल गई है जबकि उनकी हमवतन टी लेइ दूसरे स्थान पर है। भारत की आर वैशाली ने शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना को हराया जबकि कोनेरू हंपी ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा को मात दी।

पाक के खिलाफ तटस्थ स्थल पर टेस्ट सीरीज खेलने को तैयार हैं रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ तटस्थ स्थल पर टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार हैं। रोहित का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम की धारदार गेंदबाज को देखते हुए दोनो के बीच सीरीज रोमांचक होती है। दोनो देशों के बीच तनाव के कारण ही पिछले डेढ़ दशक से दोनो टीमों ने द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतिम बार साल 2008 में द्विपक्षीय सीरीज हुई थी। उसी के बाद से ही दोनो ही टीमों ने द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है। दोनो ही टीमों ने इस दौरानर केवल आईसीसी मुकाबलों में खेला है। रोहित ने कहा, 'मेरा पूरा तरह से मानना है कि अगर हम विदेशों में खेलते हैं तो तटस्थ स्थल पर टेस्ट सीरीज भी खेली जा सकती है। पाक टीम की गेंदबाजी अच्छी है जिससे मुकाबला रोमांचक रहेगा। यह पूछने पर कि क्या इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया जैसे तटस्थ स्थल पर भारत-पाक टेस्ट संभव है, इसपर रोहित ने कहा'हां, मुझे पाक के खिलाफ खेलना मजदार लगेगा।

डिकॉक और राहुल ने चेन्नई को दिखाया आइना, लखनऊ आठ विकेट से जीता

लखनऊ 19 अप्रैल (एजेंसियां)। क्विंटन डिकॉक (54) और कप्तान केएल राहुल (82) के बीच 134 रन की शतकीय साझीदारी की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 34वें मुकाबले में गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पीट कर अपने मनोबल में इजाफा किया। पीले समंदर में तब्दील इकाना स्टेडियम पर चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 176 रन बनाये जिसके जवाब में लखनऊ ने विजय लक्ष्य छह गेंद शेष रहते दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। यह इकाना स्टेडियम के इतिहास में सबसे बड़ा रन चेज रहा।

डिकॉक और राहुल की जोड़ी ने आज 2022 के आईपीएल सत्र की याद दिला दी जब दोनो ने अपने दम पर 210 रन की पार्टनरशिप कर केकेआर के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की थी।

केएल राहुल की आज की पारी अब तक के सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी थी, इससे पहले उन्होने राजस्थान रायल्स के खिलाफ 58 रन बनाये थे। अपनी अर्धशतकीय पारी में उन्होने 53 गेंद खेल कर नौ चौके और तीन छक्के जड़े। राहुल सीएसके के सफल गेंदबाज पथिराना का शिकार बने जब प्वाइंट पर खडे जडेजा ने उनका कैच एक हाथ से लपका। इससे पहले दूसरे छोर पर डिकॉक पारी के 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर मुस्फिजुर रहमान का शिकार बने। उन्होने अपनी सत्र की तीसरी अर्धशतकीय पारी में 43 गेंद खेलकर पांच चौके और एक छक्का लगाया।

दोनो सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद जीत की औपचारिकता को निकोलस पूरन (23) और मार्कस स्टॉयनिस (8) ने बगैर और नुकसान के पूरा कर लिया। पूरन ने नो बाल में फ्री हिट पर चौका जड कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इकाना स्टेडियम में आज 50 हजार दर्शकों का दिल अपने चहेते सितारे सीएसके के महेन्द्र सिंह धोनी के साथ था मगर दिमाग में उनके लखनऊ की जीत की तमन्ना थी और दर्शकों की दोनो तमन्नायें पूरी हुयी जब उन्होने धोनी की पैसा वसूल पारी देख कर अपने अरमानों को पूरा किया। उधर एलएसजी के कप्तान केएल राहुल ने अपने घरेलू दर्शकों की जीत की चाहत को भी पूरा कर दिया। सातवें बल्लेबाज के रुप में पिच पर उतरे धोनी ने अपने खास अंदाज में नौ गेंदों की नाबाद पारी में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 28 रन ठोक दिये जिसके चलते चेन्नई मेजबान टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण लक्ष्य तैयार करने में सफल हो सका। हालांकि उनकी इस पारी पर राहुल और डिकॉक ने पानी फेर दिया। धोनी के साथ दूसरे छोर पर हरफनमौला रविंद्र जडेजा की साहसिक नाबाद पारी ने न सिर्फ चेन्नई को मुश्किलों के भंवर से निकाला बल्कि मैदान पर बैठे एलएसजी के समर्थकों की भी खूब वाहवाही लूटी। आईपीएल के मौजूदा सत्र में जडेजा की यह पहली अर्धशतकीय पारी थी जिसमे उन्होने 76 मिनट क्रीज पर रुक कर 40 गेंदों में पांच चौके और एक जानदार छक्के की मदद से नाबाद 57 रन बनाये।

इससे पहले टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही जब रचिन रविंद्र (0) पारी के दूसरे ओवर में ही मोहसिन खान का शिकार बन गये। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (17) भी यश ठाकुर की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गये। हालांकि सलामी बल्लेबाज आंजिक्य रहाणे (36) का बल्ला इकाना की पिच पर चल निकला। उन्होने 24 गेंदों की अपनी संक्षिप्त पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा।

चेन्नई के विस्फोटक बल्लेबाज शिवम दुबे (3) और इंपेक्ट प्लेयर समीर रिजवी (1) भी अपने विकेट जल्दी गंवा बैठे और टीम का स्कोर पांच विकेट पर 90 रन हो गया। मुश्किल हालात से टीम को निकालने की जिम्मेदारी अब हरफनमौला रविंद्र जडेजा के पास थी जिन्होने इसे बखूबी निभाया। उन्होने पहले मोइन अली (30) के साथ 51 रन की बहुमूल्य साझीदारी की जबकि बाद में भारतीय प्रशंसकों की जान महेन्द्र सिंह धोनी के साथ तेज गति से रन बटोरते हुये एलएसजी के लिये एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा करने में टीम की मदद की। एलएसजी के लिये कृणाल पांड्या (16 रन पर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज बने जबकि मार्कस स्टॉयनिस,यश ठाकुर,मोहसिन खान,रवि बिश्नोई को एक एक विकेट मिला।

ओलंपिक की तैयारी के लिए अब हर दिन अहम,स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अब काफी कम समय बचा है। ऐसे में अब अभ्यास के लिए हर दिन बेहद महत्वपूर्ण है। इसी कारण अब हमें प्रशिक्षण सत्र के समय का अच्छी प्रकार से इस्तेमाल करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी कांस्य पदक है और उसका लक्ष्य इस बार उसके रंग में बदलाव करना रहेगा। हरमनप्रीत ले कहा कि टीम अभी ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटी है जहां उसे उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिली। भारतीय टीम को इस दौरे में 0-5 से हार का सामना करना पड़ा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। ऐसे में एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक की उल्टी गिनती शुरु हो गयी है। इसी कारण अब टीम जोश से भरी हुई है। उन्होंने कहा, 'स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होने से टीम की एकजुटता लगातार बढ़ी है। वहीं टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने भी तैयारी के लिए एक साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किया है। गौरतल है कि भारतीय टीम ने गत वर्ष एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। वहीं उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी कमजोरियों को ठीक करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से हमें उन चीजों के बारे में पता चला जिनमें हमें सुधार करना है। हम अभ्यास शिविर में लौटने के बाद इसपर ध्यान देंगे। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मामले को हल कर दें। उन्होंने कहा, 'हम बचे हुए 100 दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे जिससे यह तय हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी इच्छा पूरी हो। गौरतलब है कि पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। इसमें भारतीय टीम अपना अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

छह साल की उम्र में तक्षवी वघानी ने रचा इतिहास स्केटिंग में किया कमाल, बना दिया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अहमदाबाद की तक्षवी वघानी ने छह वर्ष की उम्र में ऐसा कारनामा कर डाला है जिससे उनकी चर्चा भारत ही नहीं पूरे विश्व में हो रही है। उन्होंने छोटी सी आयु में कुछ ऐसा किया जिससे उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया। तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में 25 मीटर से अधिक का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ उन्होंने न सिर्फ अपना नाम रोशन किया बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने की पुष्टि

तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में कमाल करते हुए अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। इसकी पुष्टि करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें छह साल की तक्षवी को स्केटिंग करते देखा जा रहा है। वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा गया, 25 मीटर से अधिक की लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग। पिछले साल 10 मार्च को यह रिकॉर्ड ब्रेकिंग उपलब्धि हासिल की गई थी।

तक्षवी ने तोड़ा मनस्वी का रिकॉर्ड

अहमदाबाद की तक्षवी से पहले यह रिकॉर्ड पुणे की मनस्वी विशाल के नाम दर्ज था। उन्होंने साढ़े तीन साल की उम्र में 25 मीटर से ज्यादा की लोएस्ट लिंबो स्केटिंग से सभी को प्रभावित कर दिया था। उन्होंने धरती से केवल 16.5 सेंटीमीटर की ऊंचाई बनाए रखते हुए 25 मीटर की दूरी तक ग्लाइड किया था।

सृष्टि भी नहीं हैं पीछे

लिम्बो स्केटिंग की दुनिया में तक्षवी और मनस्वी के अलावा 18 वर्षीय सृष्टि धर्मेंद्र शर्मा भी कमाल दिखा चुकी हैं। उन्होंने जुलाई 2023 में 50 मीटर से अधिक की स्केटिंग में कमसमय लेते हुए नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था। उन्होंने इस दूरी को 6.94 सेकंड में पूरा किया था। उन्होंने 2021 में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर यह उपलब्धि हासिल की थी।

श्रीलंका ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया: साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया, अट्टापटू ने नाबाद 195 रन बनाए

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। श्रीलंका विमेंस क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया। श्रीलंका ने इस मैच में 301 रन का स्कोर चेज किया। विमेंस वनडे क्रिकेट में पहली बार किसी टीम ने 300 या इससे ज्यादा का स्कोर चेज किया है।

श्रीलंका कप्तान चमारी अट्टापटू ने नाबाद शतक लगाया। उन्होंने 139 गेंदों पर नाबाद 195 रन बनाए। अट्टापटू ने अपनी बड़ी पारी में 26 चौके और 5 छक्के लगाए। अट्टापटू का यह स्कोर वनडे क्रिकेट (विमेंस/ मेंस) में चेज करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

श्रीलंका से पहले ऑस्ट्रेलिया के नाम था रिकॉर्ड

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 301 रनों का स्कोर बनाया। साउथ अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 147 गेंदों पर 184 रनों की नॉटआउट पारी खेली। जवाब में श्रीलंका ने 44.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया और साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया।

श्रीलंका ने विमेंस वनडे का इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2012 में 289 रनों का टारगेट हासिल किया था।

इसी के साथ श्रीलंका और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से ड्रॉ हो गई। सीरीज का पहला मैच बेनतीजा रहा था। दूसरा साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट से जीता था।

अट्टापटू ने बनाया वनडे क्रिकेट (विमेंस/ मेंस) में चेज करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर श्रीलंका की चमारी अट्टापटू ने नाबाद 195 रन बनाए। अट्टापटू का यह स्कोर वनडे क्रिकेट (विमेंस/ मेंस) में चेज करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। विमेंस क्रिकेट में पहला ही है। इस मामले में अट्टापटू से आगे (विमेंस/ मेंस) ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने मुंबई में वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ चेज करते हुए 201 रनों की पारी खेली थी। जो वनडे मैच में (मेंस और विमेंस) टारगेट का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा इंडिविजुअल रन है।

सिराज को तैयारी और खेल के समय के संबंध में अपना क्षेत्र ढूंढने की जरुरत हैः जहीर खान

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में, मोहम्मद सिराज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए विकेटों में नहीं रहे हैं और भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में वापस आने के लिए तैयारी और खेल के समय की शर्तों के संबंध में यह उनके लिए अपना जोन ढूंढने की जरूरत है। आईपीएल 2023 में सिराज ने 14 मैचों में 19.73 की औसत और 7.5 की इकोनॉमी रेट से 19 विकेट लिए, जिसमें पावर-प्ले में दस विकेट आए। लेकिन मौजूदा टूर्नामेंट में सिराज उन ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच पाए हैं, उन्होंने छह पारियों में 57.25 की औसत और 10.40 की इकोनॉमी रेट से चार विकेट लिए हैं।

उनकी पावर-प्ले संख्या में भी गिरावट आई है और वह 12.3 की इकॉनमी रेट से केवल एक विकेट ले पाए हैं। सिराज को इस हफ्ते की शुरुआत में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के मैच से भी बाहर कर दिया गया था, लेकिन जहीर को लगता है कि सिराज को वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह के साथ साझेदारी करनी होगी। सिराज एक ऐसा खिलाड़ी है जो बहुत अच्छा कर रहा है और यह अभी प्रारूप की मांग है कि कभी-कभी, किसी को भी परेशानी हो सकती है। यह टीमों के गेम न जीतने का नतीजा भी हो सकता है और बात सिर्फ इतनी है कि इसकी निराशा आप तक पहुंच रही है, जिससे आप प्रक्रियाओं से दूर जा रहे हैं। लेकिन उसके लिए, यह जितना संभव हो उतना सरल होगा अगर उसे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में वापस आने की जरूरत है। उसे विकेटों के बारे में सोचना होगा, उन स्टंप्स पर आक्रमण करना होगा, जितनी तेज़ हो सके गेंदबाजी करनी होगी, शुरुआती स्विंग की तलाश करनी होगी - यह सब जो हमने देखा है वह उसकी सफलता के फॉर्मूले का हिस्सा है। आईपीएल 2024 के स्ट्रीमिंग पार्टनर जियोसिनेमा के आईपीएल विशेषज्ञ जहीर ने चुनिंदा वर्चुअल इंटरेक्शन में कहा,उनके लिए, यह तैयारी, खेल के समय और तुरंत वहां पहुंचने के संबंध में उस क्षेत्र को फिर से ढूंढने के बारे में है।

मुझे अभी भी लगता है कि उसे टी20 विश्व कप का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि शमी उपलब्ध नहीं है, यह एक निश्चित संसाधन का उपयोग करने के बारे में हो जाता है और उसके संबंध में, वह वहीं पर है। भारत की 2011 वनडे विश्व कप जीत के सदस्य जहीर ने राजस्थान रॉयल्स के लिए आवेश खान के प्रभावशाली प्रदर्शन पर भी ध्यान दिया। जब मैं आवेश को देखता हूं तो जिस चीज ने मुझे प्रभावित किया है, वह यह है कि जब वह खेल के करीब आ रहा है तो उसके विचारों की स्पष्टता है और वह वहां लड़ाई का आनंद कैसे ले रहा है। आवेश सही दृष्टिकोण के संदर्भ में वे सभी चीजें कर रहा है और इस आईपीएल में सफल होने के लिए अभी विभिन्न परिदृश्यों में आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ चुनौती के लिए तैयार है। जहीर का यह भी मानना है कि अर्शदीप सिंह को ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट के 2022 संस्करण में मौजूद रहने के बाद टी20 विश्व कप टीम में जगह बनानी चाहिए, जहां उन्होंने दस विकेट लिए थे। टीम का चयन अभी भी दो सप्ताह दूर है लेकिन अर्शदीप सिंह टी20 विश्व कप के लिए एक गंभीर उम्मीद है और चयनकर्ता उन पर नज़र रखेंगे। खलील अहमद, मोहसिन खान और यश दयाल पर भी चयनकर्ताओं की नजर रहेगी। अगर हार्दिक पांड्या फिट हैं और गेंदबाजी के लिए उपलब्ध हैं तो वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को गहराई और संतुलन भी प्रदान करते हैं। जहीर को लगता है कि टी20 विश्व कप में ऋषभ पंत भारत के लिए पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज होंगे, पंत ने दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना के बाद आईपीएल 2024 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद से खेल के सभी पहलुओं में शानदार प्रगति की है।

कराची में आतंकियों की आत्मघाती साजिश नाकाम, निशाने पर थी वैन, बाल-बाल बचे जापान के पांच नागरिक

इस्लामाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।
पाकिस्तान आजकल आतंकवादियों के निशाने पर है। यहां आए दिन हमले हो रहे हैं। कभी सेना तो कभी नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। इसी क्रम में, सिंध प्रांत में शुक्रवार को पांच जापानी नागरिकों को निशाना बनाते हुए आतंकवादियों ने एक आत्मघाती हमला करने की कोशिश की। हालांकि, शुक्र रहा कि सभी नागरिक सही सलामत बच निकले। पूर्वी के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अजफर महेसर ने बताया कि लांधी में मुर्तजा चोरांगी के नजदीक मोटरसाइकिल सवार आतंकवादियों ने जापानी नागरिकों की वैन को टक्कर मारने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि सभी पांच जापानी नागरिक सुरक्षित हैं। हालांकि, उनके साथ मौजूद निजी सुरक्षा गार्ड घायल हो गया। उन्होंने कहा कि जापान के नागरिक क्लिफ्टन के जमजामा स्थित अपने घर से कहीं जा रहे थे।

आतंकवादी ने खुद को उड़ाया

आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) के डीआईजी आसिफ एजाज शेख ने बताया कि जापानी नागरिक दो सुरक्षा गार्डों के साथ एक वैन में यात्रा कर रहे थे। तभी आतंकवादियों ने उनके वाहन को निशाना बनाने की कोशिश की। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा गार्डों ने एक आतंकवादी को मार गिराया, जबकि दूसरे ने वैन के करीब जाने की कोशिश में खुद को उड़ा लिया। डीआईजी शेख ने बताया कि जापानी नागरिकों को ले जा रहा वाहन बुलेट प्रूफ था। इसलिए सभी सुरक्षित हैं। अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। जिन्ना अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि तीन घायलों, दो सुरक्षा गार्ड और एक राहगीर को अस्पताल लाया गया जिनमें से दो की हालत गंभीर है। अस्पताल ने पुष्टि की कि किसी विदेशी को इलाज के लिए नहीं लाया गया था। अधिकारी ने बताया कि जापानी नागरिक पाकिस्तान सुजुकी मोटर्स में काम करते थे। बता दें, कराची पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर और दक्षिणी सिंध प्रांत की राजधानी है।

इन लोगों ने की निंदा

सिंध के परिवहन मंत्री शरजील इनाम मेमन ने हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि समय पर की गई कार्रवाई ने आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

एक-दूसरे को निशाना बनाने के बजाय सितारों पर भेजें रॉकेट, ईरान-इस्राइल तनाव के बीच मस्क की सलाह

कैलिफोर्निया। बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर मिसाइलों और ड्रोंस से हमला किया था। अब इस्राइल ने भी पलटवार कर ईरान के शहर इस्फहान पर मिसाइलों से हमला कर दिया है। ईरान और इस्राइल तनाव के बीच टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने सलाह दी है। उनका कहना है कि एक-दूसरे को निशाना बनाने के बजाय सितारों पर रॉकेट भेजना चाहिए। ईरान पर इस्राइल का जवाबी हमला गौरतलब है, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया कि इस्राइल ने शुक्रवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) तेहरान के खिलाफ मिसाइल हमले किए। इस्राइल के हमले के बाद ईरान ने अपनी वायु-रक्षा प्रणाली को कई शहरों में सक्रिय कर दिया है। राज्य मीडिया ने दावा किया है कि ईरान के शहर इस्फहान के एयरपोर्ट में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। बता दें, ईरान के कई परमाणु ठिकाने इस्फहान प्रांत में ही स्थित हैं, जिनमें ईरान में यूरेनियम संवर्धन का प्रमुख केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के हवाई क्षेत्र में कई फ्लाइट्स के मार्ग बदले गए हैं। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मिसाइलें दागी गई थीं। जबकि ईरान का कहना है कि उन्होंने कई ड्रोंस को मार गिराया। हालांकि, अधिकारी इस बात की पुष्टि नहीं कर सके कि सीरिया और इराक के ठिकाने भी प्रभावित हुए हैं या नहीं। एलन मस्क ने दी सलाह ईरान पर हुए हमले की खबर सामने आने पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना पोस्ट में कहा, एक-दूसरे को निशाना बनाने के बजाय सितारों पर रॉकेट भेजना चाहिए। मस्क ने आगे कहा, शायद दुनिया के नेताओं को सिर्फ एक-दूसरे को ईमेल के जरिए मीम्स भेजना चाहिए और जनता को चुनने दिजिए कि कौन जीतता है। उन्होंने कहा कि वह युद्ध की बजाय ऐसा करना ज्यादा पसंद करेंगे। यह है पूरा मामला दरअसल, ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर्स समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने इस हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया था। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर इस्राइल ने उन पर हमला किया तो वे और ताकत के साथ पलटवार करेंगे। इसके बाद, बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोंस से हमला किया था। हालांकि ये मिसाइलें और ड्रोंस इस्राइल की हवाई सुरक्षा को नहीं भेद पाई थीं। वहीं, अब इस्राइल ने पलटवार किया है।

भारी बारिश से दुबई की सड़कों पर सैलाब, भारतीय दूतावास की सलाह- जरूरी न हो तो यात्रा करने से बचें

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में आए तूफान से रिकॉर्ड बारिश हुई। इससे यहां हालात बद से बदतर हो गए हैं। पूरे शहर में पानी भरा है। यातायात ठप हो गया और लोग अपने घरों में फंस गए। इतना ही नहीं, दुबई से दिल्ली आने-जाने वाली कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इस बीच, यूएई में भारत के वाणिज्य दूतावास ने दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले या वहां से जाने वाले भारतीय यात्रियों को सलाह दी कि जबतक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तबतक यात्रा करने से बचें। 24 घंटे काम कर रहे इस सप्ताह रिकॉर्ड बारिश के बाद दुबई और आसपास के इलाकों में बाढ़ आ गई थी। इससे यहां के लोग उबरने की कोशिश कर रहे हैं। दूतावास ने एडवायजरी में कहा कि अधिकारी परिचालन को सामान्य करने के लिए 24 घंटे काम कर रहे हैं। वहीं, हवाई अड्डे के अधिकारियों ने सलाह दी है कि यात्री उड़ानों के समय के बारे में संबंधित एयरलाइनों से पुष्टि होने के बाद ही हवाई अड्डे पर आएं। कई जगह पानी भर गया। दूतावास ने कहा, इस सप्ताह की शुरुआत में यूएई में भारी बारिश होने के कारण कई जगह पानी भर गया। हालातों को देखते हुए दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने अस्थायी रूप से आने वाली उड़ानों की संख्या को सीमित कर दिया। यात्रा से बचने की सलाह दी जाती उम्मीद की जा रही है कि दुनिया का सबसे व्यस्त दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 24 घंटे के भीतर सामान्य स्थिति में आ जाएगा। दूतावास ने एडवायजरी में कहा, दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले या जाने वाले भारतीय यात्रियों को यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है। गैर जरूरी यात्रा को फिर से निर्धारित करने की भी सलाह दी गई है।

70 साल पहले की यूएनएससी आज की सच्चाई को नहीं दर्शाती स्थायी सदस्यता की भारत की मांग के बीच यूएन का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। जहां भारत लंबे समय से तर्क दे रहा है कि सुरक्षा परिषद में बदलाव की जरूरत है। सन् 1945 से दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है, अब मौजूदा भू-राजनीति अलग है। वहीं, अब अमेरिका भी इस समर्थन में उतर आया है। उसका कहना है कि 70 साल पहले की यूएनएससी आज की सच्चाई को को नहीं दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा कि बाइडन प्रशासन जी-4 के सदस्यों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन करता है।

चीन और रूस सहमत नहीं

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने टोक्यो में एक भाषण में संकेत दिया कि सुरक्षा परिषद में केवल रूस और चीन ही हैं जो संयुक्त राष्ट्र के इस 15-सदस्यीय शक्तिशाली विंग के विस्तार का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले अमेरिका, चीन और रूस एक बात पर सहमत हुए थे और वह यह थी कि हम सुरक्षा परिषद में बदलाव नहीं देखना चाहते थे। लेकिन 2021 में इससे अमेरिका अलग हो गया और स्पष्ट कर दिया कि बदलाव जरूरी है।

उन्होंने कहा, 70 साल पहले की सुरक्षा परिषद आज की वास्तविकताओं को नहीं दिखाती है, जहां हमारे पास 193 सदस्य देश हैं, जहां अफ्रीका के पास स्थायी सीट नहीं है, लैटिन अमेरिका के पास स्थायी सीट नहीं है और दुनिया के अन्य देशों और अन्य क्षेत्रों का परिषद में महत्वपूर्ण तरीके से प्रतिनिधित्व नहीं है।

उन्होंने कहा, इसलिए हमने कथित जी4 के कुछ सदस्यों जापान, जर्मनी और भारत के साथ अपनी चर्चा में स्पष्ट कर दिया है कि हम सुरक्षा परिषद में उनके स्थायी सदस्य बनने का समर्थन करते हैं।

बहुत काम करने की आवश्यकता होगी

थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले साल अपने भाषण में इसे फिर से दोहराया, फिर से अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के लिए स्थायी सीटों और परिषद में अतिरिक्त निर्वाचित सीटों के लिए हमारे समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं कि यह सितंबर तक नहीं होगा। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे पूरा करना आसान हो। मुझे लगता है कि एक साल के दौरे के दौरान मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि इसके लिए बहुत काम करने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने आगे कहा, 193 सदस्यों के बीच इस बात पर कोई सहमति नहीं है कि यह कैसे काम कर सकता है, लेकिन इस बात पर सहमति है कि हमें बदलाव की आवश्यकता है और हमें यह पता लगाने के लिए मिलकर काम करना होगा कि यह बदलाव कैसे होगा और किस रूप में होगा। लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसके लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं, और हम इसे सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

जापान के सुरक्षा सलाहकार से भी मिलीं

उन्होंने कहा कि वह जापान के सुरक्षा सलाहकार ताकेओ अकीबा से भी मिलीं। इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में सहयोग मजबूत करने की योजना पर चर्चा की, जिसमें कोरिया गणराज्य के साथ त्रिपक्षीय सहयोग भी शामिल है। उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा अपने गैरकानूनी परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों के निरंतर विकास, उसके जारी मानवाधिकार उल्लंघनों और दुर्व्यवहारों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों के उल्लंघन में रूस के साथ बढ़ते सैन्य सहयोग के जवाब में घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

भारत का यह तर्क

गौरतलब है, भारत कई सालों से इस बात पर जोर दे रहा है कि संयुक्त राष्ट्र में बदलाव की जरूरत है। उसका कहना है कि वह संयुक्त राष्ट्र की महत्त्वपूर्ण संस्था में एक स्थायी सदस्य के तौर पर उचित स्थान का हकदार है क्योंकि यह अपने मौजूदा स्वरूप में 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता। वर्तमान में, यूएनएससी में पांच स्थायी सदस्य हैं - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। केवल एक स्थायी सदस्य के पास किसी भी मूल प्रस्ताव को वीटो करने की शक्ति है। पिछले महीने भारत ने जी4 देशों ब्राजील, जर्मनी, जापान और खुद की ओर से सुरक्षा परिषद सुधार के लिए एक विस्तृत मॉडल पेश किया था। जी4 मॉडल का प्रस्ताव है कि 6 स्थायी और चार या पांच गैर-स्थायी सदस्यों को जोड़कर सुरक्षा परिषद की सदस्यता को मौजूदा 15 से बढ़कर 25 किया जाए।

अब रूस ने 235 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध पूर्व पीएम एंड्रयूज का नाम भी शामिल

मॉस्को, 19 अप्रैल।
रूसी विदेश मंत्रालय ने 235 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के मॉस्को में अनिश्चितकाल के लिए प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। ये ऑस्ट्रेलियाई नागरिक नगरपालिका परिषदों के सदस्य हैं, जो यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा करने के लिए अपने देश में रूस विरोधी एजेंडे को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पश्चिम के अभियान के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा रूसी व्यक्तियों और कानूनी संस्थाओं पर राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रतिबंध लगाए गए।

इसके जवाब में उन 235 ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के रूस में अनिश्चितकाल के लिए प्रवेस पर रोक लगाने का फैसला लिया गया है, जो नगरपालिका परिषदों के सदस्य सक्रिय रूप से अपने देश में रूस विरोधी एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं।

इसके अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री डेनियल एंड्रयूज और विपक्षी नेता जॉन पेसुट्टो को भी रूस में प्रवेश से वंचित किया गया है। इसमें आगे कहा गया है कि कैनबरा अपनी रूस विरोधी स्थिति को छोड़ने का कोई संकेत नहीं दे रहा है और नए प्रतिबंधों को जारी रखा हुआ। इसलिए मंत्रालय ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों की सूची और अपडेट करेगा।

साल 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद से कई देशों ने रूस से आयात और निर्यात को रोक दिया और रूसी नागरिकों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक उनके देश ने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए रूस पर स्वायत्त प्रतिबंद लगाए। मंत्रालय ने ट्रैवल एडवाइजरी भी अपडेट की और अपने नागरिकों को मॉस्को की यात्रा न करने की सलाह दी।

अमेरिकी राजनयिक ने आम चुनाव को बताया लोकतंत्र का महाकुंभ, चुनावी प्रक्रिया के लिए भारतीयों को दी बधाई

न्यूयॉर्क, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल के अध्यक्ष अतुल कश्यप ने भारत में हो रहे लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भारत के लोगों को बधाई देते हुए देश के राष्ट्रीय चुनाव को लोकतंत्र का महाकुंभ मेला बताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के साथ एक पोस्ट भी लिखा। अतुल कश्यप ने अपने पोस्ट में कहा, भारत के महान लोगों को हार्दिक बधाई। पहले चरण के मतदान के साथ मानव जाति के इतिहास में सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया की शुरुआत हुई है। 940 मिलियन मतदाताओं और 1.2 मिलियन मतदान केंद्र के साथ भारत का राष्ट्रीय चुनाव लोकतंत्र का महाकुंभ है। दूसरा सबसे बड़ा मतदान अभ्यास बता दें कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण की शुरुआत हो चुकी है। पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 102 सीटों पर हुआ। एक जून तक होने वाला यह लोकसभा चुनाव देश के पहले आम चुनाव के बाद दूसरा सबसे लंबा मतदान अभ्यास है। देश का पहला मतदान सितंबर 1951 से लेकर फरवरी 1952 यानी की पांच महीनों के लिए आयोजित किया गया था। 2019 लोकसभा चुनाव भी सात चरणों में ही आयोजित किए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस लोकसभा चुनाव में फिर से एक बार जीत हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने 400 से भी ज्यादा सीटें जीतने का दावा किया है। देशभर में पहले चरण में मतदान करने वाले राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू और कश्मीर, लक्षद्वीप, और पुडुचेरी का नाम शामिल है। लोकसभा चुनाव 2024 का दूसरा चरण 24 अप्रैल को होगा और बाकी के चरण 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे।

ब्रिटेन में बीमारी की वजह से छुट्टी लेने वालों की बढ़ी संख्या पीएम सुनक ने की नियमों को सख्त करने की तैयारी

लंदन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।
ब्रिटेन में लोग लंबे समय तक सिक लीव पर रहते हैं, जिसके कारण काम प्रभावित हो रहा है। ऐसे में अब प्रधानमंत्री ऋषि सुनक लंबे समय वाली सिक लीव के नियमों को कड़ा करने पर विचार करेंगे। सुनक इसलिए यह कदम उठाएंगे ताकि स्थायी रूप से कार्यबल से बाहर हो जाने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि को रोका जा सके।

श्रम शक्ति में भागीदारी 2015 के बाद से सबसे कम

लंबी अवधि की बीमारी में वृद्धि और छात्रों की अधिक संख्या के कारण श्रम शक्ति में भागीदारी 2015 के बाद से सबसे कम है, अन्य बड़े समृद्ध देशों के विपरीत जहां 2020 के बाद से भागीदारी में वृद्धि देखी गई है। काम नहीं करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या सुनक ने शुक्रवार को कहा कि मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण काम नहीं करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या एक चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि हमें लोगों को काम पर

वापस लाने में मदद करने के बारे में अधिक महत्वाकांक्षी होने की आवश्यकता है और जीवन की रोजमर्रा की चुनौतियों को अधिक चिकित्सा के जोखिम के बारे में और अधिक ईमानदार होने की जरूरत है।

206,000 अस्थायी रूप से बीमार

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 16 से 64 वर्ष की आयु के लगभग 9.4 मिलियन लोग यानी 22 फीसदी न तो काम कर रहे हैं और न ही बेरोजगार हैं, जो महामारी से ठीक पहले 8.55 मिलियन थे। उनमें से, 2.8 मिलियन लंबे समय से बीमार हैं और 206,000 अस्थायी रूप से बीमार हैं। पिछले साल ब्रिटेन के बजट प्रहरी ने कहा था कि लंबे समय तक बीमारी के कारण काम से दूर रहने वाले एक चौथाई लोग चिकित्सा उपचार की प्रतीक्षा कर रहे थे, हालांकि यह भी कहा गया था कि प्रतीक्षा सूची को 2015 तक हटा भी दिया जाए तो 25,000 लोग ही काम पर वापस आ सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, लंबे समय तक बीमार लोगों में से आधे से अधिक ने अवसाद, खराब नसों या चिंता से पीड़ित होने की जानकारी दी, हालांकि कई लोगों ने कहा कि यह उनकी मुख्य स्वास्थ्य समस्या के साथ एक माध्यमिक स्थिति थी। सुनक के कार्यालय ने कहा कि डॉक्टर काम पर लौटने की बजाय सिक लीव लेने की सलाह दे रहे हैं। सुनक ने कहा, इसलिए हमें यह रवैया बदलने की जरूरत है, ताकी लोगों को काम पर वापस लाया जा सके। हमें यह देखना होगा की जो शख्स छुट्टी ले रहा है वो क्या काम कर सकता है, उससे उसी अनुसार काम कराया जाए।

ईरान की वायु-रक्षा प्रणाली ने मार गिराई इस्राइली मिसाइलें, ड्रोंस भी किए तबाह

तेहरान, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।
बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर मिसाइलों और ड्रोंस से हमला किया था। अब खबर आई है कि इस्राइल ने भी पलटवार किया है और ईरान पर मिसाइलों से हमला किया है। वहीं, ईरान ने हमलों की खबर के बीच अपनी वायु-रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया।

अबतक क्या कुछ हुआ है-

- ईरान ने हाल ही में इस्राइल पर हमला किया था। अब इस्राइल ने इसका जवाब दिया है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, इस्राइल ने ईरान के खिलाफ जवाबी हमला किया है।
- इस्राइल के हमले के बाद ईरान ने अपनी वायु-रक्षा प्रणाली को कई शहरों में सक्रिय कर दिया है। राज्य मीडिया ने दावा किया है कि ईरान के शहर इस्फहान के एयरपोर्ट में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।
- ईरान के कई परमाणु ठिकाने इसाफान प्रांत में ही स्थित हैं, जिनमें ईरान में यूरेनियम संवर्धन का प्रमुख केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के हवाई क्षेत्र में कई फ्लाइट्स के मार्ग बदले गए हैं।
- कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मिसाइलें दागी गई थीं। जबकि ईरान का कहना है कि उन्होंने कई ड्रोंस को मार गिराया, लेकिन फिलहाल कोई मिसाइल हमला नहीं हुआ है।
- ईरान की अंतरिक्ष एजेंसी के प्रवक्ता हुसैन डालिरियन ने एक्स पर कहा, देश की वायु रक्षा द्वारा कई ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया गया है, अब तक मिसाइल हमले की कोई रिपोर्ट नहीं है।
- ईरान में विस्फोटों की खबरों के बाद इस्राइली सेना ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।
- यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन डेटाबेस पर पोस्ट किए गए एयरमैन को दिए गए नोटिस के अनुसार, तेहरान के इमाम खुमैनी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को सभी उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया है।
- ट्रैकिंग वेबसाइट पर दिखाए गई उड़ान यात्रा के अनुसार, शुक्रवार तड़के ईरान के ऊपर से उड़ान भरने वाली कुछ अमीरात और फ्लाईदुबई उड़ानें हवाई क्षेत्र से अचानक डायवर्ट हो गईं।
- बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोन्स से हमला किया था। हालांकि ये मिसाइलें और ड्रोंस इस्राइल की हवाई सुरक्षा को नहीं भेद पाई थीं।
- दरअसल, ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर्स समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने इस हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया था। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर इस्राइल ने उन पर हमला किया तो वे और ताकत के साथ पलटवार करेंगे।

पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका

ईरान और इस्राइल के बीच तनाव का यह मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उठा था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में इस्राइल ने मांग की थी ईरान की सेना को आतंकी संगठन घोषित किया जाए। वहीं ईरान ने इस्राइल को चेताया था कि अगर उसने ईरान पर हमले की कोशिश की तो उसके नतीजे गंभीर होंगे। ईरान ने अमेरिका से भी दोनों देशों के बीच न आने की चेतावनी दी थी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने दोनों देशों से अपील की थी कि वे शांति से मामला निपटाएं क्योंकि पश्चिम एशिया एक और युद्ध झेलने की स्थिति में नहीं है। कई विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अब इस्राइल हमास युद्ध के बाद इस्राइल ईरान तनाव से पूरे अरब क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।

चैत्र पूर्णिमा 23 को, जान लें इसके नियम पूरे साल रहेगी भगवान विष्णु की कृपा

चैत्र पूर्णिमा का हिंदुओं में बड़ा धार्मिक महत्व है। यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग इस शुभ समय पर भगवान विष्णु और चंद्रमा की पूजा करते हैं उन्हें मनचाही इच्छाओं का वरदान मिलता है। इसे चैती पूनम के नाम से भी जाना जाता है और इस साल यह 23 अप्रैल, 2024 को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है जो भक्त लंबे समय से किसी समस्या से जूझ रहे हैं उन्हें इस दिन का उपवास अवश्य करना चाहिए। साथ ही इस दिन के नियमों का पालन करना चाहिए, तो आइए जानते हैं –

कब है चैत्र पूर्णिमा ?

इस साल चैत्र मास की पूर्णिमा 23 अप्रैल सुबह 03 बजकर 25 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 24 अप्रैल सुबह 05 बजकर 18 मिनट पर होगा। उदयातिथि को देखते हुए चैत्र पूर्णिमा का व्रत 23 अप्रैल को रखा जाएगा। ऐसे में अगर आप किसी भी प्रकार की विशेष पूजा करना चाहते हैं, तो 23 अप्रैल को ही करें।

चैत्र पूर्णिमा पर करें ये काम

- भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करें।
- इस दिन भगवान शिव की पूजा करना भी शुभ माना जाता है।
- इस तिथि पर चंद्र मंत्र जाप करने से मानसिक तनाव दूर करने में मदद मिलती है।
- इस दिन खीर बनाकर चंद्रमा के नीचे रखकर खाना चाहिए।
- इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।
- इस दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान करना अत्यधिक शुभ माना जाता है।
- इस दिन ज्यादा से ज्यादा पूजा-पाठ पर जोर देना चाहिए।
- इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य अवश्य देना चाहिए।

चैत्र पूर्णिमा पर न करें ये काम

- पूर्णिमा के इस शुभ दिन पर भूलकर भी तामसिक भोजन न खाएं।
- इस शुभ दिन पर शराब का सेवन करने से बचें।
- इस दिन अपने बाल और नाखून न काटें।
- पूर्णिमा के दिन अपने जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद करने से बचें।
- इस दिन जुए में शामिल होना अशुभ माना जाता है।
- इस दिन मां का अपमान करने से जीवन में अशुभता आती है।

रवि प्रदोष व्रत पर जरूर करें इन मंत्रों का जाप

बनेगा हर बिगड़ा काम

हर माह में प्रदोष काल में पड़ने वाली त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत किया जाता है। इस तिथि को शिव जी की पूजा-अर्चना के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि प्रदोष व्रत के दिन प्रदोष काल में शिव जी की पूजा करने से साधक को सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में आप महादेव की विशेष कृपा के लिए प्रदोष व्रत पर आप इन मंत्रों का जाप कर सकते हैं।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 20 अप्रैल को रात्रि 10 बजकर 41 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं, त्रयोदशी तिथि का समापन 22 अप्रैल को रात्रि 01 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में चैत्र माह का दूसरा प्रदोष व्रत 21 अप्रैल, रविवार के दिन किया जाएगा। इस दौरान पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 06 बजकर 51 से 09 बजकर 02 मिनट तक रहने वाला है। यह व्रत रवि प्रदोष व्रत कहलाने वाला है, क्योंकि इसे रविवार के दिन किया जाएगा।

प्रदोष व्रत मंत्र

महामृत्युंजय मंत्र
ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

शिव गायत्री मंत्र

ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि, तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।

शिव स्तुति मंत्र

दः स्वप्नदुः शकुन दुर्गतिदौर्मनस्य, दुर्भिक्षदुर्व्यसन दुस्सहदुर्यशांसि।
उत्पाततापविषभीतिमसद्ग्रहार्ति, व्याधीश्चनाशयतुमे जगतातमीशः।।

शिव आरोग्य मंत्र

माम् भयात् सवतो रक्ष श्रियम् सर्वदा।
आरोग्य देही में देव देव, देव नमोस्तुते।।
ओम त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।
इस मंत्र के जाप से व्यक्ति को आरोग्य का आशीर्वाद मिलता है।

शीघ्र विवाह के लिए मंत्र

ह्रीं गौर्य नमः
है गौरि शंकरार्धांगि यथा त्वं शंकर प्रिया।
तथा मां कुरू कल्याणि कान्तकान्तां सुदुर्लभाम्।।
हे गौरी शंकरार्धांगी। यथा त्वं शंकर प्रिया।
तथा मां कुरु कल्याणी, कान्त कान्तां सुदुर्लभाम्।।

सौभाग्य, धन, संपदा और सकारात्मकता पाना है आसान

हर रात सोते समय सिरहाने रखें यह चीजें, खुद देखें चमत्कार

हमारे घर में मसाले और खाने में इस्तेमाल की जाने वाली कई ऐसी चीजें हैं जिनका उपयोग ज्योतिष शास्त्र में कई तरह की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है। यह उपाय आपको सुख-समृद्ध, धन-संपदा और सकारात्मक प्रदान करते हैं। साथ ही इनका आपके जीवन पर लंबे समय तक प्रभाव बना रहता है। इसके लिए आप रोज रात को सोने से पहले अपने सिरहाने पांच चीजों को रखना ना भूलें वह कौन सी पांच चीजें हैं :...

पांच चीजों को रखें सिरहाने

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जो व्यक्ति नियमित रूप से सोते समय अपने सिरहाने हरी इलायची रखता है, उसका भाग्य उदय होता है और उसे अपने भाग्य का पूरा साथ मिलता है।

लहसुन की काली

अगर आप हर दिन रात में सोने के पहले अपने तकिए के नीचे लहसुन की कली रखकर सोते है तो आपके पास नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती है साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है।

तुलसी की पत्ती

जो व्यक्ति सोते समय अपने सिरहाने तुलसी की पत्ती रखकर सोते हैं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार उनके आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है।

हल्दी की गांठ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर आप प्रतिदिन सोते समय अपने सिरहाने हल्दी की गांठ रखते हैं तो इससे आपकी नौकरी में तरक्की होती है और आपको धन संपदा की प्राप्ति होती है।

1 का सिक्का

जो व्यक्ति हर दिन अपने सिरहाने सोने से पहले एक रुपए का सिक्का रखता है उसके जीवन में कभी आर्थिक तंगी नहीं आती। उसे कर्ज से छुटकारा मिलता है साथ ही उसके धन आगमन के स्रोत बढ़ते हैं।

बेहद रहस्यमय है बटेश्वर धाम मंदिर, यहां उल्टी धारा में बहती है यमुना नदी

सनातन परंपरा में देवों के देव कहलाने वाले भगवान शिव की पूजा बड़ी ही शुभ मानी गई है। ऐसा कहा जाता है शिव जी को प्रसन्न करना बेहद आसान है, उन्हें ज्यादा कुछ अर्पण करने की जरूरत नहीं पड़ती है। इसलिए ही उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। भोले बाबा के प्रति लोगों की आस्था यूं ही नहीं है। उनके चमत्कार व शक्तियों का प्रभाव हर शहर और नदी के तट पर देखने को मिल जाता है। ऐसे में आज हम एक ऐसे चमत्कारी मंदिर की बात करेंगे, जिसको लेकर मान्यताएं दूर-दूर तक फैली हुई हैं।

कहां स्थित है बटेश्वर धाम?

प्रसिद्ध बटेश्वर धाम आगरा से 80 किमी दूर यमुना नदी के तट पर स्थित है। इसका नाम यमुना पर बने 101 शिव मंदिरों में भी शुमार है। इस पवित्र धाम में भक्त काफी दूर-दूर से दर्शन करने के लिए आते हैं। यहां पर लोग घंटा चढ़ाकर अपनी मन्नते मांगते हैं। ऐसा कहा जाता है कि यहां पर मांगी गई मुराद कभी अधूरी नहीं रहती है। यही कारण है कि इस धाम को लेकर मान्यताएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं।

उल्टी दिशा में बहती है यमुना नदी

यहां यमुना नदी पश्चिम से पूरब दिशा की ओर बहती है, लेकिन इस पवित्र धाम में यह पूरब से पश्चिम दिशा की ओर बहती हुई बटेश्वर का चक्कर लगाती है। यह आकृति अर्धचंद्राकार का रूप लेती हुई बह रही है। जानकारी के लिए बता दें कि भगवान शिव और माता पार्वती यहां सेठ-सेठानी की मुद्रा में विराजमान हैं। साथ ही यह भोलेनाथ की विश्व में इकलौती मूर्ति है, जिसका निर्माण राजा बदन सिंह भदौरिया ने करवाया था।

जानिए सबसे पहले किसने प्राप्त किया था बाबा बर्फानी के दर्शन का सौभाग्य?

हिंदू धर्म में अमरनाथ यात्रा को बेहद ही पुण्यकारी माना गया है। शिव भक्त इस यात्रा का पूरे साल बड़े ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। ऐसे में जल्द ही शिवभक्त बाबा बर्फानी के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त कर सकेंगे। 29 जून से अमरनाथ की यात्रा शुरू हो रही है, जिसका समापन 19 अगस्त यानी रक्षाबंधन पर होगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि अमरनाथ की गुफा में बर्फ के शिवलिंग के दर्शन का सौभाग्य सर्वप्रथम किसने प्राप्त किया था।

अमरनाथ यात्रा का महत्व

हिंदू शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि, इसी स्थान पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था। माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से बाबा अमरनाथ के दर्शन करता है, उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और अंत में वह मोक्ष का भागी बनता है। साथ ही इस यह भी मान्यता है कि पवित्र धाम की यात्रा से 23 तीर्थों के दर्शन करने के बराबर पुण्य मिलता है। इस गुफा की एक और खास बात यह है कि यहां पर अमरनाथ शिवलिंग की ऊंचाई चंद्रमा के चरणों के आधार पर घटती-बढ़ती रहती है।

इन्होंने किए थे पहले दर्शन

पौराणिक कथा के अनुसार, सर्वप्रथम अमरनाथ गुफा के दर्शन महर्षि भृगु द्वारा किए गए थे। जिसके पीछे यह कथा मिलती है कि एक बार कश्मीर घाटी पूरी तरह से पानी में डूब गई। तब महर्षि कश्यप ने नदियों और नालों के माध्यम से पानी को बाहर निकाला। जिस दौरान घाटी में पानी बाहर निकाला जा रहा था, उसी दौरान महर्षि भृगु तपस्या के लिए एकांतवास की खोज कर रहे थे। खोज करते-करते वह अमरनाथ गुफा में पहुंच गए, जहां उन्हें बाबा अमरनाथ के दर्शन हुए।

अन्य कथा

अन्य कथा के अनुसार, अमरनाथ गुफा के दर्शन सबसे पहले बूटा मलिक नाम के चरवाहे ने किए थे। माना जाता है कि 15वीं शताब्दी में बूटा मलिक को एक संत ने कोयले से भरा एक थैला दिया। जब वह चरवाहा थैले को वापिस लौटाने गया, तो उसमें कोयले की जगह सोने के सिक्के निकले। यह देखकर वह चकित रह गया। बूटा मलिक संत को धन्यवाद करने के लिए जब उसी स्थान पर पहुंचा, जहां उन्हें वह थैला मिला था, तो उसे वहां कोई संत नहीं मिला। बल्कि उस जगह पर एक गुफा मिली, जिसमें बर्फ के शिवलिंग विराजमान थे। कहते हैं कि तभी से अमरनाथ की यात्रा शुरू हुई।

भगवान को प्रसाद चढ़ाने के बाद उसका क्या करना चाहिए? जानिए सारी जानकारी

हिंदू धर्म में ईश्वर का आभार प्रकट करने के लिए पूजा-पाठ को एक अच्छा माध्यम माना जाता है। सनातन धर्म में माना गया है कि नियमित रूप से पूजा-पाठ करने से ईश्वर की कृपा से घर-परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है। ऐसे में भगवान को भोग लगाते समय भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि पूजा-पाठ का आपको शुभ परिणाम मिल सके।

कितने समय के लिए लगाएं भोग

ध्यान रखें कि न तो भोग को तुरंत हटाएं और न ही ज्यादा देर तक मंदिर में रखे रहने दें। पूजा के बाद आप 5 मिनट के लिए भोग को भगवान के पास रखें और इसके बाद इसे हटा लें। माना जाता है कि यदि आप भोग लगाने के थोड़ी देर बाद उसे मंदिर से नहीं हटाते, तो इससे नकारात्मकता व्याप्त हो सकती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ज्यादा देर तक भोग को रखे रहने से उसमें विश्वकसेन, चंडेश्वर, चन्डान्शु और चांडाली नामक बुरी शक्तियां आ जाती हैं।

भोग का क्या करें

भोग लगने के बाद प्रसाद को जितने लोगों में संभव हो उतने लोगों में बांटना चाहिए और खुद भी ग्रहण करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को इसका पूर्ण फल प्राप्त होता है। इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि भोग हमेशा सात्विक और स्वच्छ तरीके से बना हुआ होना चाहिए। वहीं, अगर आप देवी-देवताओं को उनका प्रिय भोग अर्पित करते हैं, तो इससे आपकी मनोकामना जल्द पूर्ण होती है।

कैसे बर्तन में चढ़ाएं भोग

नैवेद्य या भोग को हमेशा सोने, चांदी, तांबे, लड़की या फिर मिट्टी से बने पत्र में रखकर चढ़ाया जाना चाहिए। लेकिन एल्यूमिनियम, लोहे, स्टील या प्लास्टिक से बने बर्तन में भोग लगाना शुभ नहीं माना जाता।

इस मंत्र का करें जाप

त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।।

भोग लगाते समय इस मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से भगवान भोग को जल्द स्वीकार करते हैं।

कनेर के पौधे को घर में लगाने के हैं कई फायदे

इस दिशा में लगाने से पूरी जिंदगी बदल देगा

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में कई पेड़-पौधों का उल्लेख है। जिन्हें घर में लगाना अनुकूल माना जाता है। कुछ पौधों को घर में लगाना चाहिए। क्या कनेर का पौधा घर के लिए शुभ है। क्या कनेर के पौधे को किस दिशा में लगाना चाहिए। इन सभी सवालों के जवाब ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से जानते हैं। कनेर के पौधे का संबंध देवी लक्ष्मी से माना जाता है। कनेर के पौधे को घर में लगाने से धन की देवी का वास स्थापित होता है। घर में मौजूद नकारात्मक शक्ति और बाधा दूर हो जाती है।

कनेर के पौधे को घर में लगाने से शुभता बढ़ती है। धन लाभ के योग बनते हैं। अटका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाता है। घर में सकारात्मता बढ़ती है। वास्तु दोष भी दूर होने लगता है।

कनेर के पौधे को घर में लगाने से सुख, समृद्धि और संपन्नता का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सफेद और पीले रंग के कनेर का फूल घर में लगाना चाहिए। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। घर में लाल रंग के कनेर फूल वाले पौधा नहीं लगाना चाहिए। लाल रंग का कनेर अशुभ होता है। सफेद और पीले रंग के पौधे को घर में पश्चिम या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए।

कपूर स्टारर उलझ का टीजर हुआ आउट एक्शन अवतार में दिखीं अभिनेत्री

जाह्नवी कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक फिल्म उलझ की पहली झलक देखने का फैंस को मौका मिल गया है। मेकर्स ने आज फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। टीजर देखकर लगता है कि सरिया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी कपूर एक आईएफएस ऑफिसर का किरदार निभाने वाली हैं।पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म उलझ के टीजर की बात करें तो इसकी शुरुआत सुहाना उर्फ जाह्नवी की जॉगिंग से होती है। जाह्नवी विदेशी ऑफिसर्स के साथ बातचीत करती हैं। इस दौरान एक वॉयस सुनाई देता है- सुहाना, क्या तुम सच में सोचती हो कि तुमने जो कुछ भी किया वह तुम्हारे देश के लिए था धोखा, वफा तो महज शब्द हैं जिनमें हम जैसे लोग फंस जाते हैं। ये राष्ट्र, सीमाएं तो रेत पर खींची गई लाईनें हैं।वे किसी लायक नहीं हैं।उलझ टीजर जाह्नवी कपूर के वॉयसओवर के साथ होता है। जाह्नवी कहती हैं- गद्दारी की कीमत सिर्फ जान से चुकाई जा सकती है, या तो देकर या लेकर। टीजर में जाह्नवी कपूर को जा-सूसी करते देखा जा सकता है जो अलग-अलग फाइलें खंगालती नजर आती हैं। इसके साथ-साथ वे एक्शन में भी दिखाई देती हैं।उलझ में जाह्नवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू भी अहम किरदार में हैं। वहीं टीजर में अली खान भी दिखाई दिए हैं। इसके अलावा आदिल हुसैन, राजेश तैलंग, मियांग चांग, राजेंद्र गुप्ता और जीतेंद्र जोशी ने भी फिल्म का हिस्सा हैं। उलझ सुधांशु और परवेज शेख ने लिखा है। जाह्नवी कपूर की ये फिल्म 5 जुलाई 2024 को थिएटर्स में रिलीज होगी।जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे जूनियर एनटीआर स्टारर देवारा: पार्ट 1 में भी दिखाई देंगी। यह उनकी पहली डेब्यू तेलुगु फिल्म है। इसके अलावा उनकी फिल्म एंड मिसेज माही भी 31 मई, 2024 को थिएटर्स में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस फिल्म में वे राजकुमार राव के साथ दिखाई देंगी। वहीं उनके पास रामचरण के साथ दूसरी तेलुगु फिल्म आरसी16 भी पाइपलाइन में है।

जब किराए के मकान में रहते थे शाहरुख खान और गौरी

फिल्म देखने जाते थे चंकी पांडे के घर

हाल में चंकी पांडे ने सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। एक्टर ने हाल ही में टाइम आउट विद अंकित में दिखाई दिए और मुंबई में शाहरुख के शुरुआती दिनों के बारे में बात की। अपनी बातचीत के दौरान चंकी पांडे ने खुलासा किया कि एक समय था जब शाहरुख खान अपनी पत्नी इंटीरियर डिजाइनर गौरी खान के साथ किराए के घर में रहते थे। चंकी ने कहा, मुझे लगता है कि जब वह बॉम्बे आए तो उनके पहले दोस्तों में से एक मेरा छोटा भाई चिक्की था। वे अब भी सबसे अच्छे दोस्त हैं। तो उस समय वे (शाहरुख खान और गौरी खान) एक जगह किराए पर ले रहे थे और वे मेरे भाई से मिलने आते थे। सब बैठ के वीडियो कैसेट देखते थे। इसलिए वह और गौरी अक्सर मेरे घर आते थे।

चंकी पांडे ने कहा कि उन्हें हमेशा यकीन था कि शाहरुख खान सुपरस्टार बनेंगे। उन्होंने कहा, 'शाहरुख के साथ मुझे पूरा यकीन था कि यह लड़का सुपरस्टार बनेगा। क्योंकि उसमें वह बात थी आप वह आग देख सकते हैं।।। वह हमेशा उसमें थी। सुपरस्टार बनने से पहले वह टैलेंट हमेशा उनके साथ था। इसलिए वह जानता था कि वह कहां जा रहा है। मेरा मतलब है हां निश्चित रूप से मुझे बहुत गर्व है कि मैं उसे तब से जानता हूं। वह नहीं बदला है।

इससे पहले चंकी पांडे की बेटी एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने खुलासा किया था कि उन्होंने बचपन में शाहरुख खान के घर पर काफी वक्त बिताया था। नो फिल्टर नेहा के साथ एक इंटरव्यू में अनन्या जो शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की सबसे अच्छी दोस्त हैं ने सुपरस्टार के घर पर खेलने के लिए जाने के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि वह सरल से इंसान हैं।।।हमें ऐसा महसूस नहीं हुआ। उन्होंने हमें ऐसा महसूस नहीं कराया। मुझे नहीं लगता कि वह किसी को ऐसा महसूस कराते हैं। वह सामने वाले को बादशाह जैसा महसूस कराते हैं। उनमें यह कमाल की खासियत है।

उन्होंने कहा, शाहरुख सर बहुत ही अलग तरह के इंसान हैं। जैसे जब केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) ने अपना पहला आईपीएल जीता था और उन्होंने कहा था, 'यह आप तीनों की वजह से है, आप मेरे लिए लकी चार्म हैं, आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे।' वे हमेशा हमे स्पेशल ट्रीट करवाते थे। लेकिन शायद जब हम छोटे थे तो हमें इस बात का अहसास तक नहीं था।

इस बीच बीएफएफ सुहाना खान और अनन्या पांडे ने रविवार को ईडन गार्डन्स में एसआरके के कोलकाता नाइट राइडर्स का मैच देखने पहुंची थीं। श्रेयस अय्यर की कैप्टन्सी में टीम का मुकाबला लखनऊ सुपर जाइंट्स से था। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान आखिरी बार राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी में नजर आए थे।

अपकमिंग शो मैं हूं साथ तेरे में नेगेटिव किरदार निभाती नजर आएंगी एक्ट्रेस मानसी श्रीवास्तव

अपकमिंग शो मैं हूं साथ तेरे में रैना नकारात्मक भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस मानसी श्रीवास्तव ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की।यह शो आपको एक अकेली मां जानवी (उल्का गुप्ता) की यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है, जिसमें एक माता-पिता की भूमिका निभाते समय एक मां को निरंतर सामाजिक जांच और कई चुनौतियों सामना करना पड़ता है।जानवी अपने बेटे कियान के साथ रहती है, जो उसकी दुनिया है, लेकिन उनके मजबूत बंधन के बावजूद कियान को घर में एक आदमी की मौजूदगी की कमी का अनुभव होता है।कहानी तब और गहरी हो जाती है जब जानवी की मुलाकात एक अमीर व्यापारी आर्यमान वोहरा) से होती है और दोनों एक ही छत के नीचे काम करने लगते हैं।शो में मानसी आर्यमन की बहन रैना का किरदार निभाती नजर आएंगी। हालांकि वह बुंदेला परिवार की सबसे छोटी बेटी है, लेकिन बहुत महत्वाकांक्षी है और अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करती लेकिन वह आर्यमान को पसंद नहीं करती, और वह नहीं चाहती कि बुंदेला की संपत्ति में उसका कोई हिस्सेदार हो क्योंकि वह उसके पिता की दूसरी शादी से हुआ बेटा है।शो में उनका किरदार आर्यमन के जीवन में बहुत सारे संघर्ष और जटिलताएं लेकर आएगा।उसी के बारे में बात हुए मानसी ने कहा, मेरा किरदार रैना, अपनी दुष्टता से दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा। सीधे, रेशमी बाल और डिजाइनर साड़ियों के साथ उसका लुक जबरदस्त है। वह बहुत ही बेहतर अभिनय करती है। उसे लगता है कि आर्यमान उसका सौतेला भाई है और वह विरासत का नहीं है।उन्होंने कहा, मैंने शो की शूटिंग शुरू कर दी है। मैं शो में अपने किरदार पर दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूं। इसमें मेरा किरदार बेहद दुष्ट है वह अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।मैं हूं साथ तेरे अप्रैल को शाम 07:30 बजे जी टीवी पर प्रसारित होगा।

मलाइका अरोड़ा ने कट-आउट ड्रेस में दिए किलर पोज

बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। अदाकारा मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर कीं। जिसमें अदाकारा व्हाइट कट-आउट गाउन में किलर खिंचवाती दिखी हैं। अदाकारा मलाइका अरोड़ा की सामने आईं ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही छा गईं। जिसके बाद लोगों ने अदाकारा की इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स किए हैं। जिसके बाद ये तस्वीरें फैंस के बीच चर्चा में आ गईं।अदाकारा मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में कट आउट में बोल्ड तस्वीरें क्लिक करवाती दिखी हैं। अदाकारा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ये तस्वीरें फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर कीं।अदाकारा मलाइका अरोड़ा इस दौरान बेहद अजब गजब पोज क्लिक करवाती दिखीं। जिसे देख लोग भी हैरान हो गए। अदाकारा के पोज काफी अलग और हटके थे।अदाकारा मलाइका के डाई हार्ड फैंस उनकी इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स करते दिख रहे हैं। अदाकारा की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम की दुनिया में आग की तरह फैलीं।मलाइका अरोड़ा के फैंस उनकी इन तस्वीरों पर कमेंट कर उन्हें परम सुंदरी का टैग देने लगे हैं। अदाकारा की इन तस्वीरों ने इंस्टाग्राम दुनिया में आते ही खलबली मचा दी है। हालांकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अक्सर ही मलाइका अरोड़ा को ट्रोल करते रहते हैं। मलाइका अरोड़ा की इन तस्वीरों को देख ट्रोल्स ने उनकी तुलना उर्फी जावेद से कर दी है।

द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का पहला गाना पोड्डु रिलीज

फैंस पर चला विजय की आवाज के साथ मूव्स का जादू

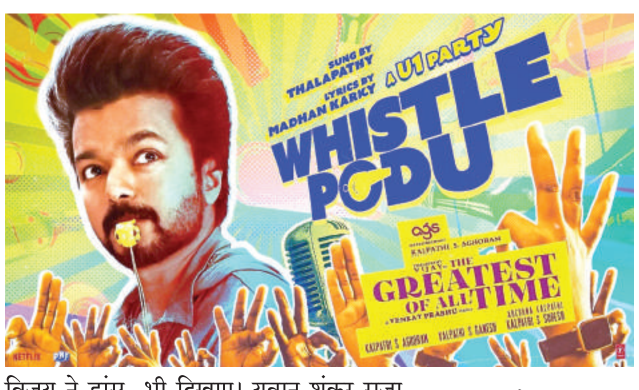

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म गोट: ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म का क्रेज दर्शकों के अभी से छाया हुआ है। बीते दिन निर्माताओं ने पोस्टर जारी करते हुए जानकारी दी थी कि गोट: ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का पहला गाना जल्द ही रिलीज होने वाला है। वहीं आखिरकार अब इंतजार खत्म हो चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना रिलीज कर दिया है, शीर्षक है व्हिसल पोड्डु।अभिनेता विजय की गोट के निर्माताओं ने तमिल नव वर्ष की पूर्व संध्या पर पहला गाना व्हिसल पोड्डु जारी कर दिया है। यह एक पार्टी गीत है, जिसे विजय ने स्वयं गाया है। और अभिनेता ने प्रभावशाली काम किया है। संगीत वीडियो में विजय ने डांस भी दिखाए। युवान शंकर राजा ने गाने में संगीत दिया है। गाने का आखिरी मिनट काफी अच्छा है, जिसमें विजय, प्रशांत, प्रभुदेवा और अजमल अमीर के डांस मूव्स देखने को मिले। आरआरआर और बाहुबली के लेखक मदन कार्की ने इस फुट-टैपिंग डांस नंबर के लिए गीत लिखे हैं।प्रोडक्शन कंपनी प्रोडक्शन ने गाने को अपनी आधिकारिक एक्स साइट पर साझा किया और लिखा और लिखा, हियर वी गो, व्हिसल पोड्डू।।।गोट फर्स्ट सिंगल। विजय सर का स्वर है। पार्टी डांस सॉन्ग दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। इसका म्यूजिक लोगों को अपने पैर पर थिरकने के लिए मजबूर कर वीडियो में विजय, प्रशांत, प्रभुदेवा और अजमल अमीर का धमाकेदार डांस फैंस का उत्साह बढ़ा रहा है।कहा जा रहा है कि गोट के एल्बम में सभी प्रमुख पात्रों के लिए कई लघु थीम गीतों के साथ चार गाने शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, युवान ने विजय की भूमिका के एक सिग्नेचर थीम सॉन्ग बनाया है, जो प्रतिष्ठित मनकथा थीम की तर्ज पर है। यह फिल्म वेंकट प्रभु द्वारा लिखित और निर्देशित है।इस फिल्म के जरिए वेंकट प्रभु और विजय पहली बार साथ काम कर रहे हैं। गोट विजय की 68वीं फिल्म है। इसे एजीएस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन बैनर द्वारा किया गया है। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन-आधारित विज्ञान-फाई फिल्म होगी। इस फिल्म में विजय के अलावा माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है। फिल्म में वेंकट प्रभु के भाई प्रेमगी, वैभव, अरविंद और अजय राज जैसे उनके निरंतर सहयोगी भी हैं। यह फिल्म पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

रचनात्मक शौक़ आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी। आज आप इश्क़ की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी।

कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख–दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने–संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी–मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद–विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 20 अप्रैल 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 10:44 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 02:05 तक
योग : ध्रुव रात्रि 02:46 तक
करण : बव प्रातः 09:26 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 08:51 तक
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बहन को बस में बैठाने बाइक पर जा रहा था युवक

तेज रफ्तार पिकअप ने सामने से टक्कर मारी, दोनों की मौत

पाली,19 अप्रैल (एजेंसियां)। पाली में आज दोपहर एक पिकअप ने बहन को बस में बैठाने जा रहे बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दी। दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि विवाहिता गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका बांगड़ अस्पताल में उपचार चल रहा है। यह हादसा आज दोपहर उस वक्त हुआ जब उंमकली गांव निवासी पंकज पुत्र महेंद्र अपनी बहन डिंपल को ससुराल छोड़ने के लिए बाइक से अपने दोस्त कैलाश के साथ पाली आ रहा था ताकि बहन को बस में बैठाकर वापस लौट सके। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रही एक पिकअप ने बाइक को भावरी के निकट अपनी चपेट में ले लिया।

दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से तीनों को पाली के बांगड़ अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद कैलाश और पंकज को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल डिंपल का उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर जैतपुर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया।

हिंदुस्तान जिंक बनी विश्व की तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक

746 मीट्रिक टन का रिकॉर्ड उत्पादन

उदयपुर,19 अप्रैल (एजेंसियां)। रिकॉर्ड 746 मीट्रिक टन चांदी का उत्पादन कर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड विश्व की तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक कंपनी बन गई है। द सिल्वर इंस्टीट्यूट यूएसए द्वारा आयोजित वर्ल्ड सिल्वर सर्वे 2024 के तहत हिंदुस्तान जिंक की सिंदेसर खुर्द माइंस अब विश्व की दूसरे नंबर की सबसे बड़ी चांदी उत्पादक खदान है, जो 2023 तक चौथे नंबर पर थी।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयर पर्सन प्रिया अग्रवाल ने बताया कि कंपनी के रिकॉर्ड 746 मीट्रिक टन चांदी उत्पादन ने कंपनी को विश्व में तीसरे स्थान पर ला खड़ा किया है। हिंदुस्तान जिंक के उत्पादन में साल दर साल 5 प्रतिशत वृद्धि का श्रेय अयस्क उत्पादन में वृद्धि और उन्नत ग्रेड को जाता है, जिससे वह वैश्विक चांदी बाजार में एक प्रमुख उत्पादक कंपनी के रूप में सुदृढ़ हुई है।

इसके पंतनगर सिल्वर रिफाइनरी की मान्यता और लंदन गुड डिलीवरी सूची में शामिल होने से रिफाइनरी के अंतराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों की पालना की पुष्टि होती है, जो कि 99.99 प्रतिशत शुद्ध चांदी के लिए लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन द्वारा प्रमाणित है। साथ ही विश्व स्तर पर सौर नवकरणीय ऊर्जा के सभी स्रोतों में सबसे तेज बढ़ने वाले स्रोत के रूप में स्थापित होने के साथ ही चांदी की मांग और बढ़ेगी। 2024 में आभूषण निर्माण में 4 प्रतिशत की रिकवरी के कयास के साथ भारत के चांदी में सबसे बड़े योगदानकर्ता बनने की संभावना है। साथ ही चांदी के बर्तनों की मांग में भी 7 फीसदी वृद्धि का अनुमान है।

बंद कमरे में मिला शव, दुर्गंध उठने पर हुआ खुलासा

जांच में जुटी पुलिस, किराए पर रहता था युवक

दौसा,19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर जिला मुख्यालय स्थित लालपोल के बाहर किराए के मकान में रहने वाले एक युवक का बंद कमरे में शव मिलने का मामला सामने आया। बंद कमरे में मिले संदिग्ध अवस्था में मिले युवक के शव के बाद आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। बंद कमरे से आ रही दुर्गंध को लेकर घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जालौर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो बिस्तर में युवक का शव मिला।

जानकारी के अनुसार उक्त युवक का शव करीब तीन–चार दिन पुराना बताया जा रहा है। मृतक सांचौर के कारोला गांव का निवासी देव कुमार सिंह पुत्र तेज सिंह जाति राजपूत बताया जा रहा है। युवक जालौर शहर के लालपोल के बाहर एक किराए के मकान में रहता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जालौर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और मृतक के परिजनों को सूचना दी गई।

पुलिस उप निरीक्षक शशिकला ने बताया कि जालोर के लालपोल इलाके में मकान मालिक मोहनलाल पुत्र आख–ेराम माली की ओर से शिकायत मिली। शिकायत में उसने बताया कि उनके मकान में किराए से रहने वाले देवकुमार सिंह (25) के कमरे से बदबू आ रही है और कमरा अंदर से बंद है। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरव–ाजा काटकर देखा कि कमरे की फर्श पर बिस्तर पर शव पड़ा हुआ था। करीब शव 3–4 दिन का पुराना हो चुका था। हालांकि घटना के बाद पुलिस में पूरे रूम की तलाशी ली गई लेकिन कोई भी प्रकार संदिग्ध कागज क्या सुसाइड नोट नहीं मिला है ऐसे में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है वह परिजनों के पहुंचने पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

राजस्थान के बीकानेर में भाजपा प्रत्याशी कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का प्रचार करते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी एवं पूर्व सरपंच बिजाराम मेघवाल।

रोहित गोदारा गैंग का गुर्गा 40 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

बीकानेर ,19 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रोहित गोदारा गैंग के गुर्गे सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 6 पिस्टल और दस कारतूस बरामद किए हैं। एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि रोहित गोदारा गैंग का गुर्गा माधव पारीक यहां हत्या का प्रयास करने सहित कई मामलों में वांछित था और वह पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। बीकानेर पुलिस को इनपुट मिला था कि यह इनामी बदमाश पश्चिमी बंगाल में सिलीगुड़ी में इन दिनों फरारी काट रहा है।

रेल रोको आंदोलन: तीसरे दिन भी शंभू में ट्रैक पर डटे हैं किसान

110 ट्रेनों का संचालन प्रभावित , 40 रद्द

चंडीगढ़,19 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले शंभू में रेलवे ट्रैक पर किसानों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी है। इसके चलते 110 ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। 40 ट्रेन रद्द की गई हैं। 54 ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं। आठ को बीच रास्ते रद्द कर दिया गया है।

पटियाला रेंज के डीआईजी और एसएसपी से किसान जत्थेबंदियों की बैठक हुई है, लेकिन कोई सहमति न बन पाने के चलते किसानों का रेल ट्रैक पर जाम जारी रहा। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने साफ किया कि आंदोलन जारी रहेगा, जब तक नवदीप सिंह व बाकी दो किसानों अनीश खटकड़ और गुरकीरत सिंह को रिहा नहीं किया जाता है। पंधेर ने कहा कि इन तीनों को गलत केस में फंसाया गया है। गिरफ्तारी के विरोध में अनीश खटकड़ जेल में मरणव्रत पर हैं, लेकिन केंद्र व हरियाणा टस से मस नहीं हुई है।

फिरोजपुर मंडल की 29 मेल और पैसेंजर ट्रेनें रद्द

फिरोजपुर। शंभू रेलवे स्टेशन पर किसान आंदोलन के चलते रेल डिवीजन फिरोजपुर से अंबाला व अन्य शहरों को जाने वालीं 29 मेल व पैसेंजर ट्रेनें रद्द की गई हैं, जबकि 28 ट्रेनों के रूट बदले गए हैं। इन सबके चलते यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

रेल अधिकारियों के मुताबिक बारह मेल (एक्सप्रेस) ट्रेनें रद्द की गई हैं। इनमें अमृतसर–चंडीगढ़ (12032), नई दिल्ली–अमृतसर (12029), पुरानी दिल्ली–फाजिल्का (14507), नई दिल्ली–अमृतसर (12459), जम्मूतवी–कानपुर (12470), कटरा–नई दिल्ली (22478), पुरानी दिल्ली–जालंधर (14681), पुरानी दिल्ली–कटरा (14033), नई दिल्ली–अमृतसर (12013), अमृतसर–नई दिल्ली (12014), अमृतसर–नई दिल्ली (12498) व हिसार–अमृतसर (14653) शामिल हैं। इसके अलावा 17 पैसेंजर ट्रेनें रद्द की गई हैं, जबकि 28 ट्रेनों के रूट बदले हैं।

एंटी करप्शन ने बिचौलिए को एक लाख की रिश्वत के साथ किया गिरफ्तार किया, थाना प्रभारी फरार

पानीपत,19 अप्रैल (एजेंसियां)। पानीपत में एंटी करप्शन ब्यूरो की करनाल टीम ने पानीपत के सेक्टर थाना 13–17 थाना में एक बिचौलिए को एक लाख रूपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया है। थाना के प्रभारी बिलासाराम पकड़े जाने के डर से थाने से फरार हो गए। उन पर दुराचार के एक मामले में आरोपी को बाहर निकालने के लिए एक लाख रुपए लेने का आरोप है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने इसमें मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एंटी करप्शन ब्यूरो करनाल को सेक्टर 13- 17 थाना प्रभारी बिलासाराम के खिलाफ रिश्वत की शिकायत मिली थी। इंस्पेक्टर तेजपाल के नेतृत्व में टीम ने पानीपत में शिकायत के आधार पर ताबिश दी। यहां सोनीपत के पांची गांव निवासी धर्मेंद्र को एक लाख रुपए की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया। धर्मेंद्र की इस मामले में बिचौलिया की भूमिका थी। शिकायतकर्ता से दुराचार के एक मामले में आरोपी को निकालने की एवज में एक लाख रूपये की मांग की थी। एंटी करप्शन ब्यूरो की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिलासाराम फरार हो गए। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने उनको पकड़ने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह हाथ नहीं लगे। ब्यूरो ने इस मामले में आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। खाकी पर पहले भी लग चुके हैं दाग पुलिस पर रिश्वत के दाग पहले भी लग चुके हैं। इससे पहले थाना चांदनी बाग प्रभारी व जांच अधिकारी पर हत्या को हादसा दिखाने के आरोप लगे थे। दोनों ने आरोपियों से लाखों रुपए लेकर एक कबाड़ी की हत्या को हादसा दिखा दिया था। इस मामले में थाना प्रभारी और जांच अधिकारी दोनों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इंस्पेक्टर बिलासाराम मूल रूप से महम रोहतक के निवासी हैं। वह पिछले दिनों ही कैथल से ट्रांसफर होकर पानीपत आए थे। उनकी सेवानिवृत्ति को एक साल बाकी है।

बदमाशों ने सेवा केंद्र के संचालक पर किया हमला

पिस्तौल के दम पर एक लाख की नकदी लूटी

रेवाड़ी,19 अप्रैल (एजेंसियां)। रेवाड़ी के बावल में मोहल्ला चतुर्देवी में स्थित एक मनी ट्रांसफर की दुकान में वीरवार की रात लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। दुकानदार ने जैसे ही बदमाशों का विरोध किया तो कनपटी पर पिस्तौल रख दी। इस दौरान पिस्तौल की बट से सिर पर कई वार किए गए, जिससे दुकानदार घायल हो गया। बदमाश मौके से बैग से करीब एक लाख रुपये की नकदी ले लेकर फरार हो गए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बावल थाना पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बावल शहर के वार्ड नंबर 5 के मोहल्ला चतुर्देवी निवासी दशरथ कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने मोबाइल के अलावा मनी ट्रांसफर की दुकान भी चला रखी है। रोजाना की तरह वह रात को अपनी दुकान पर बैठा था। रात करीब सवा नौ बजे बाइक पर सवार होकर तीन बदमाश पहुंचे। हेलमेट पहने एक बदमाश बाहर खड़ा रहा और दो बदमाश अंदर चले गए। दोनों बदमाशों ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। अंदर आते ही एक बदमाश ने उसकी कनपटी पर पिस्तौल रख दी। बदमाशों ने सीधे गर्दन पर वार किया। इसी बीच तीसरा बदमाश भी वहां पहुंच गया। बदमाशों ने बैग से करीब एक लाख रुपये की रकम निकाल ली। पीड़ित के मुताबिक उसका फोन छीनने के लिए उसके सिर पर तमंचे की बट से कई वार किए। इसके बाद वे बाइक पर सवार होकर रेवाड़ी रोड की ओर भाग गए। दशरथ ने काफी शोर भी मचाया, लेकिन जब तक लोग उसकी दुकान पर पहुंचते बदमाश मौके से भाग चुके थे। बावल थाना प्रभारी लाजपत ने बताया कि पीड़ित दशरथ की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

युवक की हत्या मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी,19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में थाना कसौला पुलिस ने संगवाड़ी के समीप एक युवक की हत्या करके शव को फेंकने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान यूपी के जिला बदायूं के गांव कलरावाला निवासी निहाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में दो आरोपी यूपी के जिला बदायूं के गांव कलरावाला निवासी नेकपाल और नन्हे खां को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।पुलिस ने बताया कि गांव लाधुवास गुज्जर निवासी श्यामपत ने 9 अप्रैल को डायल–112 पर सूचना दी थी कि जयपुर–दिल्ली राजमार्ग संख्या–48 के सर्विस रोड पर संगवाड़ी फ्लाईओवर के समीप एक युवक का शव हुआ है। हाथ–पैर बंधे हुए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

तिलक समारोह से लौट रहे लोगों से भरा ट्रैक्टर नहर में पलटा, तीन मौत

दर्जन भर लोग घायल

पटना (एजेंसियां)। आरा के चरपोखरी में देर रात बड़ा सड़क हादसा हुआ। भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो है, जबकि डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हैं। सभी का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव के समीप हुई है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच गई और रेस्क्यू कर सभी जख्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भेजा गया है।

चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव में मुकुंदपुर छोटी नहर के पास तिलक से लौट रही ट्रैक्टर नहर में पलट गई। इस ट्रैक्टर पर 20 से 25 मजदूर बैठे हुए थे। सभी मजदूर मुकुंदपुर गांव के रहने वाले विनोद की बेटी फूला कुमारी के तिलक समारोह में गए थे। तिलक समारोह से वापस लौटने के दौरान ट्रैक्टर गांव के हो एक छोटी नहर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। साथ ही इस घटना में डेढ़ दर्जन के करीब लोग जख्मी है। मरने वालों में अगिआंव बाजार क्षेत्र के तिवारीडीह के खैरी गांव निवासी स्वर्गीय अघानु मुसहर का 60 वर्षीय पुत्र भदई मुसहर, अगिआंव बाजार के तिवारिडीह खैरी गांव के जगदीश मुसहर का 40 वर्षीय पुत्र निर्मल मुसहर और गड़हनी थाना क्षेत्र के नतमपुर गांव निवासी टेंगारी मुसहर का 40 वर्षीय पुत्र जगत मुसहर है। जगत मुसहर और निर्मल मुसहर आपस में जीजा साला थे। वहीं इस घटना में लगभग डेढ़ दर्जन लोग बुरी तरह जख्मी है। जिनका इलाज जिले के अलग अलग अस्पतालों और आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है।

घटना को लेकर जख्मी भानु कुमार ने बताया कि गुरुवार को अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के खैरी गांव से 20 से 25 लोग ट्रैक्टर पर बैठकर विनोद कुमार की बेटी फूला कुमारी के तिलक समारोह में चरपोखरी गांव में गए थे। तिलक से लौटने के दौरान लगभग एक बज गया था। तभी चरपोखरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मुकुंदपुर गांव के समीप छोटी नहर के पास ब्रेकर आया। उसी ब्रेकर पर ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पूरा ट्रैक्टर नहर में पलट गई। जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद चरपोखरी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में करके आरा सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए ले आई। जहां सभी शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना को लेकर चरपोखरी थाना प्रभारी ने बताया कि सभी लोग तिलक समारोह से लौट रहे थे। मुकुंदपुर के पास डायवर्शन था। जहां ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलट गई। इस घटना में तीन लोग की मौत हो है।

गया में हर तरफ दिखा मतदान का उत्साह, चूल्हा-चौका छोड़कर बूथ पर पहुंचीं महिलाएं

गया (एजेंसियां)। गया के मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह खासा उत्साह है। शुक्रवार की अहले सुबह से ही महिला मतदाता अपना चूल्हा-चौका छोड़कर अपने-अपने मतदान केंद्रों तक पहुंच गई।

लोकसभा चुनाव के इस महापर्व पर अधिक अधिक लोगों ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। गया लोकसभा के अधिकतर मतदान केंद्रों पर महिला मतदाताओं की लंबी कतार दिखी। हर दो-दो घंटे पर आ रहे मतदान के आंकड़े भी इसकी गवाही देते नजर आए। शुक्रवार की अहले सुबह से ही महिला मतदाता अपना चूल्हा-चौकी छोड़कर अपने-अपने मतदान केंद्रों तक पहुंच गई।

मतदान को लेकर पहली बार अपना वोट देने वाले युवाओं व युवतियों में खासा उत्साह रहा। जबकि वृद्ध एवं बीमार वोटरों ने भी मतदान कर अपना धर्म निभाया। गया टाउन विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-

121 पर पहली बार वोट करने आई छात्रा अंजली कुमारी ने बताया कि विकास के प्रति समर्पित प्रत्याशी को ही अपना वोट दिया। ताकि बनने वाली सरकार शिक्षा, स्वास्थ, बिजली, पानी व सड़क, नौकरी पर विशेष कार्य करें। साथ ही मनोज कुमार ने बताया कि देश जिसके हाथ में सुरक्षित रहे उसी को वोट समर्पित किया है। वहीं सुबह 11 बजे तक 14.50 फीसदी वोटिंग हो चुकी है। गया लोकसभा क्षेत्र में कुल 18 लाख 16 हजार 815 मतदाता है।

हालांकि गया लोकसभा सीट पर एनडीए प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और राजद प्रत्याशी सह पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत समेत 14 प्रत्याशी चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। जिसमें राजद प्रत्याशी सह बोधगया विधायक पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत, बहुजन समाज पार्टी से सुषमा कुमारी, दी नेशनल रोड मैप पार्टी आफ इंडिया से गिरिधर सपेरा, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा सेक्युलर से पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी से धीरेन्द्र प्रसाद, भारतीय लोक चेतना पार्टी से शिव शंकर, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी से सुरेंद्र मांझी और निर्दलीय से अमरेश कुमार, अरुण कुमार, अशोक कुमार पासवान, आयुष कुमार, देवेन्द्र प्रताप, रंजन कुमार और राजू कुमार चौधरी शामिल हैं।

जमुई लोकसभा के लिए मतदान करने पहुंचे सम्राट चौधरी, कहा-

देश की तरक्की की खातिर वोट डालें

जमुई (एजेंसियां)। प्रथम चरण में जमुई लोकसभा अंतर्गत तारापुर विधानसभा में मतदान हो रहा है। वहीं, मतदान करने के लिए मतदान केंद्र संख्या 74 प्राथमिक विद्यालय लखनपुर दक्षिणी भाग पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहुंचे। जहां उन्होंने मतदान किया। मतदान के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए और देश को विकसित बनाने के लिए सभी मतदाता मतदान करें।

सम्राट चौधरी ने दावा किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। बिहार में पहले चरण के तहत जिन चार लोकसभा सीटों पर आज मतदान हो रहा है, सभी पर एनडीए प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है।

उन्होंने कहा कि भारत को शेष्ठ बनाने के लिए बिहार के सभी मतदाता साथियों से अपील करते हैं कि वे प्रथम चरण में हो रहे बिहार की लोकसभा सीट नवादा, औरंगाबाद, जमुई और गया में चुनाव में देश को विकसित बनाने के लिए, भारत को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्याशी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रत्याशी को वोट करें। भारत को सर्वश्रेष्ठ बनाने में एक बड़ा योगदान देने में अपना सहयोग करें।

सड़क जाम कर दो गांव के लोग आपस में भीड़े

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद के सिकरिया गांव में सड़क जाम कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि सिकरिया गांव के लोग किसी बात से नाराज होकर सड़क पर आ गए और ऑटो को रोक कर तोड़ने की धमकी दी।

इस दौरान बेलदारी बीघा गांव के लोगों ने ऐसा करने से मना किया। इस बात से नाराज होकर दोनों गांव के लोग आपस में लड़ने लगे। धीरे-धीरे बात इतनी बढ़ गई कि लाठी डंडे और इट पत्थर से हमला होने लगा।

जानकारी के अनुसार एक युवक की हत्या के बाद गांव के लोग गुस्से में थे और लड़ाई में कई वाहनों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना भी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों गांव को लोगों को भागकर मामले को शांत कराया। वहीं जब मामले को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने इस घटना से इनकार कर दिया और इस पर कुछ भी बोलने से बचते हुए नजर आए।

औरंगाबाद में वोट प्रतिशत बढ़ाने की अपील के साथ डीएम-एसपी और सांसद ने किया वोट

औरंगाबाद (एजेंसियां)। औरंगाबाद के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक स्वपना गौतम मेशाम ने शुक्रवार को शहर में जिला परिषद कार्यालय परिसर स्थित आदर्श मतदान केंद्र संख्या 183 पर मतदान किया। मतदान के बाद डीएम ने लोगों को घरों से निकलकर शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद का मतदान प्रतिशत कम रहा है। इस कारण लोग अधिक से अधिक मतदान करे ताकि मतदान का प्रतिशत बढ़े। इसके लिए उन्होंने युवा वोटरों से आगे आने की अपील की। एसपी ने कहा कि सभी बूथों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो रहा है। सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध है। लोग लोकतंत्र के पर्व में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रहे है।

औरंगाबाद के निवर्तमान सांसद और भाजपा प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह ने शुक्रवार को शहर में जिला परिषद कार्यालय परिसर स्थित आदर्श मतदान केंद्र संख्या 183 पर मतदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए वोट किया है। साथ ही उन्होंने अपने विरोधी राजद प्रत्याशी अभय कुशवाहा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि वह ऐसे प्रत्याशी हैं, जो अपने लिए अपना वोट भी नही दे सकते। वह गया लोकसभा के निवासी हैं और उन्हें गया के प्रत्याशी के लिए वोट करना है, जबकि मैं ही नही बल्कि मेरा परिवार यहां का ही निवासी है। हम सब लोकतंत्र की मजबूती के लिए वोट कर रहे हैं।

औरंगाबाद में बूथ संख्या 184 पर चुनाव ड्यूटी कर रहे एक पोलिंग ऑफिसर अचानक बीमार हो गये। बताया जाता है कि भयंकर गर्मी के कारण अचानक उनकी तबीयत खराब हुई थी। पी-1 की जिम्मेवारी निभा रहे गोपाल राम के नाक से अचानक ब्लीडिंग होने लगी। खून और चेहरा धोने के बाद फिलहाल वें बूथ पर ही किनारे होकर सुस्ता रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने कहा कि पहले कभी उनके साथ ऐसा नही हुआ था, आज ही ऐसा हुआ है। वह नबीनगर में मध्य विद्यालय शाहपुर में शिक्षक हैं। शिक्षक की तबीयत बिगड़ने की सूचना कंट्रोल रूम को दी गई है। वहां से रिजर्व में रखे गये किसी दूसरे चुनाव कर्मी को बूथ पर भेजा जा रहा है।

बाहरी उम्मीदवार लाकर घर की बात कह रहे चिराग क्या काम आएगा यह दांव या भारी पड़ेगा वामपंथ

खगड़िया (एजेंसियां)। खगड़िया लोकसभा सीट 2014 और 2019 में लोजपा के खाते में गई थी। यहां से चौधरी महबूब अली कैसर दो बार भारी बहुमत से संसद पहुंचे थे। जबकि इस बार लोजपा राजेश वर्मा पर दांव आजमा रही है। तीसरी बार खगड़िया सीट को जीतना लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के लिए प्रतिष्ठा की बात बन चुकी है। अपने गृह जिला होने के कारण चिराग पासवान किसी भी कीमत पर खगड़िया में एक बार फिर लोजपा को जीत दिलाने के लिए कोई कसर छोड़ना नहीं चाह रहे हैं। खगड़िया पहुंचे चिराग पासवान ने अपने पिता दिवंगत रामविलास पासवान का जिक्र करते हुए इस सीट को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ दिया है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या चिराग की पार्टी खगड़िया के किले को फतह कर पाएगी? क्या चिराग अपने नए-पुराने सहयोगियों को एक सूत्र में बांध पाएंगे? वर्तमान सांसद चौधरी महबूब अली कैसर में लोजपा से बगावत कर दी है। उन्होंने गुरुवार को सीप-ीआईएम उम्मीदवार संजय कुमार सिंह को अपना समर्थन दिया है। आइए जानते हैं खगड़िया लोकसभा का चुनावी गणित...

खगड़िया लोकसभा सीट के लिए एक तरफ जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की तरफ से सभी जोर आजमाइश किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन भी जीत के लिए कोई कोर कसर छोड़ने की फिराक में नहीं है। महागठबंधन ने अपने उम्मीदवार के रूप में खगड़िया सीट सीपीआई (एम) को दिया है। ऐसे में एनडीए के लिए खगड़िया के किले को जीत पाना आसान नहीं होगा।

सात नदियों से घिरे खगड़िया लोकसभा क्षेत्र में करीब 17 लाख वोटर हैं। इनमें पुरुषों की आबादी 893,986 और महिलाओं की संख्या 793,640 है। यहां सबसे निर्णायक भूमिका में यादव वोटर होते हैं। वहीं दूसरे नंबर पर मुस्लिम समुदाय आते हैं। जबकि तीसरा नंबर निषाद समुदाय का है। आंकड़ों की अगर बात करें तो खगड़िया लोकसभा क्षेत्र में यादव वोटरों की संख्या 340000 के करीब है। जबकि निषाद और मुस्लिम वोटर डेढ़-डेढ़ लाख हैं। यानी यह तीन जातियां चुनाव में अहम भूमिका में हैं। जो अगर वोट में तब्दील होकर किसी उम्मीदवार के पक्ष में चला जाए तो उसकी जीत लगभग तय मानी जा सकती है। वहीं कुर्मी और कुशवाहा दोनों जातियों के मतदाताओं को मिला दें तो इनकी संख्या ढाई लाख के करीब है। जबकि सवर्ण समुदाय के भी डेढ़ लाख मतदाता हैं।

साल 1957 में पहली बार खगड़िया से कांग्रेस के जियालाल मंडल ने जीत दर्ज की थी। जो 1962 में भी लोकसभा पहुंचे। जबकि 1967 के चुनाव में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के कामेश्वर प्रसाद सिंह ने जीत का परचम लहराया था। सन् 1971 के लोकसभा चुनाव में भी इसी पार्टी के उम्मीदवार शंकर प्रसाद यादव ने भारी मतों से जीत दर्ज की थी। वहीं वर्ष 1977 के चुनाव में खगड़िया सीट जनता पार्टी को मिला था। जिससे ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव ने जीत दर्ज की। इसी तरह बितते समय के साथ 1980 में खगड़िया सीट कांग्रेस की झोली में चली गई। कांग्रेस के उम्मीदवार सतीश प्रसाद सिंह ने यहां से जीत दर्ज कर लोकसभा में प्रवेश किया। वहीं 1984 में कांग्रेस, वर्ष 1989, 1991 और 1996 में जनता दल, 1998 में समता पार्टी, 1999 में जनता दल (यूनाइटेड), 2004 में राष्ट्रीय जनता दल, 2009 में जनता दल (यू) की झोली में गई। इसके बाद 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी ने अपना परचम लहराया।

लोजपा प्रमुख चिराग पासवान के लिए एक तरफ जहां खगड़िया सीट प्रतिष्ठा का सबक बन चुका है। वहीं दूसरी तरफ उनके लिए एनडीए सहयोगियों को भी सहेजना टेढ़ी खीर के समान है। हालांकि गठबंधन की तरफ से एक जुटता की बात तो कहीं जा रही है, बावजूद इसके बताया जा रहा है कि कुछ जदयू खेमा और कुछ भाजपा कार्यकर्ता अपनी नाराजगी संगठन की बैठक में जता चुके हैं। हालांकि चिराग को इन सभी बातों का इल्म है। अब देखना यह है कि अपने गृह जिले में चिराग पासवान अपने पिता की विरासत का वोट एकजुट कर पाते हैं या नहीं?

खगड़िया लोकसभा सीट 6 विधानसभा मिलकर बनाया गया है। जिसमें चार विधानसभा खगड़िया जिले में एक विधानसभा समस्तीपुर जिले में और एक विधानसभा सहरसा जिले से शामिल है। जब से खगड़िया जिले में लोकसभा क्षेत्र बना है, तब से खगड़िया लोकसभा क्षेत्र कभी बेगूसराय जिले के एक हिस्से में तो कभी भागलपुर जिले के एक हिस्से में पड़ा। अभी वर्तमान में समस्तीपुर के रोसरा विधानसभा और सहरसा के हसनपुर विधानसभा को मिलाकर खगड़िया लोकसभा क्षेत्र बना हुआ है। वहीं खगड़िया में अभी तक 16 सांसद बने हैं। जिसमें से मात्र चार स्थानीय निवासी खगड़िया जिले के सांसद बने हैं। इसलिए महागठबंधन के उम्मीदवार के लिए यह चक्रव्यूह तोड़ना आसान नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपनी चुनावी सभा में बाहरी को वोट नहीं देने की अपील की है। बता दें कि लोजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा राजेश वर्मा भागलपुर के रहने वाले हैं। राजेश वर्मा भागलपुर से 2020 में लोजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव भी लड़ा था।

चुनावी ड्यूटी करने आया बिहार पुलिस का जवान हो गया निलंबित

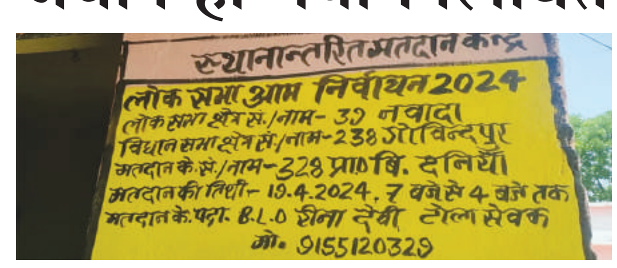

लापरवाही में चोरी हो गई उसकी रायफल

नवादा (एजेंसियां)। नवादा में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान हो रहा है, लेकिन इससे पहले वहां तैनात सिपाही का रायफल 20 राउंड गोली के साथ गायब हो गया। इस बात की सूचना मिलते ही सिपाही को तुरंत निलंबित कर दिया गया। यह घटना पकरीबरावां के राजेबीघा गांव की है। सिपाही उत्तम कुमार ने पकरीबरावां थाना में अपने रायफल और गोली की चोरी का मामला दर्ज कराया है।

सिपाही उत्तम कुमार ने थाना में दिए गये आवेदन में लिखा है कि पोलिंग पार्टी के साथ पांच सुरक्षा बलों को लगाया गया था, जिसमें एक उत्तम कुमार भी था। मतदान केंद्र के करीब 200 मीटर की दूरी पर गुरुवार की रात्रि एक बारात ठहरी हुई थी। उत्तम जब सुबह जगे तो उनका रायफल वहां से गायब था।

सिपाही का आरोप है कि बारात में आए किसी शख्स ने राइफल चोरी की है। मामला दर्ज होते ही पुलिस छापेमारी करना शुरू कर दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही वरीय पदाधिकारी ने उस सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस घटना में पुलिस ने छापेमारी करते हुए बाराती के तीन लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

समस्तीपुर जिला बल के सिपाही उत्तम कुमार राउत ने बताया कि एसएलआर रायफल में 20 राउंड गोली भी लोड थी। पुलिस रायफल की खोजबीन में जुटी है। पुलिस कहना है कि जांच के बाद ही किसी नतीजे तक पहुंचा जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com